हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • गुरुवार • 23.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 182 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

कैबिनेट ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को अगले पांच सालों तक जारी रखने को दी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देश में प्राप्त उपलब्धियों को स्वीकारते हुए बुधवार को इसे अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मिशन के तहत देश ने कई ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किए हैं। इससे देशभर में करीब 12 लाख स्वास्थ्यकर्मी जुड़े हैं। कोविड के भयावह काल का सामना करने में मिशन ने बड़ी भूमिका निभाई है और देश को 2.20 अरब कोविड टीके लगाए तथा सर्टिफिकेट बांटे गए हैं।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रिमंडल को वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रगति से अवगत कराया गया। मंत्रिमंडल को मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, मृत्यु दर और कुल प्रजनन दर में त्वरित गिरावट तथा टीबी, मलेरिया, कालाजार, डेंगू, तपेदिक, कुष्ठ रोग, वायरल हेपेटाइटिस आदि जैसे विभिन्न रोगों के कार्यक्रमों के संबंध में प्रगति और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जैसी नई पहलों से भी अवगत कराया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देशभर में 220 करोड़ कोविड-19 वैक्सीन की खुराकें दी गईं।

वर्ष 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्ष 1990 के बाद

से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 75 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। टीबी के मामले 2015 में प्रति एक लाख में 237 से घटकर 2023 में 195 हो गए हैं। वहीं इससे मृत्यु दर 28 से घटकर 22 हो गई है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 1.56 लाख निक्षय मित्र स्वयंसेवक 9.4 लाख से अधिक टीबी रोगियों की सहायता कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों की संख्या 1.72 लाख तक। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन ने 2.61 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की। भारत ने खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान में 97.98 प्रतिशत कवरेज हासिल किया। मलेरिया नियंत्रण प्रयासों से मृत्यु दर और मामलों में कमी आई है। कालाजार उन्मूलन लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 4.53 लाख से अधिक डायलिसिस रोगियों को लाभान्वित किया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरूआत 2005 में की गई थी, जिसका उद्देश्य जिला अस्पताल (डीएच) स्तर तक ग्रामीण आबादी, विशेष रूप से कमजोर समूहों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना था। वर्ष 2012 में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की अवधारणा बनाई गई और एनआरएचएम को दो उप-मिशनों यानी एनआरएचएम और एनयूएचएम के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में पुनः नामित किया गया।

आपको बता दें, एनएचएम के निरंतर प्रयासों ने भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में नाटकीय परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है। मानव संसाधनों का विस्तार करके, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करके और गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करके, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने का काम जारी रखता है।

एक नजर

जूट के एमएसपी में 315 रुपये की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट के एमएसपी को मंजूरी प्रदान की है। 2025-26 के सीजन के लिए कच्चे जूट का एसपी 5650 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। पिछले सीजन 2024-25 के मुकाबले जूट के मूल्य में 315 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि 2014-15 के बाद से 2025-26 के दौरान जूट के खरीद मूल्य को 2400 रुपये से बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यानि इन सालों में एमएसपी में 2.35 गुना की वृद्धि की गई है।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक नक्सली को लगी गोली

लातेहार : लातेहार -लोहरदगा के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित सेमरखाड़ के पास मंगलवार की देर रात पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली को गोली लगी। जबकि अन्य नक्सली अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। घटना के बाद बुधवार की सुबह पुलिस ने घटनास्थल पर सर्च अभियान चलाकर एक हथियार बरामद किया है।

लातेहार एसपी कुमार गौरव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के सेमरखाड़ गांव के निकट जंगल में जेजेएमपी नक्सलियों का एक दस्ता जमा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस की टीम छापामारी अभियान चलाते हुए जंगल में पहुंची। लेकिन पुलिस को देखकर नक्सलियों ने फायरिंग आरंभ कर दिया। जबाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इस दौरान एक नक्सली को गोली लगी इसके बाद अन्य नक्सली जंगल और अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। एसपी ने कहा कि पुलिस के द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घटना के विस्तृत जानकारी सर्च अभियान के बाद दी जाएगी।

नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी के घर एसीबी की छापेमारी

रांची : एसीबी की टीम भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में बुधवार की सुबह से कार्रवाई कर रही है। एसीबी की टीम नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार के मोरहाबादी के रामकृष्ण मिशन के पास स्थित आवास और गुमला के घाघरा में स्थित आवास पर पहुंचकर छापेमारी की। इसकी पुष्टि निगरानी के एसपी ने की है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन विधायक आवासीय परिसर का किया निरीक्षण

व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त होंगे विधायकों के आवास : हेमन्त सोरेन

- मुख्यमंत्री ने परिसर में विधायक गणों के लिए बन रहे आवास, हेल्थ सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, चिल्ड्रेन पार्क समेत अन्य निर्माण कार्यों को देखा, कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश।
- मुख्यमंत्री ने विधायक आवासीय परिसर में योजनाबद्ध तरीके से प्लांटेशन करने का भी दिया निर्देश।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज निमार्णाधीन विधायक आवासीय परिसर, जगन्नाथपुर, रांची का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां विधायक गणों के लिए बन रहे आवास, हेल्थ सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, चिल्ड्रन पार्क, प्ले ग्राउंड, बिजली, पानी और सड़क, व्हीकल पार्किंग सिवरेज- ड्रेनेज सिस्टम समेत अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि जल्द से जल्द इसके हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर विधायक गणों को ये आवास अलॉट किया जा सके। इस दौरान निर्माण कार्य कर रहे कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इस वर्ष जून माह तक सभी निर्माण कार्य पूरा हो जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने विधायक आवासीय परिसर में बड़े पैमाने पर प्लांटेशन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभी विधायकों के लिए आवासीय व्यवस्था व्यवस्थित नहीं है। राजधानी रांची के अलग-अलग क्षेत्र में उन्हें रहने के लिए आवास उपलब्ध कराया गया है। लेकिन, विधायक आवासीय परिसर के निर्माण होने से सभी विधायकों को एक ही कैंपस में रहने के लिए एक बेहतर, व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त आवास मिलेगा। मुख्यमंत्री के विधायक आवासीय परिसर के निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएम से राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा, केंद्रीय कमेटी और केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ने गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के सिरसी गांव में तीन फरवरी को आयोजित होने वाले सिरसी-ता-नाले दर्शन यात्रा (वार्षिक पूजा-प्रार्थना कार्यक्रम) में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति ने अपनी मांगों से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की, कोषाध्यक्ष प्रकाश हंस, संरक्षक सचिन कच्छप, मुन्ना उरांव एवं राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज मुंडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छोटेलाल करमाली, राष्ट्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव, राष्ट्रीय सचिव करमा उरांव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बिरसा उरांव, प्रदेश धर्मगुरु राजेश लिंडा, रामगढ़ राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला धर्मगुरु संदीप उरांव, लोहरदगा जिला धर्मगुरु फुलेश्वर उरांव के अलावा सोमदेव उरांव, जयंती उरांव, कृष्ण भगत, सुकेंदर भगत, बुंडू सरना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष एतवा उरांव, नूतन कच्छप सुधु भगत एवं भूलेश्वर भगत प्रमुख रूप से शामिल थे।

बेरमो के ऊपरघाट में मुठभेड़, दो नक्सली मारे गए, दो पुलिसकर्मी घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के बेरमो में बुधवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुठभेड़ बेरमो अनुमंडल के ऊपरघाट में हुई है। बेरमो अनुमंडल के नक्सल प्रभावित पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊपरघाट के बंशी एवं जरवा के जंगल में सुरक्षा बलों के जवानों की प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के साथ बुधवार अहले सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक महिला एवं एक पुरुष नक्सली को ढेर कर दिया। मुठभेड़ में मारी गई महिला नक्सली मंगलवार को चंद्रपुरा से पकड़े गए 15 लाख के इनामी हार्डकोर नक्सली रणविजय महतो की पत्नी बतायी जा रही है।

बोकारो एसपी को सूचना मिली थी कि रणविजय महतो की गिरफ्तारी के बाद छह नक्सलियों का सशस्त्र दस्ता ऊपरघाट के जरवा एवं बंशी के जंगल में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस, सीआरपीएफ और जगुआर के जवानों के साथ बोकारो एसपी ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को देखकर नक्सलियों ने उनको निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभाल लिया और देखते ही देखते दोनों ओर जमकर गोलीबारी शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के खिलाफ इस ऑपरेशन की कमान बोकारो एसपी स्वयं संभाल रहे हैं। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और जंगल में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर अतिरिक्त बल तैनात किया गया है और इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने लैंगिक भेदभाव को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के आज 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह एक परिवर्तनकारी और जन-शक्ति से संचालित पहल बन गई है। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने और बालिकाओं को सशक्त बनाने में सहायक रहा है। मोदी ने कहा कि इस पहल से कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने वाले सभी हितधारकों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर सिलसिलेवार अपनी पोस्ट में लिखा, आज हम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की 10वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। पिछ्ले एक दशक में यह एक परिवर्तनकारी, जन-संचालित पहल बन गई है और इसमें सभी क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी रही है। उन्होंने लिखा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने में सहायक रहा है और साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के लिए सही माहौल तैयार किया है कि बालिकाओं को शिक्षा और अपने सपनों को पूरा करने के अवसरों तक पहुंच मिले। प्रधानमंत्री ने लिखा, लोगों और विभिन्न सामुदायिक सेवा संगठनों के समर्पित प्रयासों के कारण #बेटीबचाओबेटीपढ़ाओ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। कम बाल लिंग अनुपात वाले जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और जागरूकता अभियानों ने लैंगिक समानता के महत्व की गहरी समझ पैदा की है। उन्होंने लिखा, मैं उन सभी हितधारकों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस आंदोलन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाया है। आइए, हम अपनी बेटियों के अधिकारों की रक्षा करना जारी रखें, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करें और एक ऐसा समाज बनाएं, जहां वे बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ सकें। एक साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आने वाले वर्ष भारत की बेटियों के लिए और भी अधिक प्रगति और अवसर लेकर आएं।

जलगांव में रेल हादसा, 11 लोगों की मौत

एजेंसी

जलगांव : महाराष्ट्र के जलगांव में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। पचोरा के पारधाड़े स्टेशन के पास पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद अफरातफरी मच गई। यात्रियों ने चेन पुलिंग की और ट्रेन से कूदना शुरू कर दिया। इसके बाद यात्री दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन का कहना है कि जलगांव जिले के कलेक्टर के मुताबिक हादसे में 10 से 12 यात्रियों की मौत हुई है। वहीं रेलवे के डिवीजनल कमिश्नर प्रवीण गेदम ने बताया कि हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच में आग लगने की अफवाह के बाद पचोरा के पारधाड़े स्टेशन के पास चेन पुलिंग की गई। ट्रेन रुकने से पहले अफरातफरी में यात्रियों ने उतरना शुरू कर दिया। मध्य रेलवे के मुख्य प्रवक्ता स्वप्निल नीला ने कहा कि पुष्पक एक्सप्रेस के कुछ यात्री नीचे उतर गए और सामने से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।

मंडल रेल प्रबंधक भुसावल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। रेलवे की मेडिकल टीम, रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जानकारी के मुताबिक पुष्पक एक्सप्रेस के एक कोच के अंदर हॉट एक्सल या ब्रेक-बाइंडिंग के कारण चिंगारी उठी और कुछ यात्री घबरा गए। उन्होंने चेन खींच दी, और उनमें से कुछ नीचे कूद गए। उसी समय कर्नाटक एक्सप्रेस बगल के ट्रैक से गुजर रही थी। महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं, जिसके बाद अधिक जानकारी मिल सकेगी।

नासिक के डिवीजनल कमिश्नर प्रवीण गेदम ने बताया कि हम मौके पर हैं। एडिशनल एसपी, एसपी, कलेक्टर और सभी अधिकारी पहुंचे हैं।

तमिलनाडु-कर्नाटक सीमा पर एल्लापुरा में ट्रक खाई में गिरा, 11 की मौत व दस घायल

बेंगलुरु : कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ जिले के अरेबिले इलाके में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ सब्जी विक्रेता ट्रक में सवार होकर कुमता बाजार जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक रास्ता भटक गया और गहरी घाटी में गिर गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों को सहायता सुनिश्चित करेगी। स्थानीय पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया तथा घायलों को तत्काल देखभाल के लिए नजदीकी चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित किया। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सड़क सुरक्षा चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नींद में गाड़ी चलाना और यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण ऐसी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। अधिकारियों को कीमती जानों की और हानि को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शोक संतप्त परिवारों का दर्द अकल्पनीय है। मैं राज्य सरकार से मृतकों के परिवारों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने और घायलों के चिकित्सा व्यय को वहन करने का आग्रह करता हूं।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में अगली सुनवाई 26 मार्च को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा पेपर लीक मामले की सीबीआई (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) या न्यायिक जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 मार्च की तिथि निर्धारित की है।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि मामले में सीआईडी के अनुसंधान जारी है। मोबाइल सहित कुछ डिजिटल उपकरण को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट में चार सप्ताह का समय लगेगा। इस पर कोर्ट ने सरकार को समय प्रदान करते हुए सुनवाई की अगली तिथि 26 मार्च निर्धारित की। साथ ही राज्य सरकार को अनुसंधान की अपडेट रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने परीक्षाफल प्रकाशन पर अगले आदेश तक रोक बरकरार रखा है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखा।

पिछली सुनवाई में झारखंड हाई कोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक होने के संबंध में दर्ज शिकायत पर परीक्षा संचालन अधिनियम-2023 के तहत पुलिस एफआईआर दर्ज करें और अनुसंधान कर अपनी रिपोर्ट दे। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले की जांच सीआईडी कर रही है। सीजीएल परीक्षा-2023 में गड़बड़ी के आरोप में सीआईडी ने दो केस दर्ज कर लिए हैं। इस मामले के अनुसंधान के लिए डीजीपी सह सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने एसआईटी भी गठित कर दी है।

एक नजर

केरेडारी में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

केरेडारी : केरेडारी प्रखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन में विधायक रोशनलाल चौधरी प्रमुख सुनीता देवी चिकित्सा प्रभारी डॉ.नफीस अंजुम उप प्रमुख अमेरिका महतो ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में सभी चिकित्सक रह कर लोगो को अच्छे से स्वास्थ्य जांच करे। ताकि लोगों को स्वास्थ्य की समस्या नहीं रहे। उद्घाटन के बाद विधायक ने एन सी डी, किशोरी स्वास्थ्य, मलेरिया, टीबी, शुगर, बीपी, दवा वितरण, योग, नशा मुक्त, समेत अन्य शिविरों लगे स्टॉल में बारी बारी से घूम घूमकर निरीक्षण किए। मौके पर डॉक्टर अंशु कुमार सोमिया लकड़ा डॉक्टर विनय कुमार शेवेन्द्र कुमार एस टी टी सजन कुमार कर्मचारी साव पंकज साहा विद्यासागर कुमार मनोहर राम बीटीटी सुरेश साव बालेश्वर कुमार सहिया साथी किरण कुमारी पूनम कुमारी पिंकी देवी सुनीता देवी कविता कुमारी देवन्ती देवी उपस्थित थे।

मुखिया की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर हुई बैठक

चौपारण : प्रखंड के जवनपुर पंचायत भवन में मुखिया जानकी यादव की अध्यक्षता में पंचायत के कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में बैठक हुई। जिसमें सभी ने आगामी गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी पर बल दिया। उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने गणतंत्र दिवस पर पंचायत भवन के प्रांगण की भव्यता एवं समुचित व्यवस्था की तैयारी पर अपने महत्वपूर्ण विचार दिए तथा 76वें गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया। बैठक में मुखिया जानकी यादव, पंचायत सचिव मुकेश कुमार, पुर्व मुखिया प्रतिनिधि मो० जमाल, पुर्व पंचायत समिति सदस्य मो० वहाब, उपमुखिया प्रतिनिधि मो० मतीन, सम्मानित वार्ड सदस्यगण, सुधीर दांगी, छोटेलाल जयसवाल, राजेश चौधरी, आशीष कुमार शर्मा, राजेश कुमार कुशवाहा, अर्जुन प्रजापति, मो० शोएब, कामेश्वर साव, रंजीत केशरी, बिशुनदेव साव, युगल साव, नकुल क्रौंच, जसवंत साव, प्रदीप रविदास, मनोज सिंह मो० सिटन पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन कर रहे रंजीत प्रजापति सहित पंचायत के कई गणमान्य महिला पुरुष उपस्थित थे।

दनुआ घाटी में गैस टैंकर और हाइवा में भीषण टक्कर

चौपारण : जीटी रोड की प्रसिद्ध घाटी दनुआ घाटी बाल-बाल दहलने से बच गई। दनुआ घाटी में सुबह-सुबह गैस टैंकर और हाइवा में भीषण टक्कर होने से हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और एनएचएआई की किरान लाकर गैस टैंकर को रोड से उठाकर साइड में किया गया। इस बीच रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। जिसे थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने अपने सूझ-बुझ से जाम को हटवाया। बताया जाता है कि बिहार जाने के क्रम में ट्रक व गैस टैंकर से टक्कर हो गई। घाटी में दुर्घटना होना कोई बड़ी बात नहीं है। आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पिछले सप्ताह से घाटी में लगातार दुर्घटना हो रही है।

उपायुक्त ने किया कटकमदाग अंचल एवं प्रखंड कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

प्रखंड व अंचल कार्यालय को बनाए पब्लिक फ्रेंडली : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय ने बुधवार को कटकमदाग अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण आज बुधवार को किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे। अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर उपस्थिति पंजी, माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित मामले, सामान्य रोकड़ पंजी, नामांतरण, एनटीपीसी हेतु अर्जित भूमि का नामांतरण,भू लगान, भंडार कक्ष,कैशबुक, आवंटन पंजी, म्यूटेशन आदि भूमि से संबंधित अन्य मामलों की गहनता से जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक,सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। अंचल

कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर भूमि हस्तांतरण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से आए पत्रों के कंप्लायंस, कैशबुक, आवंटन पंजी एवं भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक, सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों को अद्यतन करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया एवं अंचल के कार्यप्रणाली व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक,सैरात पंजी एवं बंदोबस्त पंजी की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की गई। उपायुक्त कार्यालय से आए पत्रों के कंप्लायंस की जानकारी लेने के साथ-साथ उपायुक्त ने कर्मियों को कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थित सीओ और बीडीओ से कार्यालय में कर्मियों की वर्तमान संख्या की जानकारी ली। उपायुक्त ने सीओ एवं बीडीओ को कर्मियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक करने एवं क्षेत्र भ्रमण कर तत्संबंधी कार्यों की रिर्पोट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस दौरान अंचल अधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित प्रखंड और अंचल के सभी विभागीय पदाधिकारी, कर्मी, अभियंता, पंचायत सचिव, जनसेवक, राजस्व कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

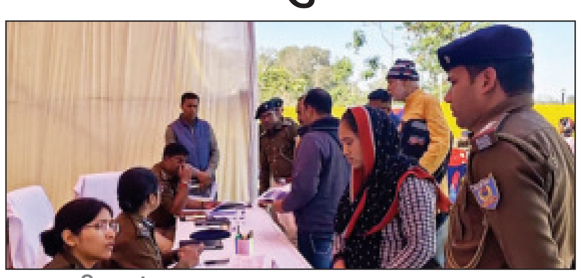

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड के सीएम हेमन्त सोरेन के निर्देश और डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हजारीबाग समाहरणालय परिसर में सुबह के 11:00 बजे से फरियादी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे। हजारीबाग के नये समाहरणालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. आईजी ए विजयलक्ष्मी के उपस्थिति में जिला के वरीय पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां फरियादी अपनी समस्या लेकर एसपी अरविंद कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें आवेदन दिया। सभी के आवेदन सूचीबद्ध किये गए ताकि निर्धारित समय पर समस्या का समाधान किया जा सके। वहीं कई मामलों का ऑन स्पॉट समाधान भी किया गया। हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार ने कहा अधिकतर मामले जमीन विवाद को लेकर आ रहे हैं। संबंधित कार्यालय को आवेदन अग्रसर किया जाएगा। वहीं कई ऐसे मामले हैं जिनका ऑन स्पॉट समाधान करने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आए हर एक समस्या का समाधान होगा। आम जनता के लिए कार्यक्रम मिल का पत्थर साबित हो रहा है एक ही मंच पर सभी अधिकारी मिल जाते हैं।

आखिर कौन है यह गिरोह, जो वसूलता है पैसा नहीं देने पर आरोप लगाकर करवाता है पिटाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में महिला राजस्थानी गैंग इन दोनों सक्रिय है। जो लोगों को टारगेट करके पैसा वसूलने का काम कर रही है। इस खबर को बड़ी प्रमुखता के साथ ईटीवी भारत ने पिछले दिनों दिखाया था। बताया था आखिर कैसे इनका आतंक हजारीबाग के सड़कों पर है। बुधवार को ये महिला फिर से हजारीबाग में सक्रिय नजर आई। जिला परिषद चौक के निकट एक युवक से पैसा मांगा। जब युवक ने पैसा देने से मना कर दिया तो उसके ऊपर छेड़खानी का आरोप लगा दि। आसपास के लोगों ने जमकर उसकी धुनाई भी कर दी। अपना इज्जत प्रतिष्ठा को बचाते हुए वह युवक वहां से फरार हो गया। तो दूसरी ओर वह लड़कियां भी वहां से भाग खड़ी हुई। यह गिरोह दो तीन टुकड़ों में हजारीबाग में सक्रिय है ।जो पहले तो पैसा मांगता है पैसा नहीं देने के बाद मारपीट छिनतई

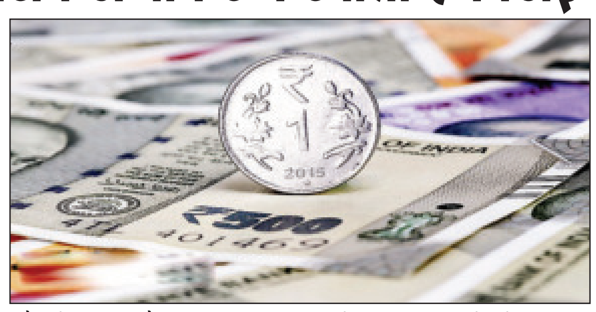

और छेड़खानी जैसा आप लगता है। प्रत्युष नवबिहार ने पिछले दिनों कटकमदाग थाना क्षेत्र में इस गिरोह से जुड़ी खबर को प्रकाशित किया था। जहां बाउंसर के जैसे दिखने वाली महिलाएं सड़क पर गाड़ी रुकवा कर पैसा वसूल रही थी। स्थानीय थाना प्रभारी ने कार्रवाई करते हुए उन महिलाओं को अपने क्षेत्र से खदेड़ लिया था। अब वह हजारीबाग के विभिन्न इलाकों में सक्रिय हैं। कुछ दिन पहले यह महिलाएं दारू प्रखंड में भी देखी थी। आलम यह है कि शहर के बीचो-बीच पैसा वसूल रही है। पुराने समाहरणालय गेट के पास भी एक गिरोह पैसा वसूलते हुए देखा गया। जो कोई एनजीओ का पेपर दिखाते हुए पैसे की मांग करती है। महिला थाना इस गिरोह से जुड़ी महिलाओं के बारे में पता लगा रही है। इसकी सूचना हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह को भी दी गई अरविंद कुमार सिंह ने संज्ञान लिया है। कुछ महिलाओं को महिला थाना ने पूछताछ के लिए डिटेन किया है। हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि इस बिंदु पर संज्ञान लिया जा रहा है। बहुत जल्द ही कार्रवाई भी की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल की सीआर्म मशीन खराब, आर्थो का सर्जरी हो रहा बाधित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ऑथोर्पेडिक ओटी में सीआर्म मशीन खराब होने से हड्डी के मरीजों का सर्जरी नहीं हो पा रहा है। कई मरीजों 20 दिनों से भर्ती हैं और उनका सर्जरी नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उन मरीजों के इलाज में जुटे चिकित्सकों के मुताबिक बिना सीआर्म मशीन के इनका ऑपरेशन संभव नहीं है। ऐसे में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के संज्ञान में जब यहां कई दिनों से भर्ती एक मरीज मुकेश राम के परिजनों ने शिकायत की तो उनके निर्देश पर तत्काल सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुप्रिटेंडेट प्रोफेसर

डॉ.अनुकरण पूर्ति से इस संबंध में बात की और मरीजों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल सीआर्म मशीन बनवाकर सभी जरूरतमंद आर्थो मरीजों का ऑपरेशन करवाने का आग्रह किया।सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अधीक्षक प्रोफेसर डॉ.अनुकरण पूर्ति ने आश्वस्त किया कि सोमवार तक सीआर्म मशीन बनकर तैयार हो जायेगा जिसके बाद सभी जरूरतमंद मरीजों का ऑपरेशन निश्चित रूप से हो जाएगा। ज्ञात हो कि हर दो तीन महीने में यहां का सीआर्म मशीन खराब हो जाता है ऐसे में जरूरतमंदों मरीजों का इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे में रंजन चौधरी ने अधीक्षक अधीक्षक प्रोफेसर डॉ.अनुकरण पूर्ति से इसका स्थायी समाधान करने का भी आग्रह किया ताकि मरीजों को महीनों तक बिना ऑपरेशन के परेशान नहीं होना पड़े और उन्हें इलाज में सहूलियत हो सके।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल ने एनएच 33 पर की सुरक्षा की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल देवचंदा मोड़ के प्रिंसिपल रोहित सिंह ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को एक आधिकारिक पत्र मेल कर एनएच 33 पर स्कूल के पास बैरिकेड्स, स्पीड ब्रेकर्स, स्ट्रीट लाइट, स्कूल साइन बोर्ड एवं सर्विस रोड की मांग की है। यह मांग स्कूल के आसपास के क्षेत्र में लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए की गई है। इस संबंध में उपप्राचार्य राकेश कुमार ने एनएचएआइ पदाधिकारी से मुलाकात की। बताया कि स्कूल गेट के पास हाईवे पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। खासतौर पर स्कूल के समय के दौरान यह क्षेत्र छात्रों, शिक्षकों और आम राहगीरों के लिए अत्यधिक जोखिमपूर्ण बन जाता है। सड़क पर सुरक्षा उपायों

की कमी के कारण न केवल छात्रों की सुरक्षा खतरे में है, बल्कि स्थानीय निवासियों और पैदल यात्रियों के लिए भी यह स्थिति खतरनाक बन गई है। प्राचार्य रोहित सिंह ने इस मुद्दे को हल करने के लिए एनएच 33 पर स्कूल गेट और आसपास के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर बैरिकेड्स, स्पीड ब्रेकर्स, स्ट्रीट लाइट, स्कूल साइन बोर्ड एवं सर्विस रोड लगाने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इस कदम से वाहनों की गति नियंत्रित होगी, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी।

स्वास्थ्य मामले को लेकर ऐसे आयोजन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम हैं : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदर प्रखंड के ओरिया स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के इस प्रयास की सराहना की। स्वास्थ्य मेले में स्थानीय नागरिकों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की गई थी। इनमें निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श, दवाइयों का वितरण, टीकाकरण और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी प्रमुख थीं।इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड

के पंजीकरण और वितरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मेला स्थल पर लगे विभिन्न स्टॉल्स पर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने शारीरिक जांच की और रोगियों को उचित परामर्श दिया। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए। इसके साथ ही, स्वच्छता, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली पर जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह स्वास्थ्य मेला क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और प्रभावी बनाना है। हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए जनता को प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस तरह के आयोजन लोगों को न केवल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ते हैं, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाते हैं। स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि और कई अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने विधायक के नेतृत्व में क्षेत्र के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि मेले के दौरान 500 से अधिक लोगों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजन लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने विधायक से इस प्रकार की योजनाओं और शिविरों को नियमित अंतराल पर आयोजित करने का अनुरोध भी किया। महिलाओं और बच्चों को ध्यान में रखते हुए विशेष स्वास्थ्य जांच सत्र और जागरूकता अभियान आयोजित किए गए। महिलाओं के लिए एनीमिया की जांच, पोषण से संबंधित जानकारी, गर्भवती महिलाओं के लिए परामर्श, और बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संक्षिप्त खबरें

बाबा साहब ने हमें संविधान दिया, भाजपा वालों ने इनका अपमान किया : नरसिंह

हजारीबाग : कटकमसांडी प्रखंड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में जय बापु, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत अम्बेडकर सम्मान मार्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत भाजपा संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया और बैसाखी सरकार बनाकर लोकतांत्रिक मुल्यों का पाठ पढ़ाया था। लेकिन भाजपा ने खीज अब संविधान निमार्ता पर निकाल रही है और बाबासाहेब का अपमान कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति ने कहा कि बाबा साहब ने हमें संविधान दिया और गृहमंत्री ने उनका अपमान किया। 18 वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है। अमित शाह ने कहा अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता । कार्यक्रम में पर्यवेक्षक गोविंद राम प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा प्रदेश प्रतिनिधि विरेन्द्र कुमार सिंह महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, संजय तिवारी, सरयु यादव, शारदा रंजन दुबे, दिलीप कुमार रवि, रंजीत यादव, गुड्डु सिंह, मो. हाशिम, अर्जुन रविदास, इरशाद अहमद, मो.इबरार, बाबर अंसारी, माशूक अंसारी के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी उपस्थित थे ।

राम जन्मभूमि मंदिर के एक वर्ष पूरा होने पर कदमा में जश्न का माहौल

हजारीबाग : अयोध्या में श्रीराम मंदिर रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का 22 जनवरी को एक साल पूरा होने पर कदमा चित्रगुप्त नगर स्थित हनुमान मंदिर में अखंड कीर्तन पाठ का आयोजन किया गया। महावीर मंदिर में पिछले 24 घंटे से अखंड कीर्तन का पाठ मंगलवार से प्रारंभ हुआ जो बुधवार दोपहर के 12:00 बजे के आसपास समाप्त हुआ। 24 घंटे का अखंड कीर्तन पाठ के बाद भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। हनुमान मंदिर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह भी है। सुबह से ही गांव की महिलाएं पूजा अर्चना करने के लिए हनुमान मंदिर पहुंच रही है। इस मौके पर हनुमान मंदिर को भी भव्य रूप से सजाया गया है। मंदिर दुधिया रोशनी से सारा बोर है। आकर्षक विद्युत साज को देखने के लिए भक्त देर शाम भी मंदिर पहुंच कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किये। पूजा समिति के सदस्य अभिषेक और मनीकेत कुमार सिन्हा ने बताया कि 24 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया था। इस तरह के आयोजन से गांव व इलाके में सुख-समृद्धि कायम रहता है। लोगों में धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। अयोध्या श्री राम जन्मभूमि मंदिर के 1 वर्ष पूर्ण होने पर धार्मिक अनुष्ठान किया गया।इस कार्यक्रम में विनय, राजेश, गौरव, दीपक, छोटन, सुजीत, पीहू अदिति, मानवी, नूपुर, मीनाक्षी का महत्वपूर्ण योगदान है। इस पावन मौके पर भगवान राम की विशेष पूजा अर्चना किया जा रहा है। हालांकि, हिंदू पंचांग के अनुसार, 11 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को एक साल पूरा हो चुका है। क्योंकि, 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ था। इसलिए इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार, 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ मनाई जा रही है।

सरस्वती पूजा के दिन सरगम इंटरनेशनल स्कूल में होगा निःशुल्क नामांकन

बड़कागांव : एचपी पेट्रोल पंप के नजदीक संचालित सरगम इंटरनेशनल स्कूल, बड़कागांव में सरस्वती पूजा के दिन निशुल्क नामांकन लिया जाएगा। जिसके लिए 26 जनवरी से विद्यालय कार्यालय से नामांकन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। उक्त जानकारी विद्यालय के प्रबंधन समिति ने दिया। बता दे सरगम इंटरनेशनल स्कूल, पिछले तीन वर्षों से बड़कागांव, हजारीबाग में लगातार बेहतर रिजल्ट दे रहा हैं। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहेश्वर दांगी, सचिव शंकर कुमार, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार साव, उपाध्यक्ष सरोज सोनी, उपसचिव शंकर कुमार, निदेशक राजेश कुमार सोनी एवं सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद थे।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हजारीबाग : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय (राजकीय बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय), हजारीबाग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 350 छात्राएँ उपस्थित थी। इस अवसर पर शिप्रा सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाल विवाह, सखी वन स्टाप सेंटर, महिला हेल्प लाईन, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, चाईल्ड लाईन सहित अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना पर नई दिल्ली में प्रस्तारित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं के बीच किया गया। छात्राओं को महिला हेल्प लाईन, चाईल्ड लाईन, सखी वन स्टाप सेंटर, बाल विवाह निषेध से संबंधित पम्पलेट का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी छात्राओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं की शपथ भी दिलायी गई। इस अवसर पर अनुभा श्वेता होरो, प्यारी रविदास, विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएँ सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

भाजपा ने रिम्स में अव्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने राज्य की चिकित्सा व्यवस्था के मुद्दे पर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार रिम्स पार्ट-2 की नींव रखने की बात कर रही है जबकि रिम्स की मौजूदा स्थिति दिन-प्रतिदिन और भी बदतर होती जा रही है। महतो ने कहा कि राज्य सरकार को पहले रिम्स की वर्तमान व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना चाहिए, न कि नया प्रोजेक्ट सब्जबाग दिखाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में कुव्यवस्था मुंह मोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिम्स की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। रिम्स में न दवाइयां और न ही बेड मिल पा रहे हैं। कई जांच मशीनें खराब पड़ी हैं। महतो ने रिम्स में हाल में हुई महिला के साथ दुष्कर्म की घटना पर भी चिंता जताते हुए कहा कि यह घटना यह साबित करती है कि रिम्स में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महतो ने यह भी कहा कि रिम्स में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन भी समय पर नहीं मिल पाता, जिससे वहां काम करने वाले कर्मचारियों की स्थिति और भी खराब हो रही है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्ता में बैठे कुछ नेताओं ने निजी डाइग्नोस्टिक कंपनियां बना रखी हैं और उनका उद्देश्य रिम्स में अपने उत्पादों की आपूर्ति करना है। साथ ही सवाल किया कि क्या यह भ्रष्टाचार का खेल नहीं है?

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में बीजेपी नेताओं की भूमिका को एक्सपोज करेंगे : सुप्रियो

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर जारी विवाद के बीच बुधवार को जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बीजेपी पर कड़ा प्रहार किया। प्रेस वार्ता कर उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेता जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को लेकर छात्रों और राज्य के युवा वर्ग के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये नेता युवा वर्ग को गुमराह कर रहे हैं। कहा कि बीजेपी के ऐसे नेताओं को अब एक्सपोज करने का समय आ गया है। जनता को इनकी सच्चाई बताने का समय आ गया है। उन्होंने आगे बीजेपी के ऐसे नेताओं से आग्रह किया कि वे सीजीएल परीक्षा को लेकर वे युवा वर्ग के बीच गलत प्रचार न करें। सुप्रियो ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि रघुवर दास बाबूलाल मरांडी को नेता नहीं मानते हैं। दोनों के बीच जो संबंध बन गये हैं, उसके कारण बीजेपी अपने नेता प्रतिपक्ष का चुनाव नहीं कर पा रही है। कहा, ऐसा लगता है कि हेमंत सरकार को अगले 5 साल तक बिना नेता प्रतिपक्ष के सरकार को चलाना होगा। कहा कि कोरोना के समय में आपदा विभाग से जो राशि विभिन्न विभागों को दी गयी, इसमें सबसे बड़ी राशि हेल्थ डिपार्टमेंट दी गयी। इसके साथ ही कल्याण विभाग, पुलिस और दूसरे विभागों को भी राशि दी गयी। कहा कि कोरोना के बाद इन राशियों के खर्च का मिलान किया गया तो इसमें कुछ अनियमितताएं सामने आयीं। कहा कि ये पैसा आमजन का है। कहा कि हमारी सरकार ने इससे पहले भी पूरी पारदर्शिता के साथ वित्तीय लेनदेन को सामने रखा है। कहा कि आपदा विभाग के पैसे का हिसाब भी विभागों से लिया जा रहा है। ये काम जल्दी ही पूरा हो जायेगा। इसके बाद इसे जनता के सामने रखा जायेगा। कहा, लेकिन बीजेपी को इससे तकलीफ हो रही है। सुप्रियो ने आगे कहा कि झारखंड से भी बीजेपी सांसद हैं, इनमें से कुछ केंद्र में मंत्री भी हैं। कहा कि बीजेपी के सांसदों को पीएम केयर फंड का भी हिसाब लेना चाहिये।

आजसू के केन्द्रीय संगठन सचिव एस अली ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

रांची : आजसू पार्टी के केन्द्रीय संगठन सचिव एस अली ने अपने पद और सभी दायित्व से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को लिखे पत्र में अपनी निजी व्यस्तता का हवाला देते हुए ईमानदारी पूर्वक पार्टी का काम नही कर पाने की बात कही है और स्वेच्छा पूर्वक इस्तीफा दिया है।

राज्य के प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान को बेहतर मैनेजमेंट के लिए मिला पुरस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मेयर्स रोड स्थित झारखंड की प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (SKIPA) को उत्कृष्ट मैनेजमेंट के लिए एलएसओ सर्टिफिकेट से नवाजा गया है । एलएसओ के ये तीनों प्रमाण पत्र दिनांक 17 जनवरी 2025 को प्राप्त हुए हैं । एलएसओ सर्टिफिकेट देने वाली संस्था क्वालिटी रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (SKIPA) में एलएसओ का मूल्यांकन किया गया ,जिसमे संस्थान को इन तीनों प्रमाण पत्रों के अनुरूप पाया गया। झारखंड के लिए हर्ष की बात है कि संस्थान को एक साथ क्रड के तीन प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं ।

क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए एलएसओ 9001:2015 का मिला प्रमाण पत्र

संस्थान (SKIPA) द्वारा लोक सेवा के क्षेत्र में कार्य कर कर रहे अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने, मानिकीकरण, पारदर्शिता, पाठ्यक्रम के मानक को उच्चतर बनाने के साथ ही प्रशिक्षण के दौरान उत्तम सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एलएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम(विशिष्ट गुणवत्ता प्रबंधन) से नवाजा गया ।

एजुकेशनल ओरिगनाइजेशन मैनेजमेंट के लिए मिला एलएसओ 21001:2018

एजुकेशनल ओरिगनाइजेशन मैनेजमेंट के लिए से कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (SKIPA) को एलएसओ 21001:2018 का प्रमाण पत्र मिला है । संस्थान द्वारा उत्कृष्ट प्रशिक्षण शैली, विशाल पुस्तक संग्रह के माध्यम से गुणवत्तापरक परिणाम देने एवं बेहतरीन पाठ्यक्रम उपलब्ध करने के लिए दिया गया है। संस्थान द्वारा एक ,दो एवं तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं ।समय समय पर एक दिवसीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है। कार्य क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के लिए सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मियों एवं पदाधिकारियों के लिए मिड करियर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहे हैं।

एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम के लिए एलएसओ 14001:2015 का मिला प्रमाण पत्र

श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (SKIPA) को संस्थान में बेहतरीन वातावरण प्रबंधन उपलब्ध करने के लिए एलएसओ 14001:2015 का प्रमाण पत्र मिला है। संस्थान में ऊर्जा एवम पानी की बचत, बेहतरीन कचरा प्रबंधन के माध्यम से वातावरण प्रबंधन हेतु किए गए कार्यों और संस्थान परिसर में प्रदूषण रहित वातावरण हेतु इस प्रमाण पत्र से नवाजा गया है।

रांची पुलिस ने किया जन शिकायत समाधान कैंप का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची पुलिस द्वारा कांके रोड में जन शिकायत समाधान कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस के वरिय अधिकारियों ने भाग लिया। इस कैंप में रांची पुलिस मुख्यालय के आईजी मनोज कौशिक, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने आम जनों की समस्याओं को सुना। आईजी मनोज कौशिक ने बताया कि राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जो भी अधिकारी आम जनों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं करेंगे या बार-बार उन्हें परेशान करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने थाना स्तर पर मामलों के निपटारे की दिशा में कार्य करने की बात भी कही।

50 से अधिक फरियादी पहुंचे- एसएसपी

जन शिकायत कैंप में 50 से अधिक फरियादी पहुंचे, जिनमें अधिकांश मामलों का संबंध जमीन से था। रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि इन शिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान लोकल थानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए और विभिन्न थाना प्रभारियों से बात कर संबंधित मामलों के निपटारे के आदेश दिए गए। एसएसपी ने आगे बताया कि रांची में जमीन दलालों के खिलाफ एक खास एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है।

मोरहाबादी मैदान में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की दिलाई गई शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहर के मोरहाबादी मैदान में बुधवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लड़कियों, उनके अभिभावकों और आंगनबाड़ी सेविकाओं को उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई। साथ ही हरी झंडी दिखाकर बाईक रैली को रवाना किया। कार्यक्रम में उपस्थित लड़कियों को सैनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, वन स्टॉप सेंटर, रांची के केंद्र प्रशासक एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, रांची के कर्मी आदि उपस्थित रहे। इससे पहले

रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार ने बुधवार को महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से संचालित सम्प्रेक्षण गृहों का निरीक्षण किया। इन सम्प्रेक्षण गृहों में सम्प्रेक्षण गृह डुमरदगा, राजकीय नेत्रहीन एवं मुकबधिर मध्य विद्यालय हरमू और सहयोग विलेज, विशेष दत्तक ग्रहण संस्था शामिल हैं। उप विकास आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान कर्मियों को सतर्कता के साथ नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, रांची भी उपस्थित थे।

झारखंड के 8 आईपीएस को मिलेगा सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में लोकसभा और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न करवाने वाले आईपीएस अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। झारखंड के आठ आईपीएस अधिकारियों को यह सम्मान मिलेगा।

8 आईपीएस को मिलेगा सम्मान

लोकसभा आम चुनाव 2024 और विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और शांतिपूर्ण निर्वाचन संचालन करने वाले पुलिस पदाधिकारियों को चुनाव आयोग की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। चुनाव आयोग के द्वारा झारखंड के 8 आईपीएस अधिकारियों की सूची जारी की गई है, जिन्होंने दोनों चुनाव के दौरान बेहतरीन कार्य किया था। गौरतलब है कि सम्मानित होने वाले आठों आईपीएस अधिकारियों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान बेहतरीन सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी। जिसके बल पर बिना किसी हिंसा के झारखंड जैसे नक्सल प्रभावित राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनाव संपन्न करवाया गया।

इन आईपीएस अफसरों को मिलेगा सम्मान

- साकेत कुमार सिंह, आईजी सीआरपीएफ, झारखंड सेक्टर
- अमोल वेणुकांत होमकर, आईजी अभियान सह नोडल पुलिस पदाधिकारी
- माइकल राज, आईजी, बोकारो रेंज
- अनूप बिरथरे, आईजी, झारखंड जगुआर
- इंद्रजीत महथा, डीआईजी, झारखंड जगुआर
- धनंजय कुमार सिंह, डीआईजी, झारखंड पुलिस
- रीष्मा रमेशन, एसपी, पलामू
- मिथिलेश कुमार, उप समादेष्टा, झारखंड पुलिस

राजस्व कर्मचारी के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो की रेड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने भ्रष्टाचार में शामिल अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ताजा मामला रांची नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार का है। राजेश कुमार के रांची गुमला और बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम छापेमारी कर रही है। रांची के टैगोर हिल रोड स्थित राजेश कुमार के निवास स्थान पर भी एसीबी की टीम ने रेड किया है और कागजात खंगाले ले जा रहे हैं। रांची के नामकुम सीओ ऑफिस में भी एसीबी की टीम ने छापेमारी की है। कई कागजात जब्त किए गए हैं।

मुंशी राम से जुड़ा है मामला

नए साल के पहले महीने में ही एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रांची के सदर सीओ मुंशी राम के करीबी नामकुम अंचल के राजस्व कर्मचारी सह उपनिरीक्षक राजेश कुमार के रांची, गुमला और बिहार के औरंगाबाद स्थित चार ठिकानों पर एक साथ रेड किया है। रांची के टैगोर हिल रोड स्थित अनन्या अपार्टमेंट के पहले माले में राजेश कुमार रहते हैं। जहां एसीबी की टीम छापेमारी कर रही है।

सुबह 6 बजे से छापेमारी जारी

मामले की तफ्तीश के दौरान राजेश कुमार की संलिप्तता भी मुंशी राम से जुड़े भ्रष्टाचार में सामने आई थी। इसके बाद बुधवार की सुबह 6 बजे से ही एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम एक साथ रांची, गुमला और औरंगाबाद में छापेमारी कर रही है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 54,130 बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में मिली कामयाबी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- आउट ऑफ स्कूल एवं ड्राप आउट बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के प्रयासों का दिख रहा है सकारात्मक परिणाम।
- विगत तीन शैक्षणिक सत्रों में यह सर्वाधिक उपलब्धि कमजोर बच्चों को दिया जा रहा है विशेष प्रशिक्षण।
- सामुदायिक जागरूकता और लगातार विभागीय निगरानी से बढ़ी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति।

रांची : राज्य में आउट ऑफ स्कूल और ड्रापआउट बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में बड़ी कामयाबी मिली है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 54,130 आउट ऑफ स्कूल/ ड्रापआउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का प्रयास किया गया है। राज्य में सभी जिलों ने लक्ष्य के अनुरूप बच्चो को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास में सफलता पायी है। झारखंड शिक्षा परियोजना परियोजना परिषद को प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक शैक्षणिक सत्र 2024-25 में अबतक 54,130 बच्चो को विद्यालय से जोड़ा गया है। कुल 65,065 लक्षित बच्चो में से अबतक 83.19% बच्चो को विद्यालय से जोड़ा जा चुका है और उनकी पढ़ाई शुरू हो गयी है। शेष बचे बच्चो को भी विद्यालय से जोड़ने का प्रयास जारी है। इस शैक्षणिक सत्र में शत प्रतिशत लक्षित बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 54,130 बच्चो को स्कूलों से जोड़ा गया है। वर्ष 2023-24 में 34,608 बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा गया था। वर्ष 2022-23 में 3,930 बच्चो को शिक्षा से जोड़ा गया था। राज्य कार्यक्रम प्रबंधक बिनीता तिर्की ने बताया कि अधिकांश जिलों में आउट ऑफ स्कूल/ड्राप आउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने के प्रयास में सफलता मिली है। जिन जिलों ने अबतक लक्षित बच्चो को शत प्रतिशत शिक्षा से नहीं जोड़ा है, उन्हें जल्द से जल्द लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग की कोशिश है कि इस शैक्षणिक वर्ष में भी शत प्रतिशत लक्षित बच्चो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसके लिए लगातार विभाग द्वारा निगरानी की जा रही है और जिलों को दिशा निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में आउट ऑफ स्कूल/ड्रॉपआउट बच्चो को अबतक शिक्षा से नहीं जोड़ा जा सका है, उन्हें 30 जनवरी तक इस कार्य को हर हाल में पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया है।

राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा लगातार हो रहा है अनुश्रवण

आउट ऑफ स्कूल/ड्रॉपआउट बच्चो को विद्यालय से जोड़ने का लगातार प्रयास हो रहा है। इसके लिए सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता को बढ़ाने तथा राज्यस्तरीय पदाधिकारियों द्वारा विद्यालयों एवं जिलों का निरंतर अनुश्रवण हो रहा है। राज्य के 24 जिलों में 24 राज्यस्तरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में अनुश्रवण दल के पदाधिकारी भ्रमण कर यह सुनिश्चित करा रहे है कि उनके जिले में शत प्रतिशत शिशु पंजी हो, कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्य धारा से अलग ना रहे।

प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, प्रयास और स्कूल रुआर कार्यक्रम का भी दिख रहा है असर

स्कूलों में बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने और उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट इम्पैक्ट, प्रयास और स्कूल रुआर कार्यक्रम असरदार साबित हो रहा है। प्रयास कार्यक्रम के तहत स्कूल में छात्रों की अनुपस्थिति को दिवसों के आधार पर चिन्हित किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

हटिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के दिव्यांग कोच से सात किलो गांजा बरामद

रांची : रेलवे सुरक्षा बल ने हटिया रेलवे स्टेशन से सात किलो गांजा जब्त किया है। यह गांजा एक्सप्रेस ट्रेन के दिव्यांग कोच से बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 70 हजार रुपये है। हटिया के उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट हटिया और जीआरपी हटिया ने हटिया स्टेशन पर संयुक्त जांच अभियान चलाया, जिसमें एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15027 के दिव्यांग कोच में एक भारी ट्रॉली बैग बर्थ के नीचे पड़ा मिला। सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ अशोक कुमार सिंह की मौजूदगी में बैग में दो पैकेट में सात किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा को जीआरपी हटिया ने जब्त कर लिया। इस मामले में जीआरपी हटिया ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा के तहत मामला दर्ज किया है।

मंईयां सम्मान योजना : महिलाओं के खाते में कब आयेगी जनवरी माह की राशि?

रांची : झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जनवरी माह की राशि का इंतजार जारी है। अगस्त 2024 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक लाभुकों को पांच किस्तें दी जा चुकी हैं। अगस्त से नवंबर तक 1,000 रुपये प्रति माह दिए गए, जबकि दिसंबर 2024 से यह राशि बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 6 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नामकुम में आयोजित कार्यक्रम में 56,61,791 लाभुकों के खातों में 2,500 रुपये की पहली बढ़ी हुई किस्त जारी की थी। केवल दिसंबर माह में इस योजना के तहत 1,415 करोड़ 44 लाख 77 हजार 500 रुपये वितरित किए गए। हालांकि, जनवरी माह की किस्त अब तक जारी नहीं हो सकी है, जिससे लाभुकों के बीच असमंजस की स्थिति है। क्या है देरी की वजह विभागीय नियमों के अनुसार, योजना की राशि हर माह की 15 तारीख तक लाभुकों के खातों में क्रेडिट हो जानी चाहिए। लेकिन इस बार प्रक्रिया में देरी हुई है। सूत्रों के अनुसार, विलंब का मुख्य कारण प्रखंड स्तर पर आवेदन स्वीकृति और सत्यापन प्रक्रिया है। यह एक सतत प्रक्रिया है क्योंकि हर महीने नए लाभुक योजना में जुड़ते हैं और 50 वर्ष की आयु पूरी करने वालों को सूची से हटाया जाता है। इस बार नए लाभुकों को जोड़ने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय पुस्तक मेला में 'जीवन दर्पण' पुस्तक का लोकार्पण आज

रांची : स्थानीय जिला स्कूल मैदान में 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला में साहित्य की चर्चित और स्तरीय पुस्तकों के साथ-साथ जीवन और समाज से जुड़े अन्य विषयों की महत्वपूर्ण पुस्तकें पाठकों के लिए खासतौर पर उपलब्ध हैं। जिन्हें धर्म, राजनीति, मीडिया, सिनेमा, इतिहास, परम्परा और संस्कृति से जुड़े विषयों की पुस्तकों की तलाश है आप इस मेले में विभिन्न स्टॉल्स पर पा सकते हैं। राजपाल एंड संस के स्टॉल पर मोहन राकेश का रचना संसार, उनकी प्रिय कहानियां, मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक, मोहन राकेश की डायरी, जे कृष्णमूर्ति की सीखने की चाह, महेन्द्र मधुकर का कस्मै देवाय, एपीजे अब्दुल कलाम की चर्चित पुस्तकें, बेनजीर भुट्टो की मेरी आपबीती पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रकाशन संस्थान के स्टॉल पर सामाजिक, राजनीतिक और इतिहास पर केन्द्रित देशी-विदेशी इतिहासकारों की मौलिक और अनूदित पुस्तकों का अनूठा संसार पसरा है। ऐसी ही किताबें आपको हिन्द युग्म, दिव्यांश प्रकाशन, झारखंड झारोखा और क्राउन बुक्स के स्टॉल्स पर खरीदने के लिए मिल जाएंगी। पुस्तक प्रेमियों के लिए मेला 26 जनवरी तक ही उपलब्ध है। मेला परिसर में प्रवेश की समयावधि प्रात: 11 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक की है। राष्ट्रीय पुस्तक मेला के छठे दिन के प्रथम सत्र में कनिष्क बंका की पुस्तक 'Stirrer' का लोकार्पण हुआ। जिसमें निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. उर्मिला सिन्हा, ममता मनीष सिन्हा, मंच संचालन डॉ. विनोद सिंह गहरवार तथा धन्यवाद ज्ञापन अशोक बंका ने किया। इस अवसर पर पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. हीरानन्दन प्रसाद, डॉ. श्यामाप्रसाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. जिंदर सिंह मुण्डा, डॉ. शान्ति देवी, कवि नरेश बंका, महिला महाविद्यालय रांची की सहायक प्राध्यापिका गंगा और यमुना क्रमश: डॉ. कुमारी उर्वशी और डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, अशोक कुमार प्रमाणिक, सोनू कृष्णन, मनीष कुमार सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

भ्रष्ट अफसरों को सुधारने के लिए निलंबन मुक्त नहीं सेवा से बर्खास्त करना होगा : विजय शंकर नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आईएएस पदाधिकारी पूजा सिंघल को निलंबन समीक्षा समिति के अनुशंसा पर सरकार ने निलंबन मुक्त किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि भ्रष्ट आईएएस पूजा सिंघल को निलंबन मुक्त किया जाने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा जो राज्य के लिए शुभ संकेत नही है। नायक ने आगे कहा कि 2000 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल मनी लॉन्ड्रिंग मामले मे ईडी ने 12 मई 2022 को तत्कालीन खान सचिव को गिरफ्तार किया और पूजा सिंघल को ईडी ने मनरेगा घोटाले की जांच के दौरान उन पर शिकंजा कसा था। ईडी का आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध धन अर्जित किया। इस मामले में ईडी ने पूजा सिंघल के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान करोड़ों रुपये नकद बरामद हुए थे। नायक ने आगे कहा कि खूंटी जिले की डिप्टी कमिश्नर रहने के दौरान उन पर मनरेगा फंड से 18 करोड़ की हेराफेरी के आरोप लगे जब वह चतरा की डिप्टी कमिश्नर रहीं, तो यहां भी उनके खिलाफ इसी तरह के आरोप लगे। यहां भी उन पर 4 करोड़ रुपये के मनरेगा फंड में गड़बड़ी के आरोप लगे पलामू में भी उन पर खदानों के लिए नियमों में ढील देकर जमीन आवंटित करने के आरोप लगे थे। पूजा सिंघल ने भारत नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) BNS की धारा 479 के तहत जमानत मांगी है। इस धारा के अनुसार, अगर किसी आरोपी का यह पहला अपराध है और उसने अधिकतम सजा का एक तिहाई हिस्सा जेल में बिता लिया है, तो वह जमानत का हकदार है। पूजा सिंघल ने जेल से ही बंदी पत्र लिखकर यह याचिका दायर की थी।

बिना पुलिस वेरिफिकेशन के मकान किराये पर देना खतरे से खाली नहीं : डीएसपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : किसी भी व्यक्ति को मकान किराये पर देने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन कराना जरूरी है। अधिक पैसे के लालच में बिना वेरिफिकेशन के मकान किराये पर देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। इसका उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना और अपराधों को रोकना है। उक्त बातें धनबाद के साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बुधवार को प्रेसवार्ता में कहीं। उन्होंने सभी मकान मालिकों से अपील की कि वे अपने किरायेदारों का वेरिफिकेशन करवाकर पुलिस की मदद करें। आम जनता से यह भी अपील की कि वे सतर्क रहें और यदि किसी प्रकार का साईबर अपराधी उन्हें कॉल करता है तो उसके झांसे में न आएं और तुरंत साइबर थाना को सूचित करें। पुलिस का यह अभियान साइबर अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगा।

मंगलवार की देर शाम पकड़े गए थे 6 साइबर अपराधी

डीएसपी संजीव कुमार प्रेसवार्ताज के दौरान मंगलवार की देर शाम बैंक मोड़ थाना क्षेत्र स्थित जोड़ा फाटक के नंदलोक अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 303 से पकड़े गए छह साइबर अपराधियों की जानकारी दे रहे थे। बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में एन विजय, पी अनिल कुमार, एम श्रीनू, रमेश रातोड़ (सभी तेलंगाना के) व राहुल कुमार पासवान और राजीव रंजन (दोनों बिहार के) शामिल हैं। यह गिरोह बजाज फाइनेंस से लोन दिलाने के नाम पर लोगों को झांसा देता था और प्रोसेसिंग फीस, रजिस्ट्रेशन चार्ज सहित अन्य प्रकार के शुल्क के नाम पर ठगी करता था। इनके पास से 13 मोबाइल,14 सिम व 4 कॉपी बरामद की गई है।

डीपीएस के 17 विद्यार्थी मैथ्स ओलंपियाड के राज्य स्तरीय टॉप 30 की सूची में

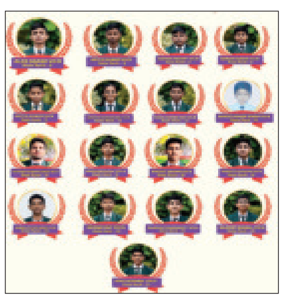

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीपीएस चास बोकारो के विद्यार्थियों का गणित के क्षेत्र में जलवा देखने को मिला, जब विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन मैथ्स ओलंपियाड में राज्य में शीर्ष 30 रैंक के अंदर स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की। इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों में कक्षा-सातवीं के आलोक आनंद ने छठा, आदित्य कुमार ने आठवां, अनीश पांडेय तथा अरमान कुमार ने नौवां, आदित्य कुमार ने ग्यारहवां, आराध्या खंडेलवाल ने बारहवां, सूरज कुमार दास ने तेरहवां, अनिकेत कुमार सिंह तथा बारहवीं के ऋषभ कुमार सिंह ने चैदहवां, कक्षा-आठवीं के हषिकेष राज ने पंद्रहवां, कक्षा बारहवीं के अंचित साहनी ने अठारहवां, सातवीं के श्रेष्ठ रंजन ने उन्नीसवां, छठी के कुमार पृथ्वी सिंह ने बीसवां, आठवीं के केशव डे, राजऋषि चक्रवर्ती, राजदीप मंडल तथा विराज अग्रवाल ने पच्चीसवाँ स्थान हासिल किया है। विद्यार्थियों की इस प्रकार की सफलता पर चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ऐसी परीक्षाएं छात्रों की कल्पना को प्रज्ज्वलित करती हैं और उन्हें अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का अवसर प्रदान करती हैं।

संविधान गौरव अभियान के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बलियापुर रोड कोला कुसमा मांझिला डीह स्थित जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी का संविधान गौरव अभियान 'हमारा संविधान हमारा अभिमान' के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रोचक आयोजन में छात्र-छात्राओं ने कठिन प्रश्नों का जवाब देकर शानदार प्रदर्शन किया। विजेता छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिन्हा, धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष सरवन राय, भाजपा के कोषाध्यक्ष, जेपी हॉस्पिटल व जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष प्रदीप

मंडल जिला महामंत्री मानस प्रसून, युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अमलेश सिंह को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धनबाद महानगर, जेपी ग्रुप का हॉस्पिटल व जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल, जेपी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. किमी नित्यानंद मंडल ने आयोजन को सफल सफल और शानदार बनाने में मुख्य भूमिका निभाई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में डी फार्मा प्राचार्या नीलम सिंह, नर्सिंग प्राचार्या सोमनाथ भट्टाचार्य, असिस्टेंट प्रोफेसर गोपाल पासवान, असिस्टेंट प्रोफेसर श्याम प्रकाश राय, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रियांशु कुमारी, ले. पुतुल मित्र,ले. मोनिका महतो, ले.वर्षा रानी, ले.लक्ष्मी कुमारी ले .पुतुल मित्रा, ले.मोनिका महतो, ले. लक्ष्मी कुमारी,ले. वर्षा कुमारी समेत जेपी इंस्टीट्यूशन के समस्त स्टाफ, आमंत्रित अतिथि, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जिले के 6 केन्द्रों पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर बुधवार को धनबाद के 6 केन्द्रों सहित झारखंड के सभी जिलों में तृतीय जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत थानों के लिए कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला, सिंदरी अनुमंडल के लिए जोरापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी सेंटर, डीएसपी विधि व्यवस्था अंतर्गत सभी थाना के लिए लूबी सर्कुलर रोड स्थित कला भवन, निरसा अनुमंडल के लिए निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज, डीएसपी हेडक्वार्टर 1 अंतर्गत थाना के लिए हरदेव धर्मशाला गोविंदपुर, डीएसपी हेडक्वार्टर 2 अंतर्गत सभी थाना की जनता के लिए टुंडी स्थित मॉडल स्कूल लथुरिया में शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उन्होंने अपनी शिकायत के समाधान के लिए

अधिकारियों को आवेदन दिए। एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने कला भवन में आयोजित शिविर का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उनके साथ सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी सुमित कुमार, धनबाद थाना प्रभारी व अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर एसएसपी ने कहा कि झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर पुलिस को आम जनों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से झारखंड के सभी जिलों में आज ऐसे शिविरों का तीसरी बार आयोजन किया गया है। शिविर में आमजन पुलिस के वरीय पदाधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या बता रहे हैं। आमजनों की परेशानी से पुलिस अवगत हो रही है। पीड़ित को जल्दी न्याय दिलाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का प्रयास किया जा रहा है। अन्य विभाग की शिकायत को लेकर संबंधित विभाग को प्रेषित किया जा रहा है। साथ ही विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान जिन शिकायतों का निबटारा तत्काल संभव नहीं होगा, वैसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समय सीमा निर्धारित करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा।

डीसीडीए और श्री क्लीनिक के संयुक्त तत्वाधान में 24 जनवरी को मेगा रक्तदान शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन और श्री क्लिनिक धनबाद के संयुक्त तत्वाधान में एक राष्ट्रव्यापी रक्तदान अभियान ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स शुक्रवार, 24 जनवरी को एक ऐतिहासिक रक्तदान अभियान की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने बताया कि जिसका उद्देश्य एक ही दिन में सबसे अधिक रक्तदान और रक्तदान की शपथ के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में एक रिकॉर्ड स्थापित करना है। यह नेक पहल ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के स्वर्ण जयंती वर्ष में जे.एस. शिंदे के 75 वें जन्मदिन के शुभ अवसर पर आयोजित की जा रही है।हम सभी मित्रों, ग्राहकों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को इस जीवन रक्षक अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। रक्तदान न केवल दयालुता का कार्य है, बल्कि मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान भी है। यह रक्तदान श्री क्लिनिक धनबाद में होगा।इस कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर प्रयासों का समन्वय किया गया है। एआईओसीडी राज्य और जिले उन सभी स्वयंसेवकों, रक्त बैंकों और जिला प्रतिनिधियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं जो इस पहल का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। इस अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने और अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करने में हमारे साथ हाथ मिलाएं। ललित अग्रवाल ने बताया की मेगा रक्तदान शिविर की मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा होंगी। और सभी से आग्रह करते हुए निवेदन किया कि हम सब मिलकर इस मील के पत्थर कार्यक्रम को एक बड़ी सफलता बनाएं।

74 वर्षों से हो रही है मां माघी काली की पूजा-अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के देव ग्राम पंचायत के नवाडीह गांव में 74 वर्षों से मां माघी काली की पूजा हो रही है। काली मंदिर आस्था व विश्वास का केंद्र है। 1951 में स्वर्गीय मणिन्द्रनाथ खावास ने मां काली की स्थापना कर पूजा-अर्चना शुरू की थी। जानकारों का कहना है कि स्व मनिन्द्रनाथ खवास जमींदार परिवार से थे। खवास परिवार को पता चला कि नवाडीह मौजा निलाम हो गया है।उस समय पुरुलिया कोर्ट पश्चिम बंगाल मे हुआ करता था। लोग पैदल ही चलकर कोर्ट जाता था। खावास परिवार मनिन्द्रनाथ खवास व ग्रामीण निलामी की जानकारी के लिए नवाडीह गांव से पैदल ही पुरुलिया कोर्ट चल दिया। नवाडीह से कोर्ट 100 किमी की दुरी है। रास्ते में जंगल पर एक पत्थर के साथ त्रिशूल मिला। लोग वहीं पर बैठ

गया और माथे टेककर कहा मन्नत किया यदि नवाडीह मौजा निलामी से बच जाता है तो माघी काली पुजा स्थापित कर पुजा अर्चना करेंगे। कोर्ट पहुंचे तथा जानकारी मिला की गांव नवाडीह निलामी होने से बच गया है। उसी समय से विधिवत पुजा अर्चना कर बाजागाजा ढोल नगाड़े केसाथ पत्थर व त्रिशूल को गांव लाकर बांस पलास बिचाली का झोपड़ी बनाकर पुजा अर्चना शुरू कर दिया। गांव में उत्सव शुरू हो गया। उसी समय से बलि प्रथा भी है। कुछ दिनों के बाद मिट्टी की दीवार तिरपाल ढंक कर पूजा-अर्चना की गयी। बाद में मंदिर को भव्य रूप दिया गया। उस समय से खावास परिवार के वंशज व ग्रामीण पूजा अर्चना करते आ रहे हैं। ऐसे तो मंदिर में सालों भर पूजा होती है, पर प्रत्येक अमावस्या, मंगलवार व शनिवार को मां के मंदिर में विशेष पूजा होती है। लोग कहते हैं कि यहां के लोग मां के मंदिर में मन्नत मांगने से मां पूरी करती हैं। लोग मन्नत पुरी होने पर मां के मंदिर पर चढावा चढाते है। परिवार की चौथी पीढ़ी कर रही पूजा अर्चना। पश्चिम बंगाल, धनबाद, बोकारो, पुरुलिया के भी लोग पहुंच कर पूजा अर्चना करते हैं। मनोकामना पूरी होने, पर श्रद्धालु चढ़ावा चढ़ाते हैं। दर्जनों गांव के लोग होते हैं शामिल पूजा। नवाडीह गांव के आसपास देवग्राम, तिलाटांड़, बराहबाद, आमलाबाद, विरुबांध, रोहनिया टांड़, पर्वतपुर, तलगड़िया, मोहाल, उपरबांधा, नयावन सहित दर्जनों गांव के हजारों लोग शामिल होते हैं। पूजा को लेकर खावास परिवार के जितेंद्र नाथ खवास,नितिन खवास, हिरेण खवास, नीरेन खवास, चंदन खवास सुरेश खवास, पंडित बापी मुखर्जी, मगाराम राय, बलराम राय ,अहलाद दास, नेपाल राय, भाजपा नेता राधेश्याम सिंह, फनी राय, सुरेश रजवार,अनिल रजवार ,बबलू रजवार ,विशु रजवार, शिवा राय, भद्रु राय, विजय रजवार सहित आसपास के ग्रामीण जुटे हुए हैं। 27 जनवरी से तीन दिवसीय पूजा होगी शुरू। 28 जनवरी को निर्जला उपवास कर काफी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे तलाब में स्नान कर सुबह से ही शाम तक दंड देकर मंदिर पहुंच कर पुजा अर्चना करते हैं।

एक नजर

स्थापना दिवस को लेकर जेएमएम के कार्यकर्ताओं ने की बैठक

धनबाद : झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के स्थापना दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक मध्य विद्यालय प्राँगण राजगंज में जीवन टूडू की अध्यक्षता में की गई जिसमे मुख्य रूप से वरीय नेता रतिलाल टूडू उपस्थित होकर कहा कि स्थापना दिवस समारोह में राजगंज जोन से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता धनबाद पहुंचेगे। बैठक में टुंडी विधायक प्रतिनिधि बिरजू सोरेन, लखन लाल टूडू, महाबीर हंसदा, दिलीप हेम्ब्रम, अनिल ठाकुर, अनिल टूडू, जितेंद्र टूडू, शिव कुमार सोरेन, मनोज मरांडी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सेल स्थापना दिवस की तैयारी में जुटा बोकारो स्टील प्लांट

बोकारो : 24 जनवरी सेल स्थापना दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए बोकारो स्टील प्लांट की ओर से तैयारी की जा रही है। पूर्वाहन 7 :30 बजे सर्वप्रथम 'हैप्पी स्ट्रीट कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। बोकारो स्टील प्लांट की विशेष पहल 'हैप्पी स्ट्रीट' द्वारा इस्पातनगरी में सकारात्मकता, स्वास्थ्य, और खुशहाली को बढ़ावा देने की मुहीम में नगरवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और इसे सफल बनाया। हैप्पी स्ट्रीट के समापन समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चे, शहर के स्वयंसेवी संस्थान, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में जनसामान्य की भागीदारी होगी। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक और अन्य अधिकारी भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से लोगों का उत्साहवर्धन करेंगे।

रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देवसेना ने निकाली शोभायात्रा

धनबाद : अयोध्या में रामलला के भव्य निर्माण में स्थापना की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को मनईटांड़ से रणधीर वर्मा चौक हनुमान मंदिर तक देवसेना ने शोभा रैली निकाली। जिसमें श्री राम भगवान की गानों के धुन पर महिला पुरुष एवं बच्चे हाथों में जय श्री राम का ध्वज लिए हुए झूमते, नाचते गाते जय श्री राम का जयकारा लगाते हुए मंदिर पहुंच कर पूजा अर्चना की। और मंदिर परिसर में दीप जलाएं। तत्पश्चात रणधीर वर्मा चौक कर मिठाइयां बांटी और आतिशबाजी की। इस दौरान पूरा रणधीर वर्मा चौक जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। शोभायात्रा में देवसेना के अध्यक्ष कुंभनाथ सिंह, विवेक गुप्ता, सप्पू महतो रवि सोनी गौरव कुमार अनिमेष सिंह समेत सैकड़ो राम भक्त थे।

ड्यूटी कर घर लौट रहे बीसीसीएल कर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत

धनबाद : धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर महुदा के कपुरिया मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान किशुन कर्मकार (30 वर्ष) के रूप में हुई। वह बीसीसीएल में काम करता था। घटना मंगलवार की बताई जाती है। मिली जानकारी के अनुसार, किशुन कर्मकार ड्यूटी के बाद अपनी बुलेट बाइक से अपने घर कुम्हारडीह लौट रहा था। रास्ते में कपुरिया मोड़ के समीप बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ठेले से टकराकर गिर गई। टक्कर इतनी जोरदार थी ठेला डिवाइडर पर चढ़ गया। दुर्घटना में किशुन कर्मकार सड़क पर गिर कर घायल हो गया।

संक्षिप्त खबरें

संकल्प एजुकेशन ने मनाया देश प्रेम दिवस

धनबाद : बुधवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के पूर्व संध्या पर संकल्प एजुकेशन अंगार पथरा में देश प्रेम दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया ।इस अवसर पर संकल्प एजुकेशन के छात्र-छात्राओं के बीच एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था देश के प्रति हमारा कर्तव्य ।सभी उपस्थित सदस्यों ने इस विषय पर अपने-अपने विचार रखें। निदेशक सहदेव महतो ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए देश की आजादी में उनके संघर्षों की व्याख्या की । उन्होंने कहा कि हर नागरिक का देश के प्रति कुछ कर्तव्य एवं दायित्व होता है जिसे भली प्रकार से निभाना चाहिए। देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें। देश है तो हम हैं देश के बिना अपनी कल्पना भी नहीं है हमें अपने प्रत्येक क्रियाकलापों में देश के प्रति सेवा भाव होना चाहिए। जब इस देश के नागरिक सुखी संपन्न होंगे तभी अपना देश खुशहाल होगा। वर्तमान में अपने देश में अनेक विकृतियों आ चुकी है जिसके लिए सरकार ही नहीं बल्कि इस देश के नागरिक भी जिम्मेदार हैं आज अनेक बड़ी संस्थाएं और बड़ी होती जा रही है जबकि गरीब लोग और गरीब होते जा रहे हैं। प्रजातंत्र के बावजूद यहां प्रजा का बात सुना नहीं जा रहा है बल्कि उसे पैसे और भोजन का लालच देकर मनमानी किया जा रहा है। हम सभी नागरिकों को अपने कर्मवीरता का परिचय देते हुए आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

सात जूडो खिलाड़ी राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए पुणे पहुंचे

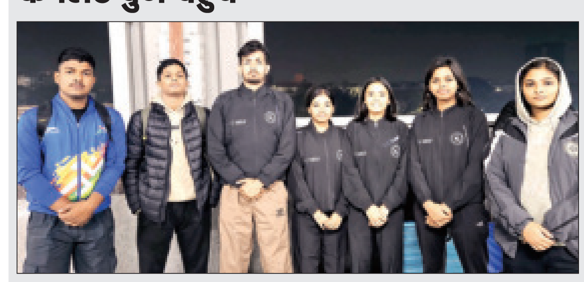

बोकारो : बोकारो के सात जूडो खिलाड़ी झारखंड जूडो टीम के साथ कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए वेलेवाडी पुणे महाराष्ट्र पहुंच चुकी है यह खिलाड़ी शिवा छत्रपति स्पोर्ट्स कंपलेक्स वेलेवाडी पुणे महाराष्ट्र मैं दिनांक 22 से 25 जनवरी तक होने वाले कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे चयनित खिलाड़ियों में जयंत कुमार,राजवीर सिंह, प्रियांशु राज सिंह एमजीएम स्कूल के खिलाड़ी है,खुशी उपाध्याय क्रिसेंट पब्लिक स्कूल की खिलाड़ी है तथा जय श्री,इशिका कुमारी और प्रेशा कुमारी गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 की खिलाड़ी है बोकारो जूडो संघ के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इन खिलाड़ियों के अथक परिश्रम पर इनका चयन कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता बेलवाड़ी पुणे महाराष्ट्र के लिए किया गया अपने अपने क्रांतिकारी में इन खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर इनका चयन बिहार में होने वाले सातवीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए चुने जाएंगे जो बोकारो के लिए बड़े ही गर्व की बात है इनके चयन पर बोकारो के अन्य जूडो खिलाड़ियों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल में दस दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का हुआ शुभारंभ

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में दस दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। हिंदी व तमिल फिल्म की नायिका सना शालिनी ने आभासी माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि फिल्म उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक शिक्षा से परिचित कराया जाता है। यह मनोरंजन का एक माध्यम है। साथ ही यह समाज को स्वरुप निखारने में भी सहायक है। सिनेमा के माध्यम से सामाजिक व सांस्कृतिक मुद्दे पर लोगों को जागरुक किया जाता है। इस क्षेत्र में करियर की भी असीम संभावनाएं हैं। प्रधानाध्यापक फादर डा. जोशी वर्गीस ने कहा कि सिनेमा के जरिए समाज में बदलाव लाया जा सकता है। सिनेमा समाज का दर्पण होता है। मनोरंजक व ज्ञानवर्द्धक सिनेमा बच्चों को बेहतर राह पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। फिल्म समाज को नई सीख देती है। फिल्मों का विषय व उनके सामाजिक सीख हमारे सामाजिक जीवन को आगे बढ़ाने में मदद करते हें। खास बर बाल व मनोवैज्ञानिक फिल्में स्कूल में दिखाने की आवश्यकता है। ताकि बच्चे इस्से जुड़ कर अपने जीवन में इन फिल्मों से अच्छी चीज लेकर जीवन में उसका प्रयोग करें। इसके माध्यम से कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। साथ ही गायक व गायिका को अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच मिलता है।

आरआर नृत्यशाला एंड आर्ट के दूसरे वार्षिक समारोह में बच्चों की कला का हुआ प्रदर्शन

बोकारो : आरआर नृत्यशाला एंड आर्ट का दूसरा वार्षिक समारोह चीरा चास वस्तु विहार फेज 4 में आर आर नृत्यशाला की प्रमुख श्रीमति रजनी पढ़ी की अध्यक्षता में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती स्वेता सिंह जी ने फीता काट कर उद्घाटन किया और कलाकारों का हौसला बड़ाकर किया उन्होंने कहा ऐसे कार्यक्रमों से हमारे बोकारो के बच्चो की प्रतिभा में निखार आएगी और राज्य और अखिल भारतीय स्तर पर कई कलाकार उभरेंगे कार्यक्रम जिसमे 76 बच्चो और युवाओं ने भाग लिया नृत्य संगीत और ड्राइंग की प्रस्तुति दर्शकों के बीच किया अंत के स्वरूप शेखर पाण्डेय धर्मवीर सिंह उमेश ठाकुर और राकेश चक्रवर्ती ने बच्चो को पुरस्कृत कर किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आर आर नृत्यशाला के कलाकार मंटू सिंह संतोष, मैत्री मुखर्जी सुशीला सिंह संजय तिवारी राजेश चौधरी बबलू आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत डीसी ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

रामगढ़ : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस मौके पर बुधवार को डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डीसी द्वारा अधिकारियों एवं कर्मियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। इसके बाद हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। मौके पर डीडीसी रोबिन टोप्पो, अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजली, सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

यूपी के ईंट भट्ठा में काम करने गए युवक की दुर्धटना में मौत

लोहरदगा : रोजी रोजगार के लिए यूपी के ईंट भट्ठा मे गए युवक की मौत लोहरदगा जिला के कैरो प्रखंड मुख्यालय आदिवासी मुहल्ला निवासी महाबीर उरांव के पुत्र बाबे उरांव (25) की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई। बाबे छह माह पहले उत्तर प्रदेश के गोरखपुर ईट भठे में काम करने गया था। बाबे ट्रैक्टर ईट ढुलाई करता था। ईट ले जाने के दौरान बाबे अचानक ट्रैक्टर के ट्रॉली से गिर गया, जिसके बाद ट्रॉली का पहिया बाबे के उपर चढ गया। इससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गयी। बाबे उरांव का शव बुधवार को पैतृक गांव कैरो लाया गया। शव के पहुंचते ही गांव में मातम छा गया। बाबे बहुत ही गरीब परिवार से हैं बाबे का बड़ा भाई विगत चार माह पूर्व फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया था। झाटना के बाद मृतक के पिता महाबीर उरांव के सामने दुखो का पहाड टूट पड़ा है।

स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करना हर नागरिक का अधिकार है : कालीचरण मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करना हर नागरिक का अधिकार है। सरकार का भी प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो। सांसद बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य मारंगहादा में आयोजित स्वास्थ्य मेला का दीप जलाकर उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। सांसद ने कहा कि गांव-देहात में आज भी स्वास्थ्य सुविधा का अभाव है और चिकित्सकों की भारी कमी है। सरकार का प्रयास है कि गांव के लोगों को भी वैसी चिकित्सा सुविधा मिले, जो शहर के लोगों को मिलती है। सांसद ने कहा कि डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी भी ईमानदारी पूर्वक गांव वालों की सेवा करें और उनके स्वास्थ्य का खयाल रखें। कालीचरण मुंडा ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी हर समस्या के समाधान का प्रयास किया जायेगा। स्वास्थ्य मेला में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुमार आलोक बिहारी ने कहा कि मांरगहादा स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को हरसंभव चिकित्सा सेवा दी जाती है। उन्होंने कहा कि गांव वाले स्वास्थ्य क्रेद्र में मिल रही चिकित्सा सुविधा का लाभ उठायें। डॉ आलोक बिहारी ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में 578 मरीजों की जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवा दी गइ। साथ ही कई लोगों की जांच की और जरूररमंदो को चश्मा दिया गया। मौके पर डॉ नमिता टोपनो, डॉ एरोन होरो, खूंटी के प्रमुख छौटराय मुंडा, कांग्रेस के जिलाध्यख रवि मिश्रा, विल्सन टोपनो आदि उपस्थित थे।

मुरी ओपी के शिव मंदिर में प्रथम वार्षिक उत्सव मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

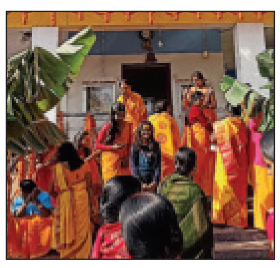

मुरी/सिल्ली : मुरी ओ पी थाना प्रांगण में स्थित शिव मंदिर का प्रथम वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के वार्षिकोत्सव पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा भी निकाली गई। महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर स्वर्णरेखा नदी के पावन तट पर कलश में जल भरकर शिव मंदिर परिसर पहुंची जहां पुरोहित द्वारा पूरे विधि विधान और मंत्र उच्चारण के साथ बेदी पूजन, शनि पाठ, आरती और हवन के साथ पूजन को संपन्न कराया गया जिसमें थाना के सभी कर्मचारी और आसपास के बड़े संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर मंदिर की भव्य सजावट की गई थी जो काफी आकर्षक दिख रहा था। थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने कहा कि मंदिर की स्थापना पिछले वर्ष पूरे विधि विधान से की गई थी और एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह उत्सव मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अवर निरीक्षक मणि भूषण पासवान, उत्तम कुमार, सहायक अवर निरीक्षक मुन्ना सिंह, आशीष रंजन, मुंशी रितेश वर्मा और अजय लोहरा का काफी सराहनीय योगदान रहा।

जीएनएम कॉलेज में ओपीडी शिफ्टिंग व कंडम भवनों के ध्वस्त कार्य का किया गया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा दिये गये निदेशों के आलोक में एमएमसीएच के जीएनएम कॉलेज के भवन में विभिन्न ओपीडी शिफ्टिंग व कंडम भवनों को ध्वस्त करने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य की प्रगति एवं मूल्यांकन करने हेतु पलामू उपायुक्त द्वारा टीम गठित किया गया है। इसी टीम के जरिये बुधवार को एमएमसीएच में किये जा रहे शिफ्टिंग एवं डिमोलिश कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने एमएमसीएच अधीक्षक एवं अस्पताल प्रबंधक को जीएनएम कॉलेज के प्रमुख द्वारों पर साइनएज लगाने को लेकर निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि साइनएज इस प्रकार से ऐसे स्थानों पर लगायें जिससे किस कमरे में कौन से विभाग का ओपीडी संचालित हो रहा है, यह स्पष्ट रूप से नजर आ जाये। इसके अलावा उन्होंने बिजली पोल की शिफ्टिंग में अंडरग्राउंड वायरिंग कराने की दिशा में कार्य करने की बात कही। टीबी कार्यालय एवं वार्ड को रेडक्रॉस भवन के सामने आयुष विभाग के नवनिर्मित भवन संस्कार भवन से संचालित करने की योजना तैयार की गयी। डीसी की सहमति के बाद इस भवन को शिफ्ट किया जायेगा। इसी तरह हॉस्पिटल रोड के चौड़ीकरण, स्क्रैप आदि का भी निरीक्षण किया गया। पाया गया कि कई ओपीडी जीएनएम कॉलेज के भवन में शिफ्ट हो गया है। इसी तरह कुछ लैब भी जीएनएम भवन से ही कार्य कर रहें हैं। नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आवास बनाने के लिए मिले थे रुपये, रात को ले उड़े चोर

सरिया(गिरिडीह) : सरिया प्रखंड क्षेत्र के बागोडीह पंचायत में मंगलवार की मध्य रात्रि चोरों ने एक घर से एक लाख पचास हजार छः सौ रुपए आंगन के दरवाजा सहित रूम और बक्सा तोड़कर ले उड़े। पीड़िता गीता देवी ने बताया कि हर रात की तरह खाना खाने के बाद घर के सभी लोग सो गए। वह भी अपने कमरे में सो गई थी। देर रात कमरे से आवाज आई। जिसके बाद वह उठकर आँगन पहुंची। तो घर का दरवाजा खुला देख कर चिलाने लगी। इसी बिच उसके घर से एक युवक भागते हुवे दिखाई दिया। उसके चिल्लाने की आवाज को सुन कर घर तथा मुहल्ले के सारे लोग इकट्ठा हो गए और चोर की खोजबीन गांव वाले लोग करने लगे। लेकिन चोर का कोइ पत्ता नहीं चल पाया। घर में और भी जरुरी कागजात व समान रखें हुवे थे। लेकिन चोर सिर्फ बक्से को तोड़ कर पर्स में रखें रुपए को ही लेकर भाग गया। यह रूपए प्रधानमंत्री आवास बनाने के लिए पहली किस्त 40000 (चालीस हजार) मिला था व बाकि रुपए लोन ली थी। सुबह इसकी सुचना स्थानीय मुखिया और प्रशासन को दिए। सूचना मिलने पर सरिया पुलिस वहां पहुंची तथा मामले के छानबीन में जुट गई।

श्रीराम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव को लेकर निकाली गई प्रभातफेरी

सरिया(गिरिडीह) : श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक उत्सव सरिया के कोयरीडीह में बुधवार को प्रभातफेरी निकाली गई। जबकि अपराह्न 4 बजे पदयात्रा निकाली गई जो पूरे कोयरीडीह बाजार में भ्रमण किया। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जय श्री राम, जय हनुमान के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंजायमान रहा। जबकि शाम 6:00 बजे से देर रात्रि तक संगीत, उद्बोधन – वर्तमान परिस्थितियां एवं श्री राम के आदर्श, गायत्री दीप महायज्ञ आदि कार्यक्रम संपन्न हुए।

स्वास्थ्य मेले का जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने किया शुभारंभ

चैनपुर : चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर डीएन ठाकुर और मुखिया शोभा देवी के साथ मिलकर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि स्वास्थ्य मेले के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस मेले का पूरा लाभ उठाएं और स्वस्थ जीवन का निर्माण करें। चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर डीएन ठाकुर ने कहा कि झारखंड सरकार का लक्ष्य है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक हर तरह की स्वास्थ्य सुविधा पहुंचनी चाहिए। इसी उद्देश्य से स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में सामान्य चिकित्सा, बाल परामर्श, परिवार नियोजन, पोषण परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, परिवार कल्याण और आयुष्मान हेल्थ कार्ड सहित कई तरह के जांच और उपचार के स्टाल लगाए गए थे। अनुभवी डॉक्टरों द्वारा जांच और उपचार मुफ्त में किया जा रहा था और मुफ्त में दवा का भी वितरण किया गया।इस अवसर पर पूर्व में रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वालों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। स्वास्थ्य मेले में प्रखंड क्षेत्र के कई गांव से सैकड़ों लोग पहुंचकर मेले का लाभ उठाया।

वृद्ध को मारकर फांसी पर लटकाने के मामले में पिता-पुत्र, चाचा समेत चार पर एफआइआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के मनातू थाना क्षेत्र के डुमरी के सिकदा गांव में वृद्ध संबोधी यादव (65) की हत्या करने के बाद उसकी बॉडी को फंदे से लटका देने के मामले में बुधवार को चार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। आरोपित फरार बताये जाते हैं। नामजद आरोपितों में दो सगे भाई रामप्रकाश यादव एवं बनौधी यादव , बनौधी का पुत्र विरेन्द्र यादव एवं उपेन्द्र यादव शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की अहले सुबह भैस दूहकर लौट रहे संबोधी यादव की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी गयी थी। शव को फंदे से टांग दिया गया था, ताकि घटना सुसाइड साबित हो जाए। फंदे पर टंगे वृद्ध के दोनों हाथ बिजली के तार से बंधा हुआ था। घटनास्थल के पास वृद्ध का जूता, कपड़े समेत अन्य सामान बिखरे पड़े थे। घटना को जमीन विवाद में अंजाम देने की चर्चा है। गोतिया परिवार के साथ भूमि विवाद चल रहा था। इस घटना से गांव में सनसनी है। परिजनों के अनुसार संबोधी यादव घर से आधा किलोमीटर दूर भैस दूहने के लिए गए थे। वहां से लौटने के क्रम में उनके साथ घटना हुई। हत्या करने से पहले संबोधी यादव के साथ मारपीट हुई। घटना से पहले आरोपितों ने संबोधी के घर के दरवाजे को बाहर से बंद कर दिया था, ताकि आवाज सुनकर कोई परिजन बाहर बचाने के लिए नहीं निकल सके।

चेंबर भवन में आईटी उप समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : रांची चैम्बर भवन में आईटी उप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित संत जेवियर स्कूल के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस महत्वपूर्ण बैठक में आईटी उप समिति के चेयरमैन मनोज कुमार मिश्रा और अल्तमश आलम ने बढ़ते साइबर अपराध और डिजिटल अपराधों की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। बैठक के दौरान, झारखंड सरकार के डीजीपी और संबंधित पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर एक कार्यशाला आयोजित करने और जिला प्रशासन को भी इसमें सम्मिलित करने पर चर्चा की गई। व्यापारियों को ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग के लाभ के बारे में एक कार्यशाला आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा गया, जिसमें मुख्य अतिथि ने इस विषय पर एक सत्र आयोजित करने की इच्छा जताई। बैंकों में हो रही एटीएम धोखाधड़ी और डिजिटल ठगी को ध्यान में रखते हुए, बैंकों से संपर्क कर सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं पर कार्यशाला आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य की आईटी नीति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर गंभीर चर्चा के लिए आईटी सचिव से मुलाकात करने पर भी सहमति बनी।

रामगढ़ में गणतंत्र दिवस पर 16 विभागों के द्वारा निकाली जाएगी झांकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में 76वें गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को डीसी चंदन कुमार ने तैयारी के मद्देनजर अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान यह स्पष्ट हो गया कि गणतंत्र दिवस पर सिद्धो कान्हो मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 16 विभागों के द्वारा झांकी निकाली जाएगी। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला कल्याण विभाग, वन प्रमंडल रामगढ़, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़, जिला खनन विभाग, टिस्को वेस्ट बोकारो, जेएसएलपीएस, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला पंचायती राज कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय एवं पर्यटन विभाग द्वारा झांकी निकाली जाएगी। गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से रामगढ़ जिला अंतर्गत वैसे लोगों को सम्मानित किया जाएगा जो कार्य क्षेत्र से हटकर विकास कार्य में शामिल हैं। डीसी ने बताया कि कई ऐसी संस्थाएं हैं जिन्होंने अपने कार्य क्षेत्र से हटकर विकास के लिए अथवा कोई सराहनीय कार्य किया है। उन्हें रामगढ़ गणतंत्र दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए अंतिम अभ्यास 24 जनवरी को संपन्न होगा। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को कार्यक्रम के दौरान मैदान में एंबुलेंस एवं चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति करते हुए किसी भी स्वास्थ्य इमरजेंसी के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैदान के सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, जमीन समतलीकरण सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में उपायुक्त ने नजारत उप समाहर्ता सहित अन्य अधिकारियों को आपस में समन्वय करते हुए कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 25 जनवरी रात्रि 10:00 बजे से 26 जनवरी रात्रि 12:00 बजे तक जिले के सभी मधशालाओ एवं बधशालाओं को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय सिदो-कान्हू मैदान में पूर्वाह्न 9:05 बजे से शुरू होगा। उपायुक्त कार्यालय में प्रातः 10:45 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रातः 10:50 बजे, उप विकास आयुक्त कार्यालय में प्रातः 10:55 बजे, अनुमंडल कार्यालय में प्रातः 11:10 बजे , अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 11:15 बजे एवं पुलिस लाईन रामगढ़ में प्रातः 11:30 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा।

रॉंची समाहरणालय, रॉंची
(जिला भू-अर्जन शाखा)

आम सूचना

कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रॉंची द्वारा रॉंची रिंग रोड (सेक्शन–VII) से सेन्ट्रल युनिवर्सिटी तक पहुँच पथ परियोजना अन्तर्गत किए जा रहे भूमि अधिग्रहण का मुआवजा भुगतान हेतु आवेदन प्राप्त किया जाना है। उक्त के आलोक में मुआवजा भुगतान करने के लिए आवेदन प्राप्त करने हेतु ग्राम सभा का आयोजन दिनांक– 24.01.2025 को अपराह्न 12:00 बजे आयोजन किया गया है, जो निम्नवत् है:–

शिविर की तिथि	ग्राम सभा का आयोजन स्थल	संबंधित अंचल का नाम	मौजा	समय
24/01/2025 (शुक्रवार)	पंचायत भवन, मनातु	कांके	मनातु	12:00 अपराह्न

अतः संबंधित मौजा के भू–धारियों को सूचित किया जाता है कि जिन रैयतों द्वारा उक्त परियोजना में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आवेदन नहीं दिया गया है वैसे रैयत उक्त तिथि को सभी संबंधित कागजातों के साथ खतियान/डीड, लगान रसीद इत्यादि के साथ ससमय निर्धारित स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी
रॉंची

PR 344897 Land Reforms(24-25).D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

पूर्व में विज्ञापन संख्या PR NO. 343486 Agriculture, Animal Husbandry And Co-opretive Department (24-25)_D के द्वारा 50 गायों/भैंसों की कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना हेतु कोडरमा जिला के इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वयं सहायता समूह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों/सखी मंडल को आवेदन पत्र का आमंत्रण दिनांक 15/01/2025 तक किया गया था परन्तु अभी तक पर्याप्त आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। अतः आवेदन आमंत्रण की तिथि को दिनांक 03/02/2025 तक विस्तारित किया जाता है। शेष प्रावधान पूर्ववत है।

आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा से कार्य दिवस में निःशुल्क प्राप्त किए जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुए फोटोयुक्त आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक खाता एवं भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। योजना की विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0	योजना का नाम	परियोजना लागत	अनुदान प्रतिशत	बैंक ऋण	लाभुक अंशदान	लाभुक की अर्हता
1.	50 गायों/भैंसों की कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना	रू0 39,76,250.00	25% - सामान्य जाति 33.33% - अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति	65% - सामान्य जाति 56.67% - अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति	सामान्य जाति – 10% अनु0 जाति एवं जनजाति – 10%	इच्छुक व्यक्तिगत लघु उद्यमियों/युवा शिक्षित बेरोजगारों/स्वयं सहायता समूह के सदस्यों/प्रगतिशील पशुपालकों/सखी मंडल

नोट :–विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा में स्वयं आकर सम्पर्क किया जा सकता है।

PR 344884 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25).D

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
कोडरमा

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, रामगढ़
राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर, गोला रोड, रामगढ़ कैंट
ssa_ramgarh@rediffmail.com

SoE विद्यालय में नामांकन संबंधी सूचना

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, रॉंची के पत्रांक–67, दिनांक 08.01.2025 के आलोक में रामगढ़ जिला अंतर्गत 03 उत्कृष्ट विद्यालयों (School of Excellence) में शैक्षणिक सत्र 2025–26 में विद्यालयवार एवं वर्गवार नामांकन हेतु रिक्ति विवरणी निम्नवत है–

Sl. No.	Name of School	Class	UR	SC	ST	BC-I	BC-II	EWS	Total
1	CM SoE Girls Ramgarh Cantt.	IX	31	9	16	9	7	8	80

Sl. No.	Name of School	Class	UR	SC	ST	BC-I	BC-II	EWS	Total
2	Gandhi Memorial District CM SoE, Ramgarh	VI	32	9	16	9	6	8	80
		IX	16	5	8	4	3	4	40

KGBV CM SoE Kaitha, Ramgarh में नामांकन हेतु प्रखण्ड की कोटिवार जनसंख्या के आधार पर रिक्ति विवरणी–

Sl. No.	Name of School	Class	ST	SC	OBC	MIN	BPL	Total
3	KGBV CM SoE Kaitha, Ramgarh	VI	5	2	10	1	7	25

1. नामांकन हेतु आवेदन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यम से किया जा सकता है।
2. आवेदन केवल विहित प्रपत्र में ही स्वीकार किये जायेंगे। आवेदन प्रपत्र संबंधित विद्यालयों से भी प्राप्त किया जा सकता है एवं ramgarh.nic.in पर भी देखा जा सकता है।
3. ऑफलाईन आवेदन संबंधित विद्यालयों में जमा किया जाना है।
4. आवेदन प्रपत्र निःशुल्क है।
5. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.02.2025 है।
6. उत्कृष्ट विद्यालयों के वेबसाईट पर नामांकन हेतु आवेदन का प्रपत्र एवं दिशा–निर्देश उपलब्ध रहेगा, जहाँ से अभिभावक आवेदन कर पाएँगे एवं दिशा निर्देश प्राप्त कर सकेंगे।
7. नामांकन हेतु सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में एडमिशन हेल्प–डेस्क की स्थापना की गई है। जो अभिभावकों को यथोचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करेंगे।
8. चयन परीक्षा की तिथि 01.03.2025 है, स्थान– CM SoE Girls Ramgarh Cantt./Gandhi Memorial District CM SoE, Ramgarh.
9. आवेदन के साथ निम्न प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
   (I) सक्षम प्राधिकार से निर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र की छायाप्रति।
   (ii) सक्षम प्राधिकार से निर्गत EWS प्रमाण पत्र की छायाप्रति।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना,रामगढ़।

PR 344849 (District) 24-25 (D)

आजादी के महानायक सुभाष चंद्र बोस

पराक्रम दिवस पर विशेष

हर्षवर्धन पाण्डे

सुभाष जीवित रहे या विमान दुर्घटना का शिकार हुए यह सत्य तो काल के गर्भ में है लेकिन माँ भारती की सेवा में उनके योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। उनका विचार था कि भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद, धर्मनिरपेक्षता, और असमानता को समाप्त कर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है। उनका उद्देश्य था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उसे ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुक्त कराया जाए।

सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। उनका नाम भारतीय आजादी के संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। वे न केवल भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे, बल्कि अपनी संघर्षशीलता के चलते दुनिया भर में प्रेरणा के स्रोत बने। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने न केवल भारतीय स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जिन्होंने अपनी नीतियों, साहस और समर्पण से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक, उड़ीसा में एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती देवी था। वे परिवार के नौवें और अंतिम संतान थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूरी कर सुभाष ने 1915 में बीमारी के बावजूद इंटरमीडिएट परीक्षा दी और द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की जिसके बाद 1919 में बी.ए. आनर्स प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अपनी अध्ययनशीलता के कारण वह कालेज में हमेशा अव्वल दर्जे के छात्र रहे। उन्होंने इंग्लैंड में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत माता को ब्रिटिश शासन सत्ता से मुक्ति के लिए हुए स्वाधीनता संघर्ष में भाग लिया।

छात्र जीवन में ही सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का अध्ययन कर लिया था जिसने उन्हें राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध किया और चिंतन-मनन करने की सुदृढ़ जमीन दी। पुत्र को आईसीएस बनाने की पिता की इच्छा का मान रखते हुए सुभाष 1919 में ब्रिटेन के लिए रवाना हुए और आईसीएस परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की बल्कि अंग्रेजों की चाकरी को स्वीकार न कर भारत माता की सेवा-साधना का पथ अंगीकार किया। सेवा से त्यागपत्र देकर जून 1921 में भारत वापस आकर राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लिया।

वे चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी से जुड़े और फारवर्ड समाचार पत्र का संपादन भी किया। 1923 में उन्हें अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। उनके क्रांतिकारी आन्दोलनों के चलते उन्हें 1925 में मांडले जेल भी भेजा गया जहाँ उन्हें तपेदिक की बीमारी हो गई थी। 1938 में बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उस दौर को याद करें तो सुभाष की लोकप्रियता जबरदस्त रही। कांग्रेस के 51वें अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में दिया गया उनका भाषण दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाषणों में शुमार किया जाता है। कांग्रेस में सुभाष के बढ़ते प्रभाव से कुछ वर्षों में ही कांग्रेस के अन्दर के नेताओं का प्रभामंडल

कमजोर होने लगा। इस दौर में गांधी जी से उनका मतभेद भी हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 1939 के त्रिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के मनोनयन की परम्परा के उलट कांग्रेस को चुनाव करवाना पड़ा। देश और कार्यकताओं की पहली पसंद सुभाष थे लेकिन गांधी जी ने अपने प्रत्याशी के रूप में पट्टाभि सीतारमैया को सुभाष के विरुद्ध खड़ा कर जिताने की अपील की किन्तु सुभाष ने सीतारमैया को पराजित कर दिया जिस पर गांधी जी इस टिप्पणी कि सीतारमैया की हार मेरी हार है। सक्रिय सुभाष बहुत दुखी हुए और उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने 1928 में नेशनल कांग्रेस के महासचिव के रूप में कार्य किया लेकिन उनकी नीतियों से असहमति होने पर वे कांग्रेस से अलग हो गए। विदेश प्रवास के दौरान सुभाष ने कांग्रेस के भीतर फारवर्ड ब्लॉक बनाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया तब उन्हें कांग्रेस से निकाल दिया गया।

बापू के सुझाव पर सुभाष कोलकता आकर देशबंधु जी के साथ काम करने लगे। दास ने कोलकता महापालिका का चुनाव लड़ा और जीत अर्जित कर महापौर बने। तब उन्होंने सुभाष को महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। यहां पर सुभाष ने की कार्यशैली ने सबका दिल जीत लिया और जनता के दिलों में अलहदा पहचान बनाने में सफलता हासिल की। आजादी की लड़ाई के दौरान वह 11 बार जेल भी गए। 1933 से 1936 तक जब स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए वे यूरोप में रहना रहे तो मुसोलिनी और आयरलैण्ड के नेता डी. बलेरा से भेंट कर सहयोग का वचन लिया। आस्ट्रिया में चिकित्सा प्राप्त करने के दौरान पुस्तक लिखने हेतु टाईपिस्ट एमिली शेंकिल से प्रभावित हुए और उनसे विवाह कर लिया। हालाँकि अपनी राजनीतिक छवि को ठेस न पहुंचे इसलिए उन्होनें इस रिश्ते को बड़ा गोपनीय रखा। 29 नवम्बर 1942 को अनीता बोस के रूप में उन्हें पुत्री मिली जिससे वे कभी मिल नहीं सके।

जनवरी 1941 में नजरबंदी के दौरान ही ब्रिटिश पुलिस और जासूसों को चकमा देकर वे जर्मनी पहुंचे। हिटलर एवं जर्मनी के अन्य नेताओं से भेंट कर आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। वहां से जापान पहुंच कर जनरल तोजो से भेंट की और जापानी संसद को सम्बोधित किया। जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस के मार्गदर्शन में आजाद हिन्द फौज का गठन कर सिपाहियों और नागरिकों का आह्वान किया कि तुम मूझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर में टाउन हॉल के सामने आजाद हिन्द फौज के सम्मुख ओजस्वी भाषण देते हुए पहली बार दिल्ली चलो का नारा दिया था। उनकी फौज ने बर्मा, कोहिमा, इम्फाल के मोर्चे पर अंग्रेजी सेना से मुकाबला कर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जर्मनी के बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना के साथ ही आजाद हिन्द रेडियो की भी शुरूआत की। इस रेडियो के माध्यम से आजादी के आंदोलन से जुड़े समाचार और कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे। अंग्रेजी सरकार सुभाष चन्द्र बोस से इतनी भयभीत थी कि सुभाष और आजाद हिन्द फौज के विरुद्ध दुष्प्रचार करने हेतु एक एंटी इंडिया रेडियो की स्थापना की थी।

21 अक्टूबर 1943 को सुभाष ने आजाद हिन्दुस्तान की अंतरिम सरकार बनाई जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और युद्धमंत्री का दायित्व स्वयं निर्वहन किया। इस आजाद हिन्द सरकार को जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, आयरलैण्ड आदि देशों ने मान्यता प्रदान की थी। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद सुभाष आजादी की लड़ाई हेतु आवश्यक संसाधन जुटाने हेतु रूस जाने का निश्चय कर 18 अगस्त 1945 को हवाई जहाज से निकले किन्तु रास्ते में ही वे लापता हो गये। कहा गया कि उनका हवाई जहाज रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें बोस की मृत्यु हो गई। हालाँकि ताईवान सरकार ने मुखर्जी आयोग को बताया था कि उस दिन ताईवान के आकाश में कोई विमान दुर्घटना हुई ही नहीं।

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार 18 अगस्त 1945 को बोस का निधन हुआ। नेताजी जापान जा रहे थे और उनका विमान ताइहोकू हवाई अड्डे के पास क्रैश हो गया जिस हादसे में वो बुरी तरह से जल गए और ताईहोकू अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। हालाँकि उनका शव नहीं मिला लेकिन मृत्यु पर सवाल आज तक उठ रहे हैं। उनके मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए देश में दो आयोग भी बने जिन्होंने विमान हादसे को मौत का कारण माना जबकि तीसरे आयोग ने 1999 में ये दावा किया कि 1945 में कोई विमान दुर्घटना ही नहीं हुई थी। सरकार द्वारा ये रिपोर्ट अस्वीकार कर दी गई। बोस की मृत्यु आज भी रहस्य बनी हुई है लेकिन उनका योगदान आजादी के संग्राम में अमिट रहेगा। पहले सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिन 23 जनवरी को बोस जयंती के रूप में मनाया जाता रहा लेकिन 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के अविस्मरणीय योगदान को देखते हुए इस दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

सुभाष जीवित रहे या विमान दुर्घटना का शिकार हुए यह सत्य तो काल के गर्भ में है लेकिन माँ भारती की सेवा में उनके योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। उनका विचार था कि भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद, धर्मनिरपेक्षता, और असमानता को समाप्त कर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है। उनका उद्देश्य था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उसे ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुक्त कराया जाए।

संपादकीय

ट्रंप से उम्मीदें

अंतत डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47 में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण कर ली। अपने पहले नीतिगत भाषण में जैसा कि अनुमान था इन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति को सर्वोपरि रखा। ट्रंप अमेरिका में आकर रहने वाले अवैध आप्रवासियों के निष्कासन पर तुरंत काम करने की घोषणा की और पेरिस जलवायु समझौते की बाध्यकारी नीतियों से स्वयं को अलग करने की घोषणा की। अन्य बातों को छोड़ भी दें तो भारत की दृष्टि से अमेरिका फर्स्ट की अवधारणा अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है। हमें याद रखना चाहिए कि अमेरिका आज भी विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली देश है। अन्य देशों के साथ उसके सहयोग तथा विरोध के कारण वैश्विक राजनीति के समीकरण बनते बिगड़ते हैं। भारत भी अपवाद नहीं है भारत के व्यापारिक और सामरिक अमेरिका से जुड़े हुए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि मेक्सिको और सल्वाडोर के बाद अमेरिका में आप्रवासन करने वाले लोगों की बड़ी संख्या भारतीयों की है। माना जा है कि उनमें से उन भारतीयों की संख्या बहुत बड़ी है जो अवैध रूप से वहां पहुंचे हुए हैं या जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं है। अगर ट्रंप और आप्रवासियों को खदेड़ने की नीति को क्रियान्वित करते हैं तो भारतीय भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। इसी तरह भारत को अपने सामरिक हित चीन की नीतियों को देखते हुए तय करने पड़ते हैं। उसे इस बात पर भी नजर रखनी होगी कि चीन के संबंध में अमेरिकी नीति क्या होगी और भारत उसको देखते हुए किस तरह अपने हितों का सामंजस्य बिठाएगा। वैसे तो मोदी के नेतृत्व वाला भारत ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिका से दोस्ती का दावा कर सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संबंध अनेक कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए इस संदर्भ में भी भारत को सतर्कता बरतनी होगी। भारत को अपने आर्थिक हितों को भी इस तरह नियोजित करना होगा कि वह ट्रंप की अमेरिका प्रथम की नीतियों के साथ सामंजस्य बिठा सके। भारत को बिना दबे-झुके यह संदेश देना होगा कि अमेरिका के साथ मैत्रीपूर्ण आर्थिक, सामरिक संबंध जितने भारत के लिए जरूरी हैं अमेरिका के लिए भी भारत उतना ही महत्त्वपूर्ण है। भारत को एक तरफ जहां पारस्परिक गुंजाइश के लिए लचीला रुख अपनाना होगा तो दूसरी ओर अपनी अस्मिता को पूरी दृढ़ता के साथ स्थापित करना होगा। यह वैश्विक शांति के हित में होगा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत रहें और पारस्परिक हित सधने वाले हों।

रेवड़ी कल्चर

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वंय हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो वह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुः ख से कोई संबध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिवर्तन हो रहा है। वह परिवर्तन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्रों में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन?।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं।

वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दु?खी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

ट्रंप के निर्णय से भारत सहित दुनिया के देशों में हड़कंप

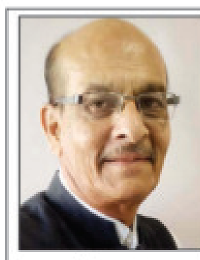

राकेश अचल

अमेरिका और चीन दुनिया की नई महाशक्ति? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के बाद 78 निर्णय लिए हैं। उससे भारत सहित दुनिया के कई देशों में हड़कंप मच गया है। भारत में इसका सबसे बड़ा असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की टेक कंपनियों और अन्य क्षेत्र में एच1 बीजा लेकर भारतीय समुदाय लाखों की संख्या में पिछले कई दशकों से अमेरिका में रह रहा है। उनके बच्चे अमेरिका में जन्मे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते को अमान्य करते हुए जन्म से नागरिक अधिकार की संवैधानिक व्यवस्था अमेरिका में समाप्त कर दी है। इसका सबसे बड़ा नुकसान भारतीय समुदाय को होने जा रहा है। अवैध प्रवासियों को लेकर जो निर्णय डोनाल्ड ट्रंप ने लिया है, उसमें 7 लाख से अधिक अप्रवासी भारतीय जो अवैध तरीके से अमेरिका में हैं उनके लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को पकड़ कर उनके देश वापस भेजने के आदेश किए हैं। अमेरिका में जो अवैध भारतीय प्रवासी रह रहे हैं, उनमें लाखों गुजरात से गए हुए नागरिक हैं। जो अवैध रूप से अमेरिका में घुसे थे। अमेरिका में रह रहे भारतीय प्रवासियों के जिन बच्चों ने अमेरिका में जन्म लिया है, उनकी नागरिकता भी अब खतरे में पड़ गई है। यदि अमेरिका में उनकी नागरिकता नहीं होगी, तो वह किस देश के नागरिक कहलाएंगे? यह भी एक बड़ा प्रश्न चिन्ह अमेरिकी नागरिको के बच्चों पर खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ने अपने नाम से क्रिप्टोकरेंसी लांच की है। इसको लेकर भी दुनिया के देशों में हड़कंप मचा हुआ है। क्रिप्टोकरेंसी लांच करने की घोषणा करने के बाद क्रिप्टोकरंसी की कीमतों में 24000 फीसदी का बाजार में उछाल देखने को मिला है। जीरो से शुरू हुई इस क्रिप्टोकरंसी का मूल्य 4 घंटे के अंदर 13 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार 1350 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने निर्णय में विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपनी भागीदारी अलग करने की घोषणा की। डब्ल्यूएचओ में सबसे ज्यादा भागीदारी अमेरिका की होती थी। अमेरिका के बाहर निकलने से इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर बड़ी तेजी के साथ पड़ेगा। अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन में 29 फीसदी की भागीदारी अमेरिका की सरकार और मेलिंडा गेट्स फाउंड की होती थी। डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से एचआईवी टीवी, महामारी इत्यादि में अमेरिका 75 फीसदी तक की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को देता था। ट्रंप के इस निर्णय से दुनिया के विकासशील और गरीब देशों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिका ने 2023 में 11117 करोड़ रुपए की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन को जब इतनी बड़ी सहायता नहीं मिलेगी तो दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या हो सकता है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के साथ डोनाल्ड ट्रंप के रिश्ते अब पहले की तरह नहीं रहे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें अपना एक अच्छा दोस्त बताते रहे हैं। उनके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए भी गए थे। दूसरी बार शपथ लेने के बाद जिस तरह से वह भारत के खिलाफ फैसला कर रहे हैं। उसे विश्व राजनीति में एक नए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने ब्रिक्स देश के संगठन में डॉलर मुद्रा का विरोध किया था। पिछले 11 वर्षों से जो भारत की विदेश नीति है। उसको लेकर भारत के अमेरिका, रूस और चीन के संबंध पहले की तुलना में विश्वसनीय नहीं रहे। भारत ने केवल व्यापारिक दृष्टि से अपने रिश्ते तैयार किए हैं। जिसके कारण आज भारत-रूस से भी दूर हो गया है। अमेरिका का भी नजदीकी नहीं बन पाया है। चीन के साथ सीमा विवाद में भारत फंसा हुआ है। दुनिया में अब महाशक्तियों के बीच एक नया गठबंधन बनता हुआ दिख रहा है। ट्रंप ने कैबिनेट में एलन मस्क को शामिल किया है। उनके चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनकी कई यूनिट चीन में लगी हुई है। इस बार ट्रंप का रुख चीन को लेकर बदला हुआ है। उन्होंने शपथ लेने के पहले और शपथ लेने के बाद चीन के राष्ट्रपति से फोन पर चर्चा की। 100 दिन के अंदर ट्रम्प चीन की यात्रा करने भी जा रहे हैं। अमेरिका को जो चुनौती ब्रिक्स देशों के संगठन से डॉलर और विश्व व्यापार के रूप में मिल रही थी। उसको देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका, चीन के साथ अपने संबंधों को बेहतर के रूप में अमेरिका और चीन नया गठबंधन बनाते दिख रहे हैं। भौगोलिक और आर्थिक दृष्टि से अमेरिका और चीन के बीच में नए संबंध बन रहे हैं। आर्थिक एवं सामरिक ताकतों को लेकर एक साथ खड़े होंगे। ट्रंप की जो नीति अभी देखने को मिल रही है, उसके अनुसार अमेरिका के रूस और भारत के साथ औपचारिक संबंध होंगे। अमेरिका और चीन दोनों ही विस्तारवादी नीति पर काम कर रहे हैं। ताइवान को लेकर अमेरिका का जो रुख था, उसमें ट्रंप के आने के बाद बदलाव होगा। एशियाई देशों में चीन ने अपनी पकड़ मजबूत की है। जब पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी का संकट हो, ऐसी स्थिति में अमेरिका और चीन महाशक्ति के रूप में सामने आ सकते हैं। रूस और भारत को इस गठबंधन से अलग-थलग किया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की नीति से रूस और चीन के बीच में निकटता बढ़ रही थी। उस निकटता में अब दूरी बनाने का काम ट्रंप कर रहे हैं। इसमें एलन मस्क उनके सबसे बड़ी भूमिका निर्वाह करने जा रहे हैं। ट्रंप के आने के साथ ही जिस तरह की परिस्थितियां बनी है। उससे दुनिया के देशों में असमंजस की स्थिति बन गई है। आर्थिक मंदी के इस दौर में दुनिया के सामने अमेरिका एक नये रूप में सामने आया है। इससे सभी चिंतित हैं।

दिल्ली हिंसा : इंसाफ की अंधी गलियां

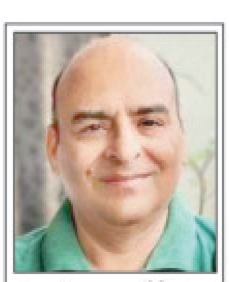

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान के लिए तैयार है, और पांच साल पहले भड़के उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों का दर्द फिर उभर आया है। दंगों की साजिश के आरोप में बहुत से लोग यूएपीए के तहत जेल में हैं, और उस मुकदमे का न्याय ठिठका हुआ है। वैसे पुलिस ने दंगे से जुड़े 758 मामले पंजीकृत किए थे। इनमें से एक स्पेशल सेल, 62 क्राइम ब्रांच और 695 उत्तर-पूर्वी दिल्ली के विभिन्न थानों में पंजीकृत हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने दंगों से जुड़ी कुल 758 एफआईआर दर्ज कीं। इनमें अभी तक 2619 लोगों की गिरफ्तारी हुई जिनमें से 2094 लोग जमानत पर हैं। अब तक सिर्फ 47 लोगों को दोषी पाया है, और 183 लोग बरी भी हो गए हैं। 75 लोगों के खिलाफ सबूत न होने के कारण कोर्ट ने उनका मामला रद्द कर दिया है। इतने वर्ष बीतने के बावजूद इनमें से अभी तक 268 मामलों में जांच पूरी नहीं हो पाई है।

जरा सोचें 1680 दिन बाद दंगे के कौन से साक्ष्य अब मिलेंगे? कुछ अर्जियां ऐसी भी हैं, जिन पर मामले दर्ज ही नहीं किए गए क्योंकि उनमें कुछ बड़े नाम थे। ऐसे भी मामले (57) जिनमें पुलिस के हाथ प्रमाण नहीं लगे और इन्हें बंद करने के लिए पुलिस ने अदालत से निवेदन किया है। ऐसे 43 मामलों की क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट ने स्वीकार कर ली हैं जबकि 14 रिपोर्ट अभी विचाराधीन हैं। सच है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था का जिम्मा केंद्र सरकार का है, लेकिन न्याय और जेल राज्य सरकार के हाथों हैं। यह भी सामने आ चुका है कि दिल्ली हिंसा के पहले दिन ही अनेक जागरूक लोग मनीष सिसोदिया सहित आप के बड़े नेताओं के घर गए थे कि 'हम सभी को तनावग्रस्त इलाके में चल कर लोगों को समझा कर शांत करना चाहिए' लेकिन इन नेताओं ने इससे इनकार कर दिया था। विदित हो दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे के तत्काल बाद ही दंगे हो गए थे। इस आशय का पत्र और तथ्य अब चार्जशीट के हिस्से हैं। दंगों के तत्काल बाद दिल्ली सरकार के दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग ने नौ सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। इसके चेयरमैन सुप्रीम कोर्ट के वकील एमआर शमशाद और गुरमिंदर सिंह मथारू, तहमीना अरोड़ा, तनवीर काजी, प्रो. हसीना हाशिया, अबु बकर सब्बाक, सलीम बेग, देविका प्रसाद तथा अदिति दत्ता सदस्य थे। इस जांच कमेटी ने दंगों में घोषित मुआवजे के लिए लिखे गए 700 प्रार्थनापत्रों का अध्ययन किया। अपने अध्ययन के बाद कमेटी ने पाया कि अधिकतर मामलों में क्षतिग्रस्त जगह का दौरा भी नहीं किया गया और जिन मामलों में जान-माल का नुकसान पाया गया, उनमें भी बहुत कम धनराशि, अंतरिम सहायता के रूप में दी गई। दंगों के तुरंत बाद कई लोग घर छोड़ कर चले गए। इसलिए बहुत से लोग मुआवजे के लिए आवेदन नहीं कर सके। मुआवजे में भी सरकारी अधिकारी के मरने पर उनके परिवार वालों को एक करोड़ की रकम दी गई जबकि एक आम नागरिक की मौत पर केवल 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। मुआवजे का कोई तार्किक आधार तय नहीं किया गया। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है, फिर भी दंगा पीड़ितों को केंद्र ने कोई मदद नहीं की। इस बात के लिए दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की भूमिका भी संदिग्ध है कि अप्रैल, 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा दावा आयोग (एनईडीआरसीसी) के गठन के बावजूद आज भी 2,790 दावे अनसुलझे हैं। वादे-दावे आगे चल कर सरकार बनाम उपराज्यपाल के झगड़े में फंस गए। 25 अगस्त, 2022 को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए आयोग में 40 नये हानि मूल्यांकनकताओं को नियुक्त किया। उन्हें नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश करने के लिए कहा गया।

एलजी सक्सेना ने मौजूदा 14 मूल्यांकनकताओं को 25 अगस्त की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर उन्हें सौंपे गए दावा निपटान पर अपनी रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया। कहा गया कि इन मूल्यांकनकताओं में से कुछ को सरकार द्वारा उन्हें दी गई जिम्मेदारी के बारे में भी पता नहीं था। बहुत से लोगों ने काम ही नहीं शुरू किया। उधर आयोग के अधिकारी कहते हैं कि एलजी द्वारा नियुक्त असेस्मेंट टीम के 40 में से 5 से ही उनका संपर्क हो पाया। हालांकि यहां लोगों ने लाखों गंवाए हैं, समय के साथ उनके जख्म भर रहे हैं। बहुत से लोगों ने नये सिरे से रोजी-रोटी के रास्ते खोले हैं, लेकिन सरकार के मुआवजे के दावे और निर्दोष लोगों को न्यायिक सहयोग में आप सरकार की निर्ममता और लापरवाही केंद्र सरकार से कम नहीं हैं। न्याय की बात हो या राहत की या लोगों की नफरत मिटा कर सौहार्द के प्रयास की-तीनों कार्य राज्य की सरकार की जिम्मेदारी थे। वो मुकदमों के तेजी से निबटारे और दोषियों को सजा के लिए भी दबाव बना सकती थी, लेकिन आप सरकार इन सभी मुद्दों से मुंह मोड़े रही।

रेलवे स्टेशन के टिकट सेल का दो करोड़ से अधिक राशि का घोटाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के नगर ऊंटारी रेलवे से बड़े घोटाले का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। रेलवे स्टेशन में टिकट बिक्री के 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 गायब कर दिये गए हैं। यह गड़बड़ी वर्ष 2023 में हुई है। इस संबंध में मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। बुधवार से जांच शुरू कर दी गई। घोटाले का आरोप एसबीआई द्वारा स्टेशन से बैंक तक पैसा लाकर जमा करने के लिये अधिकृत एजेंसी राईटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के बाईकर (कर्मियों) अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति पर लगाया गया है। इसका खुलासा रेलवे के बैंक खाते के स्टेटमेंट की जांच पड़ताल के पश्चात हुआ। इतनी बड़ी राशि का घोटाला होने पर रेल अधिकारियों के कान खड़े हो गये। रेलवे के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक संतोष कुमार ने नगर ऊंटरी थाना में बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद कुमार प्रजापति के विरुद्ध राशि गबन करने का मामला दर्ज कराया है। दोनों भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कोनमंडरा गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल दोनों कर्मी फरार चल रहे हैं। बताया जाता है कि रेलवे स्टेशन आय की रकम को स्टेशन से लेकर बैंक में जमा करने के लिये रेलवे एवं एसबीआई के द्वारा 31अक्टूबर 2020 को एग्रीमेंट किया गया है। उसके बाद से एग्रीमेंट के तहत बैंक के द्वारा अधिकृत एजेंसी (डब्ल्यूएसजी) के बाईकर के द्वारा ही स्टेशन से टिकट बिक्री के पैसे को ले जाकर बैंक में रेलवे के खाता संख्या 32595570076 में जमा किया जाता है तथा बैंक से प्राप्त प्राप्ति रसीद को स्टेशन में जमा की जाती है, लेकिन एजेंसी के जरिये नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के वर्ष 2023 में हुई टिकट बिक्री का पैसा लगभग 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 रुपये को एजेंसी के बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति ने बैंक में जमा नहीं किया, जबकि बैंक में राशि जमा करने की फर्जी प्राप्ति रसीद स्टेशन प्रबंधक को लाकर जमा कर दिया। यह क्रम एक वर्ष तक चलता रहा,लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाईकर हर दस- पंद्रह दिन पर बैंक में राशि जमा करने के नाम पर मोटी राशि का गबन करते गए। धनबाद रेल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों में लगातार राजस्व की कमी होने पर रेल विभाग हरकत में आ गया। रेलवे के उच्च अधिकारियों ने इसकी जांच पड़ताल शुरू की। अधिकारियों ने सभी स्टेशन को अपने स्टेशन से बाईकर द्वारा भेजी गई रकम तथा एसबीआई में रेलवे के खाते में जमा किये गए पैसे की जांच करने का आदेश दिया। जांच के क्रम में नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन प्रबंधक के द्वारा जब बैंक से स्टेटमेंट एवं बाईकर के जरिये जमा की गई प्राप्ति रसीद की जांच की तो पता चला कि बाईकर ने बैंक में राशि को जमा ही नहीं की है। साथ ही फर्जी तरीके से प्राप्ति रसीद को स्टेशन में जमा किया है। जांच के क्रम में स्टेशन प्रबंधक ने पाया कि 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक लगभग 2 करोड़ 16 लाख 12 हजार 267 रुपये बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति ने स्टेशन से बैंक में जमा करने के लिये पैसा लिया, किंतु बैंक में रेलवे के खाता नंबर 32595570076 में जमा ही नहीं किया। बैंक के जरिये दिये गये स्टेटमेंट में भी इसकी पुष्टि हुई है। स्टेशन प्रबंधक के जरिये इसकी सूचना तत्काल रेलवे के वरीय अधिकारियों को दी। जिसके आलोक में सीटीआई मनुराम के निर्देश पर स्टेशन प्रबंधक ने नगर ऊंटारी थाने में आवेदन देकर बाईकर अजय कुमार गुप्ता एवं प्रेमचंद्र प्रजापति के विरुद्ध सरकारी राशि का गबन करने का मामला दर्ज कराया है।

एक नजर

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

रामगढ़ : कल संध्या गश्ति के क्रम में एंटी क्राइम चेकिंग के मद्देनजर पटेल चौक पर चेकिंग की जा रही थी, चेकिंग के क्रम में काला ब्ल्यू रंग का हीरो ग्लैमर मिटा हुआ नंबर के साथ पकड़ा गया तो पूछताछ के क्रम में ज्ञात हुआ कि चोरी का मोटरसाइकिल के मोहम्मद हुसैन उर्फ बिट्टू, पिता मोहमद इसराइल, पता श्री राम चौक आजाद बस्ती, थाना मांडू(कुज्जू) चला रहा था जिसे जप्त करते हुये गिरफ्तार किया गया है तथा प्राथमिकी दर्ज किया गया। गिरफ्तार प्राथमिकी अभियुक्त को जेल भेजा जा चुका है।

अपराधियों ने चलाई पुल निर्माण कार्य स्थल पर गोली

लातेहार : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमुहान नदी के पास पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर बुधवार को अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग की । इस घटना में साइडिंग इंजीनियर के पैर को छूते हुए गोली निकल गई। जानकारी के अनुसार फोरलेन सड़क निर्माण कार्य को लेकर पुल निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसी दौरान बुधवार की दोपहर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन अपराधी निर्माण स्थल के पास पहुंचे और वहां खड़े लोगों को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक अपराधी फायरिंग करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी की घटना में इंजीनियर सुधांशु के पैर को छूते हुए गोली निकल गई । इधर घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के जरिये घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन आरंभ की गई और फरार हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए नाकेबंदी कर छापेमारी भी की जा रही है। घटना की पुष्टि करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गयी। उन्होंने बताया कि पुल निर्माण के संवेदक को किसी प्रकार की कोई धमकी दिए जाने की कोई सूचना पुलिस को नहीं है। उन्होंने कहा कि गोली चलाने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

मकान निर्माण के क्रम में छज्जा गिरने से एक मजदूर की मौत

लोहरदगा : भंडरा थाना क्षेत्र के जमगई पंचायत के बीटपी गांव में मकान निर्माण के क्रम में छज्जा टूटकर गिरने से एक मिस्त्री की बुधवार को घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो अन्य मजदूर घायल है। घायलों का इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बिटपी निवासी राजेश उरांव अपना निजी मकान बना रहा है। इस मकान के निर्माण के लिए छज्जा के ऊपर जोड़ाई का काम चल रहा था। मिस्त्री और मजदूर छज्जा के ऊपर चढ़कर काम कर रहे थे। इसी क्रम में छज्जा टूट कर गिर गया और मिस्त्री चंपा उरांव छज्जा से दब गया। छज्जा से दबने से घटनास्थल पर ही चंपा की मौत हो गई । अन्य दो लोगों को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घायलों में मजदूर चंद्र किशोर उरांव एवं राजू उरांव शामिल है। घटना के बाद शव को पुलिस के जरिय जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि इस घटना में मृतक मजदूर की हर संभव मदद की जाएगी । प्रावधान के अनुकूल कार्रवाई की जा रही है।

टुसू मेला में खूब थिरके विधायक राम सूर्या मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

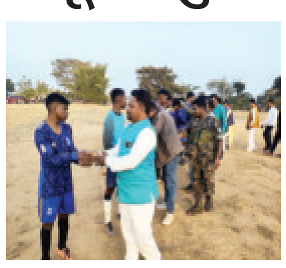

खूंटी : नामकुम पंचायत के हुआंगहातु गांव में बुधवार को टुसू मेला तथा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा मौजूद थे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। मौके पर आयोजित टुसू महोत्सव में विधायक भी जमकर थिरके। उपस्थित रोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि विधायक बनने के बाद पहली बार में हुआंगहातु पंचायत आया हूं। उन्होंने कहा कि जब भी मेरी जरूरत पड़े, आप संपर्क कीजिए, आपकी समस्याओं के समाधान का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने युवक-युवतियों का आह्वान किया कि आप खूब पढ़े और अपने गांव और जिले का नाम रोशन करें। इसके पूर्व विधायक ने जियारप्पा हुटार बाजार टांड़ में आयोजित जनसभा को भी संबोधित किया। बैठक में लोगों ने विधायक के समक्ष खूंटी में प्रस्तावित बाइपास सड़क के निर्माण से उत्पन्न समस्याओं को रखा। किसानों का कहना था कि सड़क के लिए उनकी जमीन ली जा रही है, लेकिन उसका अचति मुआवजा नहीं मिल रहा है। जो कीमत उन्हें मिलनी चाहिए, वह रैयतों को नहीं मिल रही है।

डीटीओ के नेतृत्व में चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने एवं ओवरलोडिंग परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार के निदेर्शानुसार बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स के नेतृत्व में जिलें के विभिन्न चौक चौराहे पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स के द्वारा भारी मालवाहक वाहनों व अन्य वाहनों का आर०सी० बुक, फिटनेस, प्रदूषण एवं ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग, आदि के साथ साथ वाहनों पर लगाए जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप की भी जांच की गई। वहीं बुधवार को जांच के दौरान कुल 20 से 25 बड़े वाहनों की जांच की गई जिसमें 14 वाहनों के कागजात अधूरे पाए गए उन सभी वाहनों के वाहन चालकों से नियम संगत जुमार्ना की वसूली की गई जिसमे लगभग कुल 297507 रुपया जुमार्ना वसूल किया गया। उन्होंने बताया की जांच के दौरान 14 बड़ी वाहनों का पेपर फेल, फिटनेस, टैक्स फेल, ओवरलोड, ओवरहाइट एवं रिफ्लेक्टिव टेप नही लगा होने के कारण लगभाग 297507 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जांच अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में चार पहिया व दो पहिया वाहनों की भी जांच की गई जांच के दौरान हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, ट्रिपल लोडिंग आदि की भी जांच की गई मौके पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील भी किया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने ना दे और जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है वह वाहन चलाते समय सेफ्टी रूल का अनुपालन जरूर करें। जांच के दौरान उन्होंने बताया की अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन वाहनों का परमिट, बीमा, फिटनेस, प्रदूषण, ओवरहाइट, ओवरलोड सहित रिफ्लेक्टिव टेप लगा हुआ नहीं मिलेगा उन वाहनों पर कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा मूल्यपरक और कृत्रिम मेधा व्यावसायिक है : डॉ जंग बहादुर पाण्डेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय देवघर में इंडियन नॉलेज सिस्टम एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (भारतीय ज्ञान परम्परा और कृत्रिम मेधा) विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य की चार मौलिक आवश्यकताएं हैं -भोजन, वस्त्र, आवास और शिक्षा। क्रम से तो शिक्षा चौथे नंबर पर है, लेकिन गुणवत्ता और महत्व की दृष्टि से शिक्षा प्रथम पद की अधिकारिणी है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन को प्रबोधते हुए कहा कि ज्ञान संसार में पवित्रतम् तत्व है। भारत केवल कृषि प्रधान देश नहीं, अपितु ऋषि प्रधान देश रहा है। ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है। भारतीय ज्ञान परंपरा नैतिकता और मूल्य परक रही है;जबकि कृत्रिम मेधा व्यावसायिक और रोजगार परक रही है।भारत के विश्व गुरु बनाने का आधार ज्ञान परक था। भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी बराबर कहा करते हैं कि भारत युवाओं का देश है।भारत की 65% आबादी युवा है।डा पाण्डेय ने कहा कि युवा को उलटने पर वायु शब्द बनेगा। अर्थात, युवा इस देश की प्राण वायु है। युवाओं के पास जोश है और बुजुर्गो के पास जोश है। आज के युवा अपने जोश के साथ बुजुर्गों के होश को मिला दें,तो उनका विकास अवश्यसंभावी हो। 1947 में विकसित भारत का सपना तब अपना हो सकेगा जब हमारे युवाओं के एक हाथ में पुस्तक और दूसरे हाथ में कम्प्यूटर/या मोबाइल हो। पुस्तक भारतीय ज्ञान का प्रतीक और कम्पूयटर कृत्रिम मेधा का प्रतीक है। राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह ने अपने सुप्रसिद्ध उपन्यास राम रहीम में लिखा है कि-शिक्षा का अर्थ किसी भाषा का मनन नहीं अपितु चरित्र का गठन है।

स्वास्थ्य मेला का विधायक अमित महतो ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड स्तर स्वास्थ्य मेला का आयोजन सिल्ली सामुदायिक अस्पताल में किया गया जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। विधायक अमित महतो ने स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि अस्पताल में जो भी सुविधा है उसे बहाल किया जाएगा इस क्षेत्र में पहला अस्पताल है जो ग्रामीणों को प्रतिदिन सेवा देता है हम चाहेंगे कि अस्पताल में सुविधा दुरुस्त हो जो भी कमी है हमें लिखित आवेदन देकर सूचना दें उस कमी को दूर करना हमारा करता बनता है। वही मेले में स्टॉल दंत चिकित्सक, पेयजल, कुष्ठ रोग, नशा मुक्ति, एनिमिया, मलेरिया फलेरिया हाथी पांव, परिवार नियोजन आदि का स्टॉल लगा हुआ था। वही दुर दराज से आए हुए ग्रामीणों ने स्टॉल के माध्यम से अपने-अपने इलाज करवा एवं दवा भी साथ लेकर अपने घर गए। इस मौके पर सिल्ली अस्पताल प्रभारी डॉक्टर प्रियंका कुमारी, डॉक्टर प्रेम प्रकाश, डॉ विवेक कुमार, मारुति नंदन, चौबे जी, दीपक कुमार आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

पीभीयूएनएल प्रबंधन के आश्वासन के बाद विस्थापित-प्रभावित ग्रामीणों ने समाप्त किया बेमियादी धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विस्थापित-प्रभावित ग्रामीणों के हक-अधिकार के सवाल पर 14 सूत्री मांगों को लेकर पीभीयूएनएल लेबर गेट के समक्ष शहीद निर्मल महतो स्मारक स्थल पर विस्थापित-प्रभावित संघर्ष मोर्चा के आह्वाहन पर बीते मंगलवार से घेरा-डालो, डेरा-डालो आंदोलन के तहत हजारों महिला-पुरुष ग्रामीणों के द्वारा दिया जा रहा अनिश्चित कालीन महाधरना-प्रदर्शन पीभीयूएनएल प्रबंधन के द्वारा मुख्य मांगों को पूरा करने हेतु दिनांक 22/01/2025 को लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आज समाप्त कर दिया गया। महाधरना-प्रदर्शन को समाप्त किए जाने के बाद पीभीयूएनएल प्रबंधन ने राहत का सांस लिया। दरअसल वि प्र सं मोर्चा द्वारा पीभीयूएनएल को अपनी 14 सूत्री मांगों के सवाल पर महाधरना-प्रदर्शन किए जाने हेतु लिखित ज्ञापन दिया गया था, इसके आलोक में गत 20 जनवरी को पतरातू अंचधिकारी मनोज चौरसिया के मध्यस्थता पर प्रबंधन और वि प्र सं मोर्चा प्रतिनिधियों के बीच समझौता वार्ता सम्पन्न हो गई थी, जिसमें प्रबंधन की ओर से सीईओ आर. के. सिंह, एच आर प्रमुख जियाउर रहमान, डी जी एम राजेश डूंगडूंग, नवीन साहू तथा मोर्चा की ओर से अध्यक्ष आदित्य नारायण प्रसाद, कुमेल उरांव, राजाराम प्रसाद, कौलेश्वर महतो, प्रियनाथ मुखर्जी, अशोक महतो, रॉकी मुंडा, नंदकिशोर महतो आदि मौजूद थे। परन्तु जिन मांगों पर वार्ता में सहमति बनी उसका लिखित वार्ता वृत्त (मिनट्स) देने में प्रबंधन टाल-मटोल करने लगा। उक्त मिनट्स को लेने के लिए मोर्चा प्रतिनिधि इंतजार करते रहे लेकिन प्रबंधन अनसुना करता रहा, कई बार अंचलाधिकारी को बोलने के बाद अपने गेस्ट हॉउस में बुलाकर शब्द और वाक्यों में फेर बदल कर मोर्चा प्रतिनिधियों को बरगलाने का कोशिश किया गया और प्रबंधन के व्यवहार एवं टाल-मटोल के कारण विस्थापित -प्रभावितों का आक्रोश बढ़ता चला गया। जिसके चलते ग्रामीणों ने आज अहले सुबह 05.00 बजे से ही पीभीयूएनएल के सभी गेट को जाम कर दिए, फलस्वरूप कोई मजदूर प्लांट के अन्दर नहीं जा पाए औरपीभीयूएनएल का सारा काम ठप हो गया। तब मा विधायक रोशन लाल चौधरी एवं अंचलाधिकारी के पहल पर आनन-फानन में प्रबंधन ने वार्ता में बने सहमति के अनुसार मिनट्स बनाया जिसे स्वयं अंचलाधिकारी ने धरना स्थल पर आकर दिया तत्पश्चात आंदोलन को स्थगित किया गया। इस पुरे आंदोलन में विस्थापित-प्रभावितों और मजदूरों के साथ विधायक मा रोशनलाल चौधरी डटे रहे । उन्होंने आंदोलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश हित में पीभीयूएनएल का पावर प्लांट बनना जरुरी है वहीं जनहित में यह भी जरुरी है कि जिनकी धरती पर इसका निर्माण किया जा रहा है उन विस्थापित-प्रभावितों का हक-अधिकार सुरक्षित हो, उन्हें पूरी प्राथमिकता के साथ स्थाई नौकरी में बहाली हो।

संक्षिप्त खबरें

पब्लिक और पुलिस के बीच की दूरी को कम करना जरूरी : आईजी

पलामू : पलामू जिले के पांचों पुलिस अनुमंडल स्तर पर बुधवार को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में सदर पुलिस अनुमंडल स्तर पर टाउन थाना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उदघाटन पलामू रेंज के आईजी सुनील भास्कर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसी तरह विश्रामपुर अनुमंडल स्तर पर विश्रामपुर थाना, लेस्लीगंज में लेस्लीगंज थाना, छतरपुर में छतरपुर थाना और हुसैनाबाद अनुमंडल स्तर पर हुसैनाबाद थाना परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर थाना के कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, एएसपी राकेश कुमार, प्रशिक्षु आईपीएस दिव्यांशु शुक्ला, सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, सदर अंचलाधिकारी अमरदीप सिंह बल्होत्रा समेत सदर अनुमंडल पुलिस अंतर्गत आने वाले थानों के पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में आम नागरिकों से प्राप्त लिखित एवं मौखिक शिकायत-समस्या का त्वरित गति से निष्पादन किया गया। कुछ शिकायतें ली गयी, उसका निर्धारित समय में निपटारा किया जायेगा। मेदिनीनगर सदर अनुमंडल अंतर्गत आने वाले थानों के लोग यहां अपनी शिकायत लेकर पहुंचे हैं। शिविर दोपहर तीन बजे चला। मौके पर पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर इस तरह का कार्यक्रम पलामू समेत पूरे राज्य में किया जा रहा है। दो बार पहले भी कार्यक्रम हुआ है। पलामू जिले में पांच पुलिस अनुमंडल स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रयास किया जा रहा है कि पब्लिक और पुलिस के बीच की दूरी को कम किया जाए। लोग मुखर होकर सामने आएं। उनकी समस्याओं को हम सुनेंगे। त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका निष्पादन करेंगे। ज्यादा से ज्यादा मामलों का निष्पादन पुलिस की ओर से करने की कोशिश की जा रही है। तत्काल निष्पादन होने वाले मामले ऑन स्पॉट हल किए जाएंगे और जो कार्रवाई के लायक मामले होंगे उसे निर्धारित समय में निष्पादन किया जाएगा। एसपी ने कहा कि सभी पुलिस अनुमंडल में संबंधित क्षेत्र के एसडीपीओ के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों का समाधान करना और पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाना था। शहर थाना समेत अन्य थानों में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने ऑन स्पॉट कई समस्याओं का समाधान किया, जबकि शेष शिकायतों को आगे की कार्रवाई के लिए अंकित किया गया।

आज मनायी जायेगी नेताजी सुभाष बोस की जयंती

गिरिडीह : गिरिडीह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती मनाएगी। इस मौके पर नेताजी चौक पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा झंडा मैदान में संकल्प मीटिंग का आयोजन किया जाएगा ।उक्त आशय की जानकारी पूर्व जिप सदस्य सह फॉरवर्ड ब्लॉक नेता राजेश यादव ने इसकी तैयारी को लेकर आज जनसंपर्क के दौरान सदर प्रखंड के पनयडीह तथा कोवाड़ में कही। उन्होंने कहा कि, जयंती को लेकर पार्टी कतारों में अपील की गई है। कहा कि, सरकार की गलत नीतियों से देश तथा राज्य की जनता का जीवन लगातार दूभर होता जा रहा है। नेताजी की जयंती पर व्यवस्था बदलाव कर शोषण-वर्ग विहीन समाज की स्थापना तथा लोकतंत्र मजबूती के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया जाएगा। आज जनसंपर्क के दौरान मुझे रूप से कार्तिक वर्मा, दीपक वर्मा, पंकज वर्मा, आसो सिंह, दीपक सिंह, सत्यनारायण सिंह, जितेंद्र सिंह, नेपाल सिंह, अर्जुन सिंह, जागेश्वर यादव आदि थे।

हैप डेली 'अरुण आइसक्रीमस' कॉर्नर का हुआ शुभारंभ

रामगढ़ : शहर के रामगढ़ महाविद्यालय के निकट बुधवार को हैप डेली 'अरुण आइसक्रीमस' शोरूम का शुभारंभ किया गया। इसका विधिवत उद्घाटन गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी बाबा गुरजीत सिंह ने अरदास करवा कर किया। इसके बाद भाजपा नेत्री इलारानी पाठक, बलजीत कौर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर संचालक हरमीत सिंह कालरा और कीर्ति गौरव ने बताया कि गुणवत्ता के मामले में यह आइसक्रीम अन्य आइसक्रीम से बेहतर है। इस अवसर पर प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मनपाल सिंह, तेजिंदर सिंह सोनी, रविंद्र सिंह, अनिल गोयल, हरजाप सिंह, जितेंद्र पवार, बलविंदर सिंह पवार, राजू कालरा, जसमीत कौर सोनी, रिंकल कालरा सहित कई लोग उपस्थित थे।

अल्पसंख्यकों की भागीदारी सुनिश्चित हो : तनवीर

रांची : झारखंड अलग होने के बाद जितने भी मुख्यमंत्री बने आज तक किसी ने भी मुसलमान के बारे में नहीं सोचा। उपयुक्त बातें कांग्रेस के नेता सह समाजसेवी तनवीर खान ने कहा। उन्होंने दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री यूसुफ हारून चौधरी और मकराना के विधायक जाकिर खान से मुलाकात के दौरान बताया। तनवीर ने बताया कि अल्पसंख्यकों की भागीदारी सुनिश्चित हो। अल्पसंख्यकों को लेकर भले सियासत होती हो मगर जब भागीदारी की बात होती है तो यह तबका कहीं ना कहीं झारखंड की आबादी के अनुपात में पिछड़ जाता है। तनवीर खान ने बताया कि आंकड़े के मुताबिक झारखंड में मुस्लिम जनसंख्या 15 फीसदी है जो चुनाव में निर्णायिक की भूमिका अदा करते हैं। मगर जब राजनीतिक दलों के द्वारा प्रत्याशी उतारने की बात होती है तो कहीं ना कहीं इस समुदाय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि शायद यही वजह है कि झारखंड गठन के बाद से कांग्रेस के फुरकान अंसारी एकमात्र मुस्लिम सांसद रहे हैं । उन्होंने 2004 में गोड्डा से चुनाव जितने में सफल हुए थे। सभी राजनीतिक दल अभी भी अल्पसंख्यकों को नजरअंदाज करती है।

एक नजर

चुनाव में उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बरहरवा : प्रखंड कार्यालय में बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास, कार्यकारी प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक दास के द्वारा झारखंड विधानसभा आम चुनाव 2024 में दिये गये कार्यों के लिए जेएसएलपीएस बरहरवा के बीपीएम फैज आलम के लगन और निष्ठा से प्रभावित होकर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास के द्वारा बतया गया कि मतदाता जागरूकता अभियान में बीपीएम फैज आलम के नेतृत्व में जेएसएलपीएस के टीम ने बहुत सराहनीय कार्य करके विधानसभा चुनाव में बरहरवा प्रखंड का वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग किया था।

प्लस टू उच्च विद्यालय खंडामौदा में मनाया गया स्थापना दिवस

जमशेदपुर : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा अंतर्गत पी एम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय में बुधवार को विद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 10 अंतर विद्यालय के विद्यार्थियों को लेकर एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर बहरागोड़ा कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर बालकृष्ण बेहेरा तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉक्टर बीनी षाड़ंगी, धनंजय सिंह, विद्याधर बेरा, मृत्युंजय माईती उपस्थित थे। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

विजयी प्रतिभागियों को वार्षिक उत्सव के दिन सम्मानित किया जाएगा मंच का संचालन पूर्व शिक्षक मनोरंजन गिरी ने किया। प्रतियोगिता में जीते हुए प्रतिभागियों को 31 जनवरी वार्षिक उत्सव के दिन सम्मानित किया जाएगा। मौके पर स्कूल के प्रधान अध्यापक कमल पड़िहारी, विजय रथ, रतिकांत सीट, मृणाल कांति घोष, पूर्णेन्दु हंसदा, शांति बेरा, उषा बाखला, मुकेश सिंह, देवाशीष गिरी, उत्पल कुमार दास व विश्वरूप सिंह आदि उपस्थित थे।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आए 63 मामले

सरायकेला : पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड के मागदर्शन में नागरिकों के शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावकारी ढंग से निवारण के लिए सरायकेला-खरसावां जिला में जिला स्तर पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सरायकेला के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मॉनटरिंग के लिए पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार पुलिस उप महानिरीक्षक कार्तिक एस उपस्थित थे। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर विभिन्न विषयों पर जागरुकता के लिए चर्चा की गई। जमीन से संबंधित मामले का अलग से स्टॉल टाउन हॉल, सरायकेला में आयोजित मुख्य कार्यक्रम स्थल में जन शिकायतों के पंजीकरण के लिए 17 स्टॉल लगाये गये थे। साथ ही उक्त कार्यक्रम में जमीन से संबंधित मामले का अलग से स्टॉल लगाया गया था, जिसमें सरायकेला के अंचलाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां जिला के विभिन्न थानों से आए शिकायतकर्ताओं के द्वारा कुल 63 आवेदन दिए गए हैं। शिकायतों का पंजीकरण कर रसीद दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और जिला पुलिस अधीक्षक ने आमजन को संबोधित किया।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति, जिला स्वास्थ्य टास्क फोर्स, राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल तथा सदर अस्पताल के उन्नयन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रोत्साहन राशि वितरण पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास और योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने बैठक के दौरान जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में उपायुक्त ने जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एनएचएम के तहत मिलने वाली सभी प्रकार की प्रोत्साहन राशि समय पर लाभार्थियों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी योजनाओं का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए। सभी मेडिकल ऑफिसर-इन-चार्ज को निर्देशित किया गया कि वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित ममता वाहन की नियमित रिपोर्ट सिविल सर्जन को प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि ममता वाहन सेवा का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, और इसकी प्रभाव शीलता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में अस्पतालों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेष योजनाओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि अस्पतालों में मरीजों के बैठने की सुविधा, स्वच्छता, शौचालय, पीने का पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति में सुधार प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे टीम भावना के साथ काम करें और जिले के स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाने के लिए अपना योगदान दें। बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं की स्थिति और उनके क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की।बैठक के अंत में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय-समय पर फील्ड विजिट करें और योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। मौके पर सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालीया, अनुमंडल पदाधिकारी सदर अंगार नाथ स्वर्णकार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल विमल सोरेन अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सिदो-कान्हू स्टेडियम में गणतंत्र दिवसकी तैयारियों का लिया जायजा

साहिबगंज : आगामी 26 जनवरी 2025 गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर उपायुक्त हेमंत सती ने सिद्धो-कान्हो स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन स्थल की साफ-सफाई, मंच सजावट, सुरक्षा प्रबंध और दर्शकों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिया कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरी की जाएं। उपायुक्त ने मंच की साज-सज्जा और ध्वनि व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि स्टेडियम में प्रवेश और निकास के रास्ते व्यवस्थित हों और कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बालगृह में एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड विकास परिषद द्वारा मुक्ति साउथ एशिया परियोजना के तहत बालगृह (बालक) साहिबगंज के प्रांगण में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ संस्था सचिव सुवासिनी सोरेन के द्वारा परिचय के साथ शुरूआत की गई। जिसमे आघात सूचित देखभाल एवं पीड़िता के साथ मित्रवत व्यवहार आदि पर चर्चा किया गया।प्रशिक्षण में मौजूद जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बच्चों से संबंधित विभिन्न जानकारियां स्टेकहोल्डर के बीच रखें एव संस्था के कार्यों का सराहना किया। संस्था के परियोजना क्षेत्र के सभी गांव में कार्यकताओं के साथ मानव तस्करी के विरुद्ध हर गांव में एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग क्लब के सभी सदस्यों के साथ ट्रैफिकिंग संबंधित बातों पर चर्चा कर जानकारी दिया। साथ ही परियोजना कर्मी के द्वारा संबंधित कार्य क्षेत्र हाउसहोल्ड सर्वे कर बच्चों के अभिभावक का सर्वे करना है। जिसमें बच्चों का पलायन, बाल श्रम, बाल यौन शोषन, बाल विवाह का पारिवारिक डाटा तैयार करना है जिसमें ह्यूमन ट्रैफिकिंग क्लब के सभी कार्यकताओं द्वारा संबंधित परिवारों के समस्याओं से रूबरू हो सके एवं जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान कर सके। वही मौके पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अब्दुस सुभान, बाल कल्याण समिति के सदस्य सुरेंद्रनाथ तिवारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वयक मोहम्मद इकबाल, झारखंड विकास परिषद के मुक्ति साउथ एशिया परियोजना के कार्यक्रम प्रबंधक कृष्णकांत राजू, एमईएल सायनी भंडारी कार्यक्रम, सामाजिक कार्यकर्ता इसराइल, सुमित, एवं मुख्य लेखपाल एवं प्रशासनिक कुंदन कुमार दुबे, मनोरंजन सिंह एवं राजीव रंजन बालगृह से रंजीत वर्मा, दिवाकर कुमार, अमन, पुष्पा भारती, मीर कासिम, आदि मौजूद रहे।

रनिंग कर्मचारी एवं गार्ड कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज रेलवे स्टेशन अंतर्गत संयुक्त बुकिंग लॉबी के सामने ऑल इंडिया लोको रनिंग कर्मचारि संगठन एवं ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल के संयुक्त आवाहन पर सभी रनिंग कर्मचारी एवं गार्ड कर्मचारियों द्वारा गेट मीटिंग एवं धरना प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि सातवें वेतन आयोग के अनुसार जब महंगाई भत्ता 50 फीसदी से अधिक हो गया तब अन्य सभी भत्तों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई, परंतु रेलवे बोर्ड के द्वारा रनिंग कर्मचारियों का माइलेज रेट को बढ़ाने से इनकार कर दिया गया। हर बार रेलवे बोर्ड के द्वारा रनिंग कर्मचारियों के साथ सौतेला जैसा व्यवहार किया जाता है। इसके विरोध में समस्त भारत के रनिंग कर्मचारी एवं गार्ड काउंसिल के द्वारा दिनांक 22 जनवरी 25 को विरोध दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। साथ ही सभी कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर सुचारू रूप से गाड़ियों की परिचालन कर रहे हैं। कर्मियों का कहना है कि उनकी मांग को जल्द से जल्द पूरा किया जाए अन्यथा यह विरोध और भी विकराल रूप धारण करेगा और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रेलवे के रनिंग कर्मचारी धरना प्रदर्शन करें। साहिबगंज में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एलआरएसए शाखा अध्यक्ष रवि रंजन के द्वारा किया गया जिसमें एलआरएसए एवं गार्ड काउंसिल के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी एवं अन्य सदस्यगण सम्मिलित रहे।

जन शिकायत समाधान सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बुधवार को साहेबगंज जिला अंतर्गत आयोजित जनशिकायत समाधान सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीआईजी निरंजन किस्पोट्टा को टाउन हॉल साहिबगंज में गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। जहां टाउन हॉल में डीआईजी निरंजन किस्पोट्टा एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के देखरेख में विभिन्न थानों के शिकायत एवं समस्याओं का समाधान किया गया। राजमहल पुलिस अनुमंडल अंतर्गत कुल 72 शिकायत प्राप्त हुए। जिनमें से तत्काल 27 शिकायतों का समाधान किया गया। साहेबगंज सदर अनुमंडल अंतरगत कुल 47 शिकायत प्राप्त हुए जिनमें से तत्काल ग्यारह शिकायतों का समाधान किया गया। इसी प्रकार बरहरवा पुलिस अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कुल 37 शिकायत प्राप्त हुए हैं जिनमें 7 शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया। इस प्रकार साहिबगंज जिला अंतर्गत कुल 156 विभिन्न प्रकार के शिकायत शिकायतकताओं के द्वारा किया गया। जिनमें से तत्काल वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में 45 मामलों का समाधान किया गया है। कोई मौके पर विभिन्न थानों के थाना प्रभारी एवं पुलिस कर्मचारी मौजूद थे।

बीमारी होने पर झाड़-फूंक से दूर रहें लोग, अस्पताल में कराएं इलाज : डॉ. हरेंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : बुधवार को कुकडू हाट तोला मैदान के समीप एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया है। स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, कुकडू अंचलाधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान, तिरुलडीह पीएचसी प्रभारी डॉ. हरेंद्र सिंह मुंडा ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। एकदिवसीय प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला में सामान्य जांच, टीबी, मलेरिया जांच, कुष्ट रोग जांच, ब्लड शुगर, ब्लड जांच, किशोरी स्वस्थ, परिवार नियोजन, आयुष्मान कार्ड, योगा समेत कुल 15 स्टॉल लगाया गया था। स्वास्थ्य मेला में महिला, पुरुष व बच्चों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवा भी दी गयी। इस दौरान कुकडू अंचलाधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान ने कार्यक्रम कोई संबोंधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जीवन मनुष्य का अभिन्न अंग है। हम सभी को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। वहीं, तिरुलडीह पीएचसी के प्रभारी डॉ हरेंद्र सिंह मुंडा ने कहा कि लोग छोटी-छोटी बीमारी होने पर झाड़-फूंक का सहारा लेते हैं। तिरुलडीह पीएचसी में जरुरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यदि लोगों को कोई छोटी-छोटी समस्याएं होती है तो लोग झाड़-फूंक का सहारा न लेते हुए सीधे पीएचसी तिरुलडीह में इलाज हेतु आने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य के लिए कई कार्यक्रम और योजनाएं भी चला रही है बस लोगों में जागरूकता लाने की जरुरत है।

15 वर्ष के बाद भी कुकडू प्रखंड में नहीं बना सीएचसी : मधुश्री महतो

इस दौरान मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने स्वास्थ्य मेला में लोगों की संख्या कम होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मेला को लेकर प्रचार-प्रसार कम कि गई है, जिसके कारण कम लोग स्वास्थ्य मेला में पहुंचे। साथ ही उन्होंने कहा कि कुकडू प्रखंड का गठन वर्ष 2009 में ईचागढ़ और नीमडीह से अलग करके किया गया था, ताकि इस क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, और कृषि के क्षेत्र में विकास के अवसर मिल सकें। लेकिन अभी भी कुकडू के लोग आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं के लिए बंगाल राज्य के पुरुलिया जिले अस्पताल या जमशेदपुर, रांची जाने को विवश हैं। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि 15 साल बाद भी कुकडू में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना नहीं हुई है।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा बाजार में खामार सिनि मंदिर का हुआ भूमि पूजन

पटमदा : पटमदा प्रखंड के पटमदा बाजार स्थित महली कूल्ही में स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा आचार्य के द्वारा पूजा पाठ करवाकर बुधवार को खामार सिनि मंदिर निर्माण को लेकर नींव रखा गया। ग्रामीणों के बताया कि इस मंदिर का निर्माण भव्य रूप में किया जाएगा। जिसका विधिवत भूमिपूजन करते हुए नींव रखा गया। इस दौरान पूजा पाठ हवन प्रसाद वितरण आदि के साथ किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से अहलाद महली, स्वेतवाहन सिंह ,भरत महली ,दिलीप महली, देवेंद्र नाथ सिंह शशधर रूहिदास, विजय सिंह गोराचंद माहली, मनसा महली ,ओमप्रकाश अग्रवाल,ज्योति सिंह, रामचंद्र रुहिदास सहित काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष बुजुर्ग बच्चे शामिल हुए।

स्वास्थ्य मेला में जांच करवाने पहुंचे ग्रामीण

पटमदा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटमदा में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कृष्टोफर बेसरा ने बताया कि विभाग के निदेर्शानुसार ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। स्वास्थ्य मेला उद्घाटन समारोह में प्रखंड प्रमुख बालिका सोरेन, सीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास,सीएचसी प्रभारी डॉ कृष्टोफर बेसरा, बीएएम सुकदा मुर्मू,सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा, बीपीएम मनोरंजन सिन्हा,सहित सभी विभाग के स्वास्थ्य कर्मी और चिकित्सक मौजूद थे। सभी प्रकार के चिकित्सा सेवा के लिए स्टॉल लगाया गया था। वही आगामी 24 जनवरी को बोड़ाम प्रखंड के लावजोड़ा स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेला की जानकारी दी गई।

बरहरवा में बीमार एवं कम कीमत वाली बकरी वितरण को लेकर भड़के लाभुक

बरहरवा : प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को कल्याण विभाग के द्वारा दस लाभुकों के बीच बकरी वितरण किया गया। वहीं बकरी वितरण करते समय ही बवाल मच गया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अब्दुल कादिर, बीस सुत्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार दास, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर उपस्थित थे। इसी दौरान बकरी देख लाभुक नाराज हो गए। लाभको ने विरोध करते हुए बताया कि इस तरह के बकरियां नहीं लेंगे, जिन्हें कई एक बीमारियां है घर ले जाने की उपरांत बकरियां जब मर जाती है तो इसका खामियाजा भी इंश्योरेंस कंपनी नहीं देती है। इतना ही नहीं सांसद प्रतिनिधि अब्दुल कादिर ने भी कम दामों वाला बकरी उपलब्ध कराए जाने का विरोध किया, तथा बताया जहां सरकार अच्छी नस्ल वाले बकरी उपलब्ध कराने को लेकर कटिबध है, वही बकरी वितरण करने वाले एजेंसी कम कीमत वाले बकरी देकर अपनी जेब गरम कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि सरकार पांच बकरी खरीदने को लेकर 24800 उपलब्ध करा रही है पर लाभुकों को महज 10 से 12 हजार का ही बकरी उपलब्ध कराया जा रहा है,पर फाउंडेशन एनजीओ लाभुकों के साथ मनमानी कर रही है। यह पहला मौका नहीं है जबकि खराब बकरी वितरण किए जाने को लेकर आवाज उठ रही हो, इससे पहले भी लाभुकों ने सीधे राशि उनके खाते में देने की मांग करते हुए बीमा एवं कम कीमत वाले बकरी देने का विरोध किया था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पाकुड़ विधायक ने शौचालय निर्माण का किया शिलान्यास

बरहरवा : पाकुड़ विधायक निशात आलम ने बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं बरहरवा प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण एवं योजनाओं का शिलान्यास मे शौचालय निर्माण व स्वर्ग रथ को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। बुधवार को विकास एवं आवास विभाग एवं जल संसाधन विभाग, झारखण्ड के अन्तर्गत बरहरवा नगर पंचायत, एवं बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास विधिवत फीता काटकर एवं स्वर्ग रथ को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन विधायक पाकुड़ निशात आलम ने किया। इसके पश्चात बरहरवा सामुदायिक हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण कर हॉस्पिटल की कमी को सी.एस पीके संथालिया को सुधार का निर्देश दिया। तत्पश्चात बरहरवा प्रखंड कार्यालय का भी औचक निरीक्षण कर प्रखंड कार्य को गति देने का निर्देश दिया। पेंडिंग पड़े कार्यों को जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया।योजनाओं का शिलान्यास विधिवत तरीके से किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, वरिष्ठ कांग्रेसी नसरुद्दीन, कमल आर्य, भोलेनाथ महतो, अब्दुल कादिर, अश्वनी आनंद, मिथुन, मंडल शरीफ, और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद है।

तेजस्वी बोले-सीएम महिलाओं को शर्मसार करने वाले बयान देते हैं

बिना पेपर लीक नहीं होता एक भी एग्जाम, रिटायर्ड अधिकारियों की मदद से चल रही सरकार

आरा। बिहार सरकार को 3 से 4 लोगों ही चला रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार थक चुके हैं। रिटायर्ड अधिकारियों की मदद से सरकार चल रही है। इस सरकार के पास न कोई विजन है और न ही ब्लू प्रिंट। अब नीतीश कुमार लगातार महिलाओं को शर्मसार करने वाले बयान दे रहे हैं। इससे बिहार का चेहरा देश और दुनिया के सामने झुक जाता है। ये बातें बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भोजपुर में कही। तेजस्वी यादव इन दिनों कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा पर हैं। आरा शहर के निजी होटल में नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में वे शामिल हुए। कार्यक्रम से पहले तेजस्वी यादव ने आरा सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 'राज्य के विकास के लिए ब्लू प्रिंट तैयार किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले जनता के बीच इस ब्लू प्रिंट को

जारी करेंगे। हमारी सरकार बनी तो नौकरियों की भरमार होगी। रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सूबे में उद्योग स्थापित किए जाएंगे।' बिना पेपर लीक नहीं होती एक भी परीक्षा तेजस्वी ने कहा कि 'हमारी 17 महीने की सरकार थी, तब बिहार में 5 लाख नौकरियां में से साढ़े तीन लाख नौकरियां दी। हमारी सरकार के दौरान कोई पेपर लीक नहीं होता था। एनडीए की जब भी सरकार बनती है, तब बिहार में मैट्रिक, इंटर की परीक्षा के लेकर BPSC एग्जाम तक पेपर लीक होता है। अब एनडीए की डबल इंजन सरकार है, तब जेपी गोलंबर पर छात्रों की लाठी डंडों से पिटाई की जाती है। अब फॉर्म भरने पर जीएसटी लगा दिया गया है। आप समझ सकते हैं कि छात्र-छात्राएं पढ़ते भी है, कंपीटिशन की तैयारी भी करते

हैं और धांधली होने पर परीक्षा रद्द कर दी जाती है।' क्यों नहीं बिहार को दिलवा रहे विशेष राज्य का दर्जा? तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और 11 साल से केंद्र में एनडीए की सरकार में है। हम लोगों का बहुत पुराना मुद्दा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाने का है, ताकि राज्य को विशेष पैकेज मिले। यही बात नीतीश कुमार भी कहते आ रहे हैं। नीतीश कुमार तो केंद्र की सरकार में शामिल हैं तो विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिलवा रहे हैं। मुख्यमंत्री दो अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च कर प्रगति यात्रा पर निकले हैं, लेकिन वो इस यात्रा के दौरान अपने कार्यकर्ता, नेता या फिर जनता से नहीं मिल रहे हैं। यात्रा के दौरान अधिकारी जो उन्हें दिखाते हैं, नीतीश कुमार देखते हैं। तेजस्वी ने कहा कि हमने पर भी ट्वीट किया था कि प्रगति यात्रा में क्या दुर्गति हुई है, इस दुर्गति में वह अपना प्रगति ढूंढ रहे हैं।' 200 यूनिट बिजली होगी फ्री, 1500 रुपए मिलेगा वृद्धा पेंशन तेजस्वी ने कहा कि 'माई बहन योजना के तहत बिहार के लाभुकों को 2500 रुपए प्रति माह दिया जाएगा। प्रत्येक उपभोक्ता को 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त देंगे। सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 400 रुपए की जगह प्रतिमाह 1500 रुपए का भुगतान करेंगे।' उन्होंने कहा कि बिहार में हम लोगों ने जातीय गणना करवाया था। जातीय गणना की रिपोर्ट में 94 लाख ऐसे परिवार है, जिनकी आय 6 हजार रुपए से कम है। इन्हीं सब फीडबैक के आधार पर तय किया था कि हमारी सरकार जब बनेगी तब माई-बहन मान योजना के तहत हर महीने महिलाओं के खाते में 2500 रुपए देंगे।'

संक्षिप्त डायरी

भभुआ के पूर्व विधायक डॉ प्रमोद सिंह का निधन

कैमूर। के भभुआ से तीन बार विधायक रहे डॉक्टर प्रमोद सिंह की मौत मंगलवार की रात सांस की तकलीफ के कारण हो गई। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने के साथ ही ठंड लगने की बात भी सामने आई है। वहीं अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। मालूम हो कि जदयू पार्टी से वह 3 बार विधायक बने थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परिजनों से बात कर शोक संवेदना व्यक्त की है। श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह ने मौके पर पहुंचकर श्रद्धांजलि भी दी है। उन्होंने कहा कि डॉ प्रमोद सिंह पार्टी से ऊपर उठकर आम जनता की सेवा करते थे। डॉ सिंह की अचानक मौत होने से राजनीतिक गलियारों और कैमूर जिले में शोक की लहर है। उनके निधन से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। श्रम मंत्री संतोष सिंह ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा दल परिवार के साथ खड़ा है।

तेंदुए के बच्चे को ग्रामीणों ने पकड़ा

मोतिहारी। के रामगढ़वा प्रखंड स्थित अमोदेई गांव में एक तेंदुए का बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह के समय जब ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्हें अमोदेई बगीचे के पास एक तेंदुए का बच्चा दिखाई दिया। कड़ाके की ठंड में कांप रहे इस शावक का वजन 10 किलोग्राम था। ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए शावक को सुरक्षित पिजड़े में रखा और उसे आग के पास बैठाकर ठंड से बचाया। बच्चे की स्थिति सामान्य होने के बाद ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची मोतिहारी वन विभाग की टीम ने तेंदुए के बच्चे को अपनी देखरेख में ले लिया। तेंदुए के मां के मौजूद होने की आशंका ग्रामीणों को आशंका है कि आसपास के क्षेत्र में तेंदुए का कोई और बच्चा या उसकी मां मौजूद हो सकती है। इस कारण लोगों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में गश्त तेज कर दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। फिलहाल, शावक वन विभाग की निगरानी में सुरक्षित है और उसकी देखभाल की जा रही है।डीएफओ राज कुमार शर्मा ने बताया कि रामगढ़वा में जो जानवर मिला है वह जंगली कैट है। तेंदुआ का बच्चा कभी अपनी मां से दूर नहीं जाता है। मां को पकड़ कर जंगल में छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

दूध से भरी पिकअप-जीप की टक्कर, 2 की मौत

गोपालगंज। में एक सड़क हादसा हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। घटना कुचायकोट थाना क्षेत्र के सेमरा सासामुसा मार्ग पर खजूरी गांव के पास की है। दूध से लदी पिकअप और एक जीप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पलट गए। हादसे में जीप में सवार गोपालपुर थाना क्षेत्र के ढेबवां गांव निवासी मौलादीन (50) और बंजरिया गांव निवासी जोगिंदर मांझी (55) की मौके पर ही मौत हो गई। जोगिंदर माझी एक केस की तारीख पर कोर्ट जा रहे थे। जबकि, मौलादीन अपनी बीमार बेटी से मिलने अस्पताल की ओर जा रहे थे। ये दोनों जीप पर सवार होकर जा रहे थे। घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची।

घायलों को तत्काल कुचायकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। हादसे के दौरान जीप में सवार यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई थी।थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में 2 लोगों की जान गई है। कुछ लोग जख्मी है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसे की खबर सुनते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हाई स्पीड बाइक पर कपल का खतरनाक स्टंट

मुजफ्फर।पुरमुजफ्फरपुर में हाई स्पीड बाइक पर युवक-युवती का खतरनाक स्टंट का वीडियो सामने आया है। तीन अलग-अलग वीडियो में युवक और युवती एक से एक खतरनाक स्टंट करते दिख रहे हैं। हालांकि, अब तक कपल की पहचान नहीं हो पाई है। मुजफ्फरपुर पुलिस इन दोनों को तलाश कर रही है। कपल का जो वीडियो सामने आया है, वो पताही एयरपोर्ट का बताया जा रहा है। हाई स्पीड बाइक पर कपल स्टंट कर रहे है तो दूसरी बाइक से वीडियो शूट किया है।लड़का हाई स्पीड बाइक को तेज रफ्तार में चला रहा है। इस दौरान लड़की बाइक के पेट्रोल टंकी पर बैठी है और उसका चेहरा लड़के की ओर है। दोनों ने हेलमेट भी नहीं पहना है। वीडियो में दिख रहा है कि लड़का तेज रफ्तार में बाइक भगा रहा है, इसी दौरान वह बाइक का

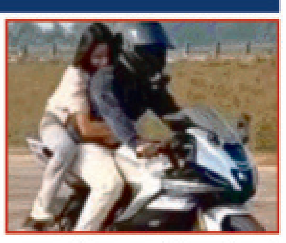

अगला पहिया हवा में उठा देता है और लड़की विक्ट्री साइन दिखा रही है। दूसरे वीडियो में लड़की हाथ में पिस्टल लेकर चलती दिख रही है। बैकग्राउंड में हरियाणवी गाना 'जेल करावेगी, रे छोरी, जेल करावेगी' बज रहा है यह वीडियो चलती ट्रेन पर शूट किया गया है। इस वीडियो में लड़की ट्रेन से बाहर की ओर झूलती दिख रही है, जबकि लड़का उसके सामने ट्रेन के अंदर खड़ा दिख रहा है।ग्रामीण SP विद्यासागर ने बताया कि 'वीडियो में दिख रहा लड़का और लड़की कहां का रहने वाला है।

बच्ची के पेट से निकला एक किलो बाल का गुच्छा

डॉक्टर बोले- 7 साल से खा रही थी, पेट ब्लॉक था; खाना भी छोड़ चुकी थी

मुजफ्फरपुर। में 9 साल की बच्ची के पेट से करीब डेढ़ किलो बालों का गुच्छा निकला है। वह साहेबगंज क्षेत्र की रहने वाली है। पेट में दर्द की शिकायत होने पर परिजन उसे SKMCH लेकर आए थे। मंगलवार को सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में बच्ची को भर्ती किया गया। पेट का एक्स-रे किया गया। इसमें डॉक्टर्स को कुछ दिखाई दिया। इसके बाद सीटी स्कैन कराया गया जिसमें बालों गुच्छा दिखा। बच्ची में खून की कमी थी, पहले उसे खून चढ़ाया गया। इसके बाद पेडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार के नेतृत्व में ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद उसके पेट से करीब डेढ़ किलो के बाल का गुच्छा निकला। बच्ची के पिता मजदूरी का काम करते हैं। 7 साल से बाल खा रही थी बच्ची

डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया, 'पिछले 7 साल से वह बाल खा रही थी। यह ट्राइकोटिलोमेनिया नामक मनोरोग बीमारी है। मरीज को मनोरोग के डॉक्टर से भी दिखाया जाएगा। पिछले 15 दिनों से बच्ची खाना नहीं खा पा रही थी।' लगातार बाल खाने से गुच्छा बन गया थाडॉ. आशुतोष कुमार ने बताया, 'बालों खाने के बाद समस्या ये है कि ये बॉडी के अंदर चिपक जाता है। शरीर में कहीं से भी इसे निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता। समय के साथ एक-एक बाल करके गुच्छा बन जाता है। ये पेट को ब्लॉक कर देता है।' 'बीते 15 दिन से बच्ची खाना नहीं खा पा रही थी। केवल लिक्विड ले रही थी। खाना खाने के बाद उसे उल्टी होती थी। उनके परिजन ने कहीं दूसरे अस्पताल में इसकी जांच भी करवाई थी। वहां ऑपरेशन कराने में वो सक्षम नहीं थे। इसके बाद मुझसे संपर्क किया गया।' 'मंगलवार को ऑपरेशन हुआ है। पेशेंट अब स्टेबल है। वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल 4-5 दिन उसे हम खाना नहीं देंगे। अंडर ऑब्जर्वेशन रखेंगे। पेट के ऊपर लंबा चीरा लगा है। टांका भरेगा उसके बाद ही खाना देंगे।' ऑपरेशन करने वाली टीम में चाइल्ड सर्जन डॉ. नरेंद्र, एनेस्थीसिया के डॉ. नरेंद्र शामिल थे। परिजनों ने बताया, 'बच्ची के पेट में कई महीनों से दर्द था। उसे भूख में नहीं लग रही थी। खाना खाने पर उल्टी कर देती थी। इसके बाद डॉक्टर से दिखाया गया। पिछले 3-4 दिन से बेटी के पेट में तेज दर्द उठने लगा। निजी अस्पताल में ऑपरेशन कराने में सक्षम नहीं हुए जिसके बाद SKMCH में उसे भर्ती कराया। फिलहाल बच्ची स्टेबल है।'

मणिपुर में बना रहेगा बी.जे.पी जे.डी.यू का साथ

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने समर्थन वापस लिया था, हाईकमान ने घंटेभर में फैसला पलटा

पटना। नीतीश कुमार की पार्टी JDU के मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी की नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लिया था। पार्टी हाईकमान ने घंटेभर के अंदर ना सिर्फ उनके फैसले को पलट दिया, बल्कि प्रदेश अध्यक्ष विरेन सिंह को पद से भी हटा दिया। बुधवार को शाम साढ़े 4 बजे JDU के मणिपुर के अध्यक्ष ने समर्थन वापस लेने का ऐलान किया था। कुछ ही देर बाद JDU के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद मीडिया के सामने आए और समर्थन वापसी का खंडन किया। उन्होंने कहा- 'NDA को हमारा समर्थन जारी रहेगा।' प्रसाद ने कहा कि 'मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत किए बिना पत्र जारी किया था। यह अनुशासनहीनता है। हम मणिपुर सरकार के साथ राज्य के लोगों की सेवा करना जारी रखेंगे।' साल 2022 में हुए चुनाव में भाजपा ने 60 में से 32 सीटें जीती थीं।

JDU के 6 विधायक जीते थे। इसमें से 5 विधायक BJP के साथ चले गए थे। तीन निर्दलीय विधायकों का भी सरकार को समर्थन है। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। केंद्र के साथ बिहार सरकार में भी भाजपा और JDU सहयोगी पार्टियां हैं। कांग्रेस ने कहा- मणिपुर में सरकार को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए था कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने प्रतिक्रिया दी है। ज्ञान रंजन ने कहा कि मणिपुर में जो हालात है, जिस तरह से वहां पर जुल्म ढाया गया। वहां की सरकार को तो खुद इस्तीफा दे देना चाहिए था। इसके बाद वहां राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आज तक प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए। आरजेडी ने कहा- मणिपुर के विधायक ने साहसी कदम उठाया है

जदयू के मणिपुर की बीजेपी सरकार से समर्थन वापस लेने की खबर सामने आते ही आरजेडी का ने प्रतिक्रिया दी थी पार्टी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा था कि 'JDU विधायक ने मणिपुर में सरकार से अपना समर्थन वापस लेने का फैसला लेकर भाजपा और नरेंद्र मोदी के प्रति अविश्वास जताया है। इस तरह की स्थिति का निर्माण पूरे देश में होने जा रहा है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती रही है और जैसी उनकी नीयत रही है, वैसे में इस तरह का परिणाम सामने आना ही था। मणिपुर के विधायक ने साहसी कदम उठाया है।'

बर्तन व्यवसायी की सड़क हादसे में मौत

कैमूर। में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बर्तन व्यवसायी की मौत हो गई। कुदरा थाना क्षेत्र के घटांव गांव निवासी रविंद्र शाह अपना रोजमर्रा का काम निपटाकर घर लौट रहे थे। इसी बीच पुसौली के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान स्वर्गीय गंगा साह के बेटे रविंद्र शाह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घायल रविंद्र को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई मुन्ना शाह ने बताया कि रविंद्र ग्रामीण इलाकों में घरेलू बर्तन बेचने का काम करते थे। दुर्घटना उस समय हुई जब वे सड़क पार कर रहे थे। कुदरा थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि परिजनों ने मृतक का शव थाना लाया, जहां से पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषी वाहन चालक को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा।

पढ़ाई के प्रेशर में 12वीं के छात्र ने किया सुसाइड

किशनगंज। के पानीबाग इलाके में एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। 12वीं कक्षा का छात्र 4 दिन से किराए के कमरे में रह रहा था। मृतक की पहचान पोठिया प्रखंड के गेवड़ालोटी निवासी मजहरुल इस्लाम (21) के रूप में हुई है। मजहरुल परीक्षा की तैयारी के लिए महज 5 दिन पहले ही किशनगंज आया था। वो पढ़ाई के प्रेशर में था। घटना का पता तब चला जब उसके पिता ने बुधवार को उसे फोन किया। 15 बार लगातार कॉल करने पर भी बेटे ने फोन नहीं उठाया। कॉल रिसीव नहीं करने पर मृतक के पिता ने पड़ोस में रहने वाले मनीसुल हक को फोन कर जानकारी दी कि उनका बेटा कॉल रिसीव नहीं कर रहा है। पड़ोस के रहने वाले युवक ने उसके कमरे की जांच की। दरवाजा बंद होने पर झांककर देखा गया तो छात्र फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।फांसी के फंदे से लटक रहा था छात्र

पड़ोसी मनीसुल हक ने बताया कि मजहरुल को उसके पापा ने सुबह में कॉल किया था। उसने उठाया नहीं, तो उन्होंने मुझे कॉल किया। कहा कि बच्चा सुबह से फोन नहीं उठा रहा है। मेरी उससे बात करा दो। दरवाजा खटखाया, वो खोल ही नहीं रहा था। झांक कर देखे तो लड़का फांसी से लटक रहा था। मैंने उसके पेरेंट्स को भी बताया और नीचे अंकल को बताया। 5 दिन से मजहरुल यहां पर रह रहा था।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना की सूचना मिलते ही टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

फ्लिपकार्ट गोदाम में 77 सेकेंड में डकैती का सीसीटीवी विजुअल

एक ने काउंटर से निकाले 4.95 लाख रुपए, बाकी अपराधियों ने गन प्वाइंट पर कर्मियों को बंधक बनाया

मुजफ्फपुर। में फ्लिपकार्ट के गोदाम में डकैती का 77 सेकेंड का सीसीटीवी विजुअल सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है अपराधी पिस्टल लेकर ऑफिस में घुसे और कर्मियों को धमकाने लगे। अपराधियों ने अपने चेहरे को ढंककर रखा है। लाल कपड़ा में एक अपराधी काउंटर से पैसे निकालकर अपने झोले में रख रहा। बाकी अपराधी पिस्टल की नोक पर कर्मियों को बंधक बनाए हुए है। इसी बीच ऑफिस में अलार्म बज गया। जिसके बाद एक कर्मी को अपराधी ने गोली मार दी, उनकी मौत हो गई थी। मामला दो दिन पहले का है जिसका सीसीटीवी फुटेज आज यानी बुधवार को सामने आया है। सदर थाना क्षेत्र के खबरा शिव मंदिर के पास गोदाम से डकैत 4.95 लाख रुपए लूट गए थे। जल्दी ही सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी सिटी एसपी

विश्वजीत दयाल ने कहा कि पुलिस एक साक्ष्य के आधार पर जांच कर रही है। घटना के खुलासे के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। टीम ने कई संदिग्ध को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान भी किया जा रहा है। जिसके आधार पर पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है। जल्द ही सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी। 3 बाइक पर 9 अपराधी हथियार के साथ आए थे दरअसल, मुजफ्फरपुर में बीते सोमवार को फ्लिपकार्ट गोदाम

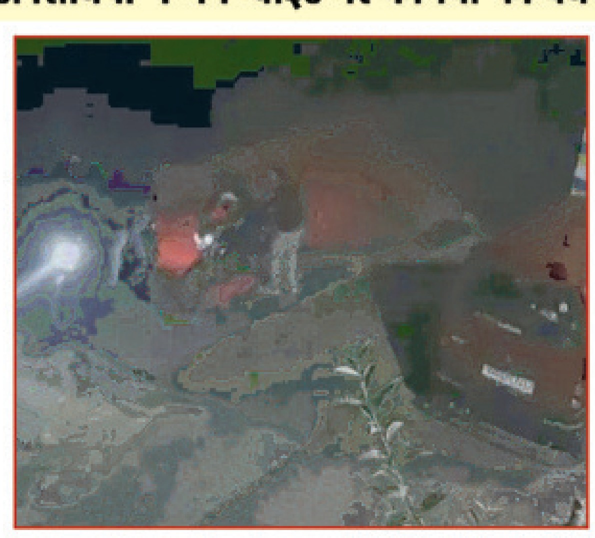

में 8 मिनट में डकैती हुई थी। 3 बाइक पर 9 अपराधी हथियार के साथ आए थे। गोदाम के अंदर मौजूद 19 स्टाफ को अलग-अलग जगहों पर बंधक बनाकर लूटपाट की। फ्लिपकार्ट गोदाम में काम करने वाले राजीव कुमार ने बताया था कि अपराधी कह रहे थे शांति से रहो, अंदर घुसो सब...फिर 9 से 10 बदमाशों ने हम सभी को कैश रूम में बंद कर दिया। बदमाश कैसे अंदर आए, इसे लेकर हमें कोई भनक नहीं लगी। हम लोग करीब 19 लोग अलग-अलग जगहों पर खड़े थे। कोई डिलीवरी ले रहा था, कोई कैश जमा कर रहा था।' वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। वारदात सदर थाना क्षेत्र के खबरा स्थित फ्लिपकार्ट के गोदाम में रात 9 बजे के बाद की है। वहीं, मरने वाले की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौट गांव के 45 साल के प्रभात कुमार मिश्रा के रूप में हुई थी।CCTV में कैद हुई वारदात, पहचान की कोशिश जारी भागने के दौरान अपराधी कई जगह पर सीसीटीवी में कैद हुए हैं। एक फुटेज में दिख रहा है कि बाइक सवार अपराधियों की एक बाइक स्टार्ट नहीं हुई, जिसके बाद काफी देर तक बाइक को अपराधी धक्का देकर स्टार्ट करने की कोशिश करते रहे, लेकिन आखिर में जब बाइक स्टार्ट नहीं हुई, तो अपराधी बाइक को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गए।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है परियों का देश

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर-शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना

उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को परियों का देश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह

यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला

आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर-शराबा पसंद नहीं है।

कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है सांची

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था।

भारत का इतिहास और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है, और इस सांस्कृतिक धरोहर का एक अद्वितीय उदाहरण मध्यप्रदेश के सांची में देखने को मिलता है। सांची एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन स्तूपों, मठों, और बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ के ऐतिहासिक स्मारक भारतीय स्थापत्य कला और संस्कृति के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सांची को यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी, जो इसे और भी खास बनाता है।

सांची का इतिहास

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था। इसके अलावा, यहाँ के अन्य स्तूप, मठ, और विहार भी बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए हैं। सांची का इतिहास भारत के प्राचीन धर्म और संस्कृति को दर्शाता है, और यहाँ के स्मारक बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं।

सांची के प्रमुख आकर्षण

सांची स्तूप

- सांची का प्रमुख आकर्षण सांची स्तूप है, जिसे सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान बनवाया था। यह स्तूप बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे विश्वभर से श्रद्धालु और पर्यटक देखने आते हैं। स्तूप की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण और उकेरे गए दृश्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यह स्तूप बुद्ध की जीवन गाथाओं को चित्रित करता है और इसे भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

विक्रमादित्य का स्तूप

यह स्तूप सांची के प्रमुख स्तूपों में से एक है और इसमें बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। इसे विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। यह स्तूप संरचनात्मक रूप से बहुत आकर्षक है और यहाँ की दीवारों पर बौद्ध धर्म के प्रतीकों और चित्रों को देखा जा सकता है।

अशोक स्तंभ

सांची में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक विशाल स्तंभ स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रचार और सम्राट अशोक के धार्मिक योगदान को दर्शाता है। इस स्तंभ पर अशोक के शिलालेख उकेरे गए हैं, जो उस समय के शासन और बौद्ध धर्म के प्रति उनके समर्पण को व्यक्त करते हैं।

विहार और मठ

सांची में कई मठ और विहार भी हैं, जो प्राचीन बौद्ध साधकों और भिक्षुओं के रहने के स्थल रहे हैं। इन मठों और विहारों का स्थापत्य और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना करते थे।

सांची संग्रहालय

सांची संग्रहालय बौद्ध कला और संस्कृति का एक प्रमुख स्थल है। इस संग्रहालय में सांची से प्राप्त प्राचीन मूर्तियाँ, स्तूपों के अवशेष, शिलालेख और अन्य धार्मिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं। यहाँ आकर पर्यटक सांची के ऐतिहासिक महत्व को गहरे से समझ सकते हैं।

उदयगिरी गुफाएँ

सांची से कुछ किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरी गुफाएँ प्राचीन हिन्दू और बौद्ध कला के अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ भगवान विष्णु, शिव और बुद्ध के अद्वितीय चित्रण से सुसज्जित हैं।

सांची का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सांची का धार्मिक महत्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक है। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित स्तूप और अन्य स्मारक बौद्ध धर्म के आस्था और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। सांची न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारतीय कला, स्थापत्य, और संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वास्तुकला और मूर्तियों में उस समय की सामाजिक और धार्मिक जीवनशैली का चित्रण किया गया है, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांची कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग- सांची का नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में स्थित है, जो लगभग 46 किलोमीटर दूर है। भोपाल से सांची तक टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- सांची का नजदीकी रेलवे स्टेशन सांची रेलवे स्टेशन है, जो यहाँ से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल, दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों से सांची के लिए ट्रेन सेवाएँ

उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- सांची प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल, गुना, और उज्जैन जैसे शहरों से सांची के लिए नियमित बस सेवाएँ और टैक्सी उपलब्ध हैं।

सांची का मौसम

सांची का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है, लेकिन सबसे आदर्श समय यहाँ यात्रा करने के लिए सर्दियों (नवंबर से फरवरी) का होता है। इस समय का मौसम ठंडा और सुखद होता है, जो यात्रा के लिए उपयुक्त है। गर्मियों में तापमान थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन नर्म मौसम और वायु की ठंडक यहां की यात्रा को सुखद बना देती है।

सांची भारतीय इतिहास, संस्कृति और बौद्ध धर्म का अद्भुत संगम है। यहाँ के स्तूप, मठ, और संग्रहालय न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक तीर्थ स्थल हैं, बल्कि कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। सांची की यात्रा से आपको न केवल धार्मिक शांति और मानसिक संतुलन मिलेगा, बल्कि भारतीय प्राचीन कला और संस्कृति का भी अनमोल अनुभव होगा। अगर आप ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों में रुचि रखते हैं, तो सांची एक आदर्श गंतव्य है।

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग-बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़-भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास, टी20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनें

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मुकाबला खेला जा रहा है। जहां भारत ने टॉस जीता और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इस दौरान टीम इंडिया के गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इतिहास रच दिया। दरअसल, वह भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस कड़ी में उन्होंने युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

दरअसल, अर्शदीप ने पहले ही ओवर में इंग्लैंड को बड़ा झटका देते हुए फिल सॉल्ट को आउट किया उसके बाद उन्होंने बेन डकेट को भी पवेलियन भेजा।

वहीं टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम था। चहल को इस मुकाम तक पहुंचने में 7 साल लगे। उन्होंने 2016 से लेकर 2023 तक 80 टी20 मैच में 96 विकेट झटके थे। लेकिन अर्शदीप ने महज 2022 से 2025 तक नंबर 1 पर कब्जा जमा लिया है। उन्होंने ये कारनामा महज 61वें टी20 मैच में कर दिखाया है।

वहीं टीम इंडिया ने पहले टी20 में बेहतरीन शुरुआत की है। पॉवर प्ले में ही टीम इंडिया को 2 विकेट की सफलता मिली। हालांकि मैच में प्लेइंग 11 हैरान करने वाली है। क्योंकि पहले टी20 मैच में मोहम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है।

टी20 में भारत के सबसे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

97 अर्शदीप सिंह
96 युजवेंद्र चहल
90 भुवनेश्वर कुमार
89 जसप्रीत बुमराह
89 हार्दिक पंड्या

सिंधु और लक्ष्य करेंगे चीन में बैडमिंटन एशिया मिश्रित चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुआई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता लक्ष्य सेन 11 से 16 फरवरी तक चीन के कगिंदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में प्रतियोगिता के पिछले चरण में कांस्य पदक जीता था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने टीम का चयन करते समय खिलाड़ियों की विश्व रैंकिंग और मौजूदा फॉर्म को अहमियत दी है। टीम में एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ क्रमशः दूसरे पुरुष और महिला एकल खिलाड़ी होंगे।''

मजबूत भारतीय टीम में स्टार युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी होंगे। महिला युगल जोड़ी में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली या अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो में से कोई एक हो सकती है। तनीषा मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायेंगी जबकि सतीश कुमार के और आद्या वरियाथ दूसरी जोड़ी होगी। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, ''हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचना है। फिर कुछ भी संभव है और हम पूरी कोशिश करेंगे।''

महिला अंडर-19 विश्व कप : इंग्लैंड ने अमेरिका को 8 विकेट से हराया

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। डेविना पेरिन (74) और टुडी जॉनसन (नाबाद 44) की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने बुधवार को अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। अमेरिका के 119 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर एरिन थॉमस (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी टुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुये (74) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। टुडी जॉनसन (44) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए थे। चेतना पग्यद्धला (10), इसानी वाघेल (10) और दिशा ढींगरा (छह) रन बनाकर आउट हुई। ऐसे समय मे कप्तान अनिका कोलन ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। रितु सिंह (20) रन बनाकर आउट हुई। अनिका कोलन (46) और पूजा गणेश (10) रन बनाकर नाबाद रही। अमेरिका की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, टुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये। टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोहित को क्या करना है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं : अजिंक्य रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुधवार को कहा कि रोहित शर्मा को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है और 'जब वह लय हासिल कर लेंगे तो उन्हें बड़ी पारी खेलने में कोई परेशानी नहीं आएगी'। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित लगभग एक दशक के अंतराल के बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी करेंगे।

मुंबई की टीम बृहस्पतिवार से यहां बीकेसी मैदान पर जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी तो सभी की निगाहें रोहित और उनके भारत के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर होंगी। रहाणे ने मुंबई के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, 'देखिए, रोहित, रोहित है। हम सभी यह जानते हैं। आपको भी पता है कि रोहित का व्यक्तित्व क्या है। मैं उन दोनों (रोहित और जायसवाल) को मुंबई के ड्रेसिंग रूम में वापस पाकर बहुत खुश हूं।'

रहाणे ने कहा, 'रोहित कभी तनाव लेना पसंद नहीं करते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए भी उनका चरित्र वैसा ही है। उनका रवैया काफी सहज है। वह

अपने खेल को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए किसी को उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें क्या करना है। वह एक बार क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद अच्छा करेंगे। उन्होंने खुद में कोई बदलाव नहीं किया है जो काफी अच्छी बात है।' पिछले कुछ महीनों से 37 वर्षीय रोहित बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। वह घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली करारी शिकस्त के बाद आलोचना का सामना कर रहे हैं। रहाणे ने कहा कि हर खिलाड़ी करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है लेकिन रोहित 'वास्तव में आश्वस्त' हैं। रोहित के साथ लंबे समय तक भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा करने वाले इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'इस में अहम बात यह है कि रोहित में अच्छा प्रदर्शन करने का जज्बा बरकरार है। वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ है। मुझे यकीन है कि एक बार जब वह मैदान पर उतरेंगे तो ऐसा करने में सफल रहेंगे।'

राहणे ने कहा, 'रोहित ने कल अभ्यास के कुछ सत्रों में अच्छी बल्लेबाजी की। मैं रोहित के अच्छे प्रदर्शन को लेकर वास्तव में आश्वस्त हूं।' रहाणे ने कहा कि जम्मू कश्मीर के खिलाफ यह मैच इस सत्र में रोहित के लिए एकमात्र मुकाबला हो सकता है। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला और उसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की कप्तानी करेंगे। रहाणे ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह सिर्फ इस मुकाबले को खेलेंगे। अगले मैच में उनकी उपलब्धता के बारे में मुझे पता नहीं है। अगले चार दिनों तक उनके सुझाव हमारे लिए काफी अहम होंगे।'

बीसीसीआई के इस दिशा निर्देश को सही नहीं मानते बटलर

कोलकाता ।इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि वह भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के उस दिशा निर्देशों को सही नही मानते जिसमें कहा गया है कि विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों का परिवार पूरे समय उनके साथ नहीं रह सकता है ।इसके पीछे तर्क दिय गया है कि खिलाड़ी इससे पूरे समय खेल पर ध्यान नहीं दे पाते ।वहीं बटलर का कहना है कि लंबे विदेश दौरों पर परिवार का साथ बहुत महत्वपूर्ण होता है और इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अधिक प्रभाव नही पड़ता ।बटलर के अलावा कई और दिग्गज भी इस नियम को सही नही मानते ।वहीं कुछ इसे सही मानते हैं ।भारत के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस नियम को लेकर आंशका जताई है ।बोर्ड के दिशा निर्देश के अनुसार खिलाड़ी तय समय से अधिक परिवार के साथ नहीं बिता सकते ।बटलर ने कहा, 'यह काफी भारी सवाल है ।यह अहम है ।हम आधुनिक जगत में रह रहे हैं और दौरों पर परिवार का साथ रहना बहुत अच्छा है ।

ऑस्ट्रेलिया में सर्फिंग करती दिखीं सारा तेंदुलकर

सिडनी ।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर आजकल यहां गोल्ड कोस्ट पर समुद्र की लहरों के बीच सर्फिंग का आनंद ले रही हैं ।सारा ने सोशल मीडिया में अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे की तस्वीरें साझा की हैं ।सार गोल्ड कोस्ट पर सर्फर्स पैराडाइज का आनंद लेने के लिए अपने दोस्तों सहित यहां पहुंची थीं ।इस दौरन नीले रंग की ड्रेस पहनी सारा ने खूब सर्फिंग का आनंद लिया ।प्रशंसकों ने भी सारा की तस्वीरों को काफी पसंद किया है ।इन तस्वीरों के लिए उन्हें जमकर लाइक मिले हैं ।सारा की इन तस्वरों को पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी पसंद किया है ।वहीं गत दिना सारा को क्वींसलैंड के समुद्र में जेट स्की का आनंद लेते हुए भी देखा गया था ।इसके अलावा पिछले दिनों वह अपनी मां अंजलि तेंदुलकर के साथ एक इवेंट पर पहुंची थी ।यहां वह लाल रंग की ड्रेस में सबसे आकर्षण का केन्द्र रहीं ।सारा वी-नेक पर सॉफ्ट मिरर, पर्ल और गोटा वर्क से सजी एक शानदार लाल स्लिम-फिट ट्यूनिक में पहुंचीं ।

टी20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सूर्यकुमार ने दिया मजेदार जवाब

कोलकाता। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले मीडिया से बात करते हुए हंसी-मजाक के मूड में नजर आये ।इस दौरान जब उनसे उनसे अगले साल होने वाले टी 20 विश्व कप की योजनाओं को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि सारे राज अभी ही बता दूं क्या ।साथ ही कहा कि अभी यात्रा का आनंद लेने दो, हमें टीम भी तैयार करनी है, स्थिति देखनी है और एक ईकाई के तौर पर खेलना है। यही मेरा और कोच गौतम गंभीर का मानना है। वहीं टीम के उपकप्तान बने डिप्टी अक्षर पटेल ने कहा कि भारतीय टीम इंग्लैंड से टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए अपने विकल्पों पर अधिक ध्यान देते हुए उनके आंकलन का प्रयास करेगी ।अक्षर ने कहा कि एक साल में विश्व कप आ रहा है, इसलिए उसके लिए कैसे आगे बढ़ें इसपर हमें अभी से ध्यान देना होगा ।यही इस सीरीज में हमारा मुख्य लक्ष्य है। साथ ही कहा कि लय हासिल करना सबसे अहम है क्योंकि अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, तो आप इसे जारी रख सकते हैं ।

मनसुख मांडविया ने की एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में खो-खो को शामिल करने की वकालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को पारंपरिक भारतीय खेलों को दुनिया भर में ले जाने की सरकार की इच्छा व्यक्त की और कहा कि खोखो को एशियाई खेलों और 2036 ओलंपिक में शामिल करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है और उसने अपनी महत्वाकांक्षी योजना की दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग को अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए एक 'आशय पत्र' प्रस्तुत किया है। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो खोखो उन छह खेलों में से एक होगा जिन्हें मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ट्वेंटी-20 क्रिकेट, कबड्डी, शतरंज और स्क्वाश के साथ 2036 ओलंपिक में शामिल करने की सिफारिश करने की योजना बना रही है।

विश्व कप जीतने वाली भारतीय खोखो

टीमों को सम्मानित करते हुए मांडविया ने कहा, ''हमने खोखो विश्व कप का आयोजन करके शानदार काम किया है और हमें यह प्रयास करना चाहिए कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले। '' उन्होंने कहा, ''सरकार का प्रयास खोखो को 2036 के ओलंपिक में ले जाना भी है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा, महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा।''

सम्मान समारोह में पुरुष और महिला टीमों के साथ टीम के कोच और भारतीय खोखो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल सहित अन्य लोग शामिल हुए। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने 19 जनवरी को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खोखो विश्व कप का खिताब जीता। दोनों भारतीय टीमों ने फाइनल में नेपाल को हराया। देश में पारंपरिक खेलों के पुनरुत्थान के बारे में बात करते हुए मांडविया ने कहा, ''पारंपरिक खेल सामुदायिक भावना और सहनशीलता को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीख सकती है।''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर जिक्र किया है कि हमें पारंपरिक खेलों को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' देना होगा। अब हमारी टीम को सर्वश्रेष्ठ 'एक्सपोजर' ही नहीं मिल रहा बल्कि टीम शानदार प्रदर्शन भी कर रही हैं। '' भारतीय महिला खोखो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने टीम की सफलता का श्रेय यहां कराये गये एक महीने के शिविर को दिया।

उन्होंने कहा, ''10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ शिविर शुरू किया। उनमें से हमने पुरुष और महिला टीमों के लिए प्रत्येक में सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें एकजुट होने में मदद की।

एलएसजी तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी : जहीर

नई दिल्ली ।लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है ।इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है ।ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे ।साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा ।जहीर के अनुसार इतने बाएं हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है ।2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है ।पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है ।

रोहित और विराट एकदिवसीय के दिग्गज बल्लेबाज, चैम्पियंस ट्रॉफी में पड़ेगी जरुरत : कैफ

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी में जरुरत पड़ेगी ।कैफ के अनुसार हाल में भले ही इनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर ये दोनो एकदिवसीय के बेहतरीन बल्लेबाज हैं ।इसलिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इनका चयन सही है ।विराट ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय प्रारूप में पदार्पण के बाद से ही अब तक 295 मैचों में 93.54 की स्ट्राइक रेट से 13906 रन बनाए हैं ।उनका औसत भी 58.18 है ।वहीं रोहित ने अपना पहला एकदिवसीय मैच 2007 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था ।265 एकदिवसीय में रोहित ने 92.43 की स्ट्राइक रेट और 49.16 की औसत से 10866 रन बनाए हैं ।कैफ ने हालांकि ये भी कहा कि रोहित और विराट दोनों ही लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्योंकि वे 30 के दशक के अंत में हैं ।उन्होंने कहा कि दो अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान टीम में बहुत योगदान देंगे ।उन्होंने कहा, आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है ।रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं ।वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें ।वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं ।वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं ।मुझे विश्वास है कि वे अच्छा खेलेंगे ।वे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में बहुत योगदान देंगे ।अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे ।रोहित शर्मा तेज शुरुआत देते हैं ।विराट कोहली उस शुरुआत का फायदा उठाते हैं ।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था: एरिका वीब

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। पूर्व ओलंपिक चैंपियन पहलवान एरिका वीब ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती को बाहर करने को बेहद निराशानजक करार दिया लेकिन साथ ही उम्मीद जताई कि अगले सत्र में खेल की वापसी होगी। कनाडा की एरिका ने 2016 रियो ओलंपिक की महिला 75 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में कजाखस्तान की गुजेल मेन्युरोवा को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता था।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और आईएसएस के सहयोग से यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती शिविर और 'रेसलिंग मास्टरक्लास' कार्यक्रम के लिए यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट आई एरिका ने वकालत की कि 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल किया जाना चाहिए था। एरिका ने इंटरव्यू में कहा, 'ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का फैसला बहुत निराशाजनक था। उन्होंने खेलों के लिए एक बहुत ही अलग मॉडल अपनाया। उनके पास केवल 10 खेल हैं। यह बेहद निराशाजनक बात है। मैं वास्तव में चाहती थी कि वे मुक्केबाजी की जगह कुश्ती को शामिल करते।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस खेल (कुश्ती) की लोगों तक अधिक पहुंच है। मुझे लगता है कि महासंघ बेहतर स्थिति में है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रमंडल में भारत और नाइजीरिया की मौजूदगी में कुश्ती के खेल में शानदार खिलाड़ियों के रूप में अपनी विविधतापूर्ण ताकत दिखाने का एक अवसर है।' कनाडा की इस पहलवान ने कहा, 'और इसलिए, हां, यह निराशाजनक है। मुझे लगता है कि चीजें बदलेंगी। हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है और इसलिए मुझे उम्मीद है कि शायद 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हम कुश्ती की वापसी देखेंगे।'

बुडापेस्ट 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता एरिका ने ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया की प्रशंसा की और कहा कि भारत में महिला कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत से भारतीय खिलाड़ियों, खासकर पहलवानों की सराहना करती हूं। मैंने बजरंग के लिए मैट पर और मैट के बाहर सम्मान के बारे में बहुत बात की है, वह एक शानदार पहलवान, अविश्वसनीय सहयोगी है। भारत में महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती में शानदार आदर्श मौजूद हैं।'

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता एरिका ने कहा, 'मैं फोगाट बहनों, साक्षी मलिक और विनेश के बारे में सोचती हूं, जो ना केवल मैट पर चैंपियन रही हैं, बल्कि जिस तरह से वे खुद को संभालती हैं और मैट के बाहर जिस तरह चीजों के लिए खड़ी होती हैं, वह मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक है।'

एरिका ने कहा कि एशियाई स्तर पर कुश्ती में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है और एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली अलग तरह की है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एशियाई पहलवानों की कुश्ती की शैली बहुत ही अनोखी है, इतने सारे देशों की मौजूदगी में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है,

खासकर कम भार वाले वजन वर्गों में, वे बहुत प्रतिस्पर्धी, बहुत तेज, तकनीक रूप से सक्षम हैं, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार होता है।'

राष्ट्रमंडल खेल 2014 की चैंपियन एरिका ने कहा, 'मुझे 2023 एशियाई चैंपियनशिप के लिए कजाखस्तान जाने का मौका मिला। मैं 2025 एशियाई चैंपियनशिप के लिए जॉर्डन के अम्मान में रहूंगी। मैं कुश्ती की क्षमता, उत्साह, ऊर्जा को देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं जो हम एशिया में कुश्ती की शैली में देखते हैं।'

जंगल की आग से ओलंपिक, फीफा विश्वकप के आयोजन पर उठे सवाल

फ्लोरिडा ।लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के बाद यहां 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों पर सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कि ओलंपिक को डलास या मियामी में स्थानांतरित करने की भी मांग उठी है ।इसी को लेकर आयोजन समिति के प्रमुख कैसी वासरमैन ने गत दिनों अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की थी जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि यह ओलपिक अमरीका के हैं। इसलिए इस मामले में हर प्रकार से प्रयास किये जाएंगे जिससे कि खेल का सफल आयोजन हो सके ।वहीं लॉस एंजिल्स में ही अगले साल फीफा विश्व कप के मैच भी होने हैं ।यह स्थल जंगल की आग से प्रभावित क्षेत्रों के करीब है हालाकि इसके बाद भी मैचों को बाहर स्थानांतरित करने के लिए अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है ।इस दौरान सुपर बाउल 2027 पर भी नजरें होंगी ।वही कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम कहते हैं कि हमारे पास ओलिम्पिक, सुपर बाउल और फीफा विश्व कप की मेजबानी है ।हमारे पास टीम है एक टीम है जो आयोजन की रूपरेखा तैयारी कर रही है ।बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि ओलपिक का उपयोग किसी आपदा से तबाह हुए क्षेत्र को बदलने के माध्यम के रूप में किया जाएगा ।ओलिम्पिक 14 जुलाई, 2028 को शुरू होने वाले हैं ।ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2017 में अमरीका को इसकी मेजबानी मिली थी ।लॉस एंजिल्स ने अंतिम बार 1984 में ओलिम्पिक की मेजबानी की थी। वही मीडिया दिग्गज चार्ली किर्क आदि ने खेलों को स्थानांतरित करने को कि था। किर्क ने कहा कि ओलंपि रद्द कर दिया जाना चाहिए। यदि आप फायर हाइड्रैंट नही भर सकते हैं, तो आप ओलिम्पिक की मेजबानी के योग्य नही हैं ।

लगातार ताकतवर हो रही भारतीय सेना, अब खरीदे जाएंगे 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय सेना के लिए 47 ब्रिज लेइंग टैंकों (बीएलटी) की खरीद के लिए हैवी व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1 हजार 560.52 करोड़ रुपए का समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सिस्टम एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका प्रयोग यांत्रिक बल द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते पर मंत्रालय और हैवी व्हीकल फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। उस दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। हैवी व्हीकल फैक्ट्री दरअसल आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की ही एक इकाई है। मंत्रालय ने कहा कि बीएलटी टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में सेना की गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ती है। समझौते के तहत टैंकों की खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहुल गांधी के मानहानि के केस में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में बुधवार को वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई टल गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्ताव के कारण सुनवाई 30 जनवरी तक के लिए टल गई। मामले में बचाव पक्ष द्वारा परिवादी से शेष जिरह में विचाराधीन है। गौरतलब है कि बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से शेष जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

विपक्ष पर नाराज होकर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल) के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। इस दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ ने संसद की कार्यवाही को बाधित करने वाले विपक्ष को भी खरी-खोटी सुनाई।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ये दुख की बात है, लोग संसद की मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का मंदिर अब अखाड़ा बन गया है। इन दिनों क्या कुछ देखने को नहीं मिल रहा है, क्या कुछ सुनने को नहीं मिल रहा है। जिस तरह के दृश्य हम अपनी संसद में देखते हैं, वह निश्चित रूप से देश में किसी के लिए भी प्रेरणादायक नहीं है। धनखड़ ने कहा, हमें लोकतंत्र की जननी होने पर गर्व है, लेकिन जो देखने को मिल रहा है, उसे कही से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। देश में राजनीतिक माहौल बेहद चिंताजनक है। राजनीतिक दल राष्ट्रवाद, सुरक्षा या विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श नहीं करते हैं। टकराव का रुख मजबूत हो रहा है, अशांति को राजनीतिक रणनीति के तौर पर हथियार बनाया गया है। हर तरफ से जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, वह न केवल भारतीय मानस को कमजोर करती है, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता को भी धूमिल करती है।

अंग्रेजों का पुल चला 108 साल, भारतीयों का 58 वर्ष तक ही चलेगा

नई दिल्ली। भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज, पंबन ब्रिज का जल्द ही उद्घाटन होने वाला है। 2.07 किलोमीटर लंबा यह ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ता है। यह पुल आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। रेलवे के अनुसार, इसे भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। नव-निर्मित पंबन ब्रिज 108 साल पुराने पुल का स्थान लेगा। खास बात यह है कि नए पुल की आयु पुराने पुल से कम होगी, जबकि इसे आधुनिक तकनीक से बनाने का दावा किया गया है। गौरतलब है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने भी इस पुल के निरीक्षण के दौरान पुल के संक्षारण-रोधी उपायों पर सवाल उठाए थे।

पटना में पकड़ा गया दिव्यांग चोर निकला करोड़पति, 13 साल से कर रहा चोरी

पटना। बिहार पुलिस ने एक करोड़पति चोर को पकड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी दिव्यांग है, उसने पटना के हर इलाके में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। अब तक वह अकेले करोड़ों के जेवरात और कैश चुरा चुका है। रविवार शाम उसे पटना के नेहरू नगर इलाके में चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। पुलिस ने केस दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम पाटलीपुत्र इलाके थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। लोगों ने पुलिस को बताया कि एक चोर चोरी के इरादे से एक व्यक्ति के घर में घुसा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी दिव्यांग था। उसका नाम पूछा तो उसने दिनेश उर्फ लंगड़ा बताया। पुलिस ने जब आरोपी के बारे में पता किया तो सामने आया कि उसने पटना के सभी थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

सीएम बनाने की मांग पर बोले शिवकुमार- मैं अपना कर्तव्य निभाऊंगा, पार्टी तय करेगी

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर डी शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी है। इस बार जैन संत गुणाधर नंदी महाराज ने इस आशय की मांग की है। इस पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाएंगे और बाकी का फैसला पार्टी करेगी।

नवग्रह तीर्थ महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में पूज्य संत गुणधर नंदी महाराज ने शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करते हुए आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम में भक्तों को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि उनके दो सपने हैं- जैनियों के लिए एक निगम बोर्ड का गठन और शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना। उन्होंने मंच पर मौजूद सभी आचार्यों और जैन मुनियों को हाथ उठाकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया।

महाराज ने कहा, मैं शिवकुमार को आशीर्वाद दे रहा हूं। चाहे कुछ भी हो, वह जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं यह आशीर्वाद इसलिए दे रहा हूं क्योंकि कांग्रेस पार्टी के लिए इतनी मेहनत और योगदान देने वाला कोई और नहीं है। कोई भी उनके प्रयासों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी इच्छा है कि शिवकुमार एक बार मुख्यमंत्री बनें। वह धर्मनिष्ठ और त्यागी हैं।इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को सामने ला दिया है। इससे पहले, शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य में सत्ता-साझेदारी पर कोई समझौता नहीं है और वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अधीन काम करेंगे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए संत के आशीर्वाद के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आध्यात्मिक नेता हमें आशीर्वाद देते हैं तो हम क्या कह सकते हैं? यह उनकी इच्छा है। हालांकि, हमारी पार्टी सर्वोच्च है। पार्टी जो भी फैसला करेगी, हम उसका पालन करेंगे। मुझे कोई पद पाने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरी जिम्मेदारी पार्टी और सरकार के लिए जो भी काम करना है, उसे करना है। मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

कौन कहां पर गंगा में डुबकी लगाएगा ये बीजेपी वाले तय नहीं कर सकते : डिंपल यादव

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने मिल्कीरपुर उपचुनाव में जीत का बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की घोषणा होते ही बीजेपी सरकार के इशारे पर मिल्कीयपुर में संघ और विहिप जैसे संगठन सक्रिय हो चुके हैं। बीजेपी की सभी साजिशों को नाकाम कर जनता सपा प्रत्याशी को ही वोट देगी। इस दौरान डिंपल ने सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव के हरिद्वार में डुबकी लगाने के सवाल का जवाब भी दिया। डिंपल ने कहा कि बीजेपी के नेता ये नहीं तय कर सकते कि कौन कहां डुबकी लगाएगा।

ये हमारा अधिकार है कि हम कब और कहां जाकर गंगा में डुबकी लगाएंगे। बीजेपी के लोग देश का भविष्य खराब करना चाहते हैं। बता दें कि पांच फरवरी को अयोध्या के मिल्कीपुर में उपचुनाव होना है। आठ फरवरी को नतीजे आएंगे। सपा ने सीट से अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं बीजेपी ने चंद्रभान पासवान को उतारा है। बसपा ने कोई उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। सपा और बीजेपी दोनों पार्टियों के नेता अपने प्रत्याशी की जीत के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से एक और सदस्य बीमार, चंडीगढ़ किया रेफर

* प्रशासन द्वारा उपलब्ध खाद्य पदार्थो का ही सेवन करने के आदेश जारी

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बदहाल गांव में 17 मौतों के बाद मंगलवार को पीड़ित परिवार का एक और सदस्य बीमार पड़ गया। उसे गंभीर हालम में चंडीगढ़ रेफर किया गया है। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट राजौरी ने बदहाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। आदेश के तहत पूरे बदहाल क्षेत्र को तीन जोनों में बांटा गया है। यह कदम प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों की निगरानी और नियंत्रण रणनीति पर केंद्रित है।

पहले जोन में उन परिवारों के घरों को सील कर दिया जाएगा, जहां मौतें हुई हैं। इन घरों में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होगी, जब तक कि संबंधित अधिकारी इजाजत न दें। दूसरे जोन में उन परिवारों को शामिल किया है जो प्रभावित व्यक्तियों के करीबी संपर्क में आए हैं। इन परिवारों के सदस्यों को जीएमसी राजौरी में शिफ्ट किया जाएगा, ताकि उनकी स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी की जा सके। तीसरा जोन बदहाल गांव के सभी घरों को कवर करता है। इसमें प्रशासन यह तय करेगा कि लोग केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करें। पुलिस यह भी तय करेगी कि लोग बदले हुए खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें। प्रत्येक खाद्य वितरण और खपत को लॉगबुक में दर्ज किया जाएगा। यह लॉगबुक रोज तीन बार अपडेट की जाएगी और संबंधित अधिकारी के इस पर हस्ताक्षर होंगे। वहीं तीनों कंटेनमेंट जोनों के तहत किसी भी प्रकार के सार्वजनिक या निजी कार्यक्रमों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों को केवल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन और पानी का ही सेवन करना होगा। संक्रमित घरों में रखे सभी खाद्य पदार्थों को प्रशासन द्वारा जब्त किया जाएगा और उन्हें नए खाद्य पदार्थों से बदल दिया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस, स्वास्थ्य और खाद्य वितरण विभागों को आदेश दिया है कि इस आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए।

दूसरे देशों की तरह प्रवासी भारतीयों को संसद में प्रतिनिधित्व देने की उठी मांग, जल्द आएगा बिल !

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अन्य देशों की तर्ज पर अब भारत में भी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) को संसद में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठी है। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय का कहना है कि अप्रवासन के मामले पर मंत्रालय में एक बिल की तैयारी में चर्चा जारी है। दरअसल मंगलवार को शशि थरूर की अध्यक्षता में मंत्रालय की विदेश मामलों की संसदीय समिति की एक बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रवासियों की बढ़ती संख्या और डायसपोरा से जुड़े हुए मामलों को देखते हुए एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दिया।

सूत्रों ने बताया कि हुड्डा ने अपने सुझाव के पीछे यह तर्क दिया कि एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने से उनसे जुड़े मामलों पर बेहतर ढंग से विचार किया जा सकेगा। उन्होंने इटली का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों को विधानमंडल में आरक्षण दिया है। बैठक में मामले पर राज्य सरकारों से विमर्श करने का सुझाव भी दिया गया। इसके अलावा प्रवासियों से संबंधित कई अन्य मामले समिति की चर्चा में शामिल हुए।

बैठक के बाद शशि थरूर ने कहा कि प्रवासियों को लेकर व्यापक रूप से काम कर रहे चार संगठनों के साथ समिति ने विचार-विमर्श किया, समिति के सदस्य सांसदों ने बातचीत में पूर्ण सहभागिता की। कई प्रश्न-उत्तर के साथ जीवंत संवाद हुआ। संगठनों ने बैठक के दौरान कई अच्छे सुझाव दिए। जिसमें केरल के एक संगठन ने कहा कि भारतीय संगठन लोगों को विदेशी जरूरतों को लेकर कौशल प्रदान कर सकता है। यह कुशल कर्मियों के अप्रवासन को सुचारू करेगा और अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगेगी। इसमें लोगों के अवैध रूप से विदेशों में बसने पर भी रोक लगेगी। नोरका रूट्स (केरल), पंजाब सरकार का एनआरआई मामलों का विभाग, पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई), दिल्ली एंड द सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात जैसे संगठनों की बैठक में भागीदारी रही।

एक लाख से अधिक हैं पंजीकृत प्रवासी मतदाता

चुनाव आयोग के वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल पंजीकृत विदेशी मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 374 थी। इनमें केरल में सबसे ज्यादा 89 हजार 839 विदेशी मतदाता पंजीकृत हुए थे। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 99 हजार 844 थी। इसके अलावा मतदान के दौरान प्रवासी भारतीय मतदाताओं की रुचि वोट डालने में बेहद कम नजर आती है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 1 लाख 19 हजार 374 में से केवल 2 हजार 958 मतदाता ही मतदान करने के लिए भारत आए थे। इनमें से 2 हजार 670 अकेले केरल से थे। जबकि कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में विदेश मतदाताओं का मतदान में कोई योगदान नहीं देखा गया। महाराष्ट्र में 5 हजार 97 प्रवासी मतदाताओं में से 97 ही चुनाव में अपना वोट डालने के लिए स्वदेश पहुंचे।

ममता सरकार की याचिका पर हाईकोट... आरोपी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेंगे

-सीबीआई ने कहा: बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार नहीं

कोलकाता। आरजी कर रेप-मर्डर केस में दोषी संजय रॉय की सजा के खिलाफ बंगाल सरकार की अपील पर फैसला करने से पहले कलकत्ता हाईकोर्ट दोषी संजय, पीड़ित परिवार और सीबीआई को सुनेगा। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा कि बंगाल सरकार की याचिका मंजूर करने से पहले कहा कि हम इन पक्षों की बात सुनने के बाद भी इस पर फैसला होगा। सुनवाई 27 जनवरी को होगी। ममता सरकार ने अपील में कहा था कि संजय रॉय ने जो अपराध किया है, उसके लिए उम्रकैद की सजा पर्याप्त नहीं है। संजय को फांसी दी जानी चाहिए। सियालदह कोर्ट ने 20 जनवरी को संजय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जस्टिस अनिर्बान दास ने कहा था कि यह मामला रेयरस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में नहीं आता, इसकारण फांसी की सजा नहीं दी गई है। वहीं हाईकोर्ट में जस्टिस देबांगशु बसक और जस्टिस मो. शब्बार राशिदी की बेंच के सामने सीबीआई के वकील ने बंगाल सरकार के याचिका दाखिल करने के अधिकार का विरोध किया। सीबीआई के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल राजदीप मजूमदार ने कहा कि बंगाल सरकार के पास याचिका दाखिल करने का कोई अधिकार ही नहीं है।

हिमाचल में बर्फबारी: आधा दर्जन राज्यों में होगी बारिश, दस्तक देगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल में हुई बर्फबारी के बाद आधा दर्जन राज्यों में बारिश और हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड फिर दस्तक देने वाली है। मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक, 23 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि 22 जनवरी को राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 22 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ बारिश की संभावना है।

जहां तक दिल्ली-एनसीआर की बात है तो यहां 23 जनवरी के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 जनवरी को सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर कोहरा छाने की संभावना है। इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कुछ स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा भी छाने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 18 जबकि न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार-गुरुवार को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि उसके बाद 27 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि हंसा और काजा में क्रमशः 2.5 सेमी और 0.8 सेमी बर्फबारी हुई। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहा।

पंजाब के अमृतसर में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। लुधियाना में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था, जबकि पटियाला में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। पठानकोट, गुरदासपुर, फिरोजपुर और मोहाली में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमश-8.6 डिग्री, 8 डिग्री, 8.1 डिग्री और 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, बठिंडा और फरीदकोट में रात काफी ठंडी रही और न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.4 डिग्री तथा 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा और पंजाब के अधिकतर स्थानों पर मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था। हिसार, कर्नाल, रोहतक, नारनौल, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक क्रमश-8.3 डिग्री, 8 डिग्री, 9.3 डिग्री, 7.8 डिग्री, 9.5 डिग्री और 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ट्रूकॉलर अब आईफोन में रियल-टाइम कॉलर आईडी एवं स्पैम ब्लॉकिंग की सुविधा प्रदान करेगा

एजेंसी

रांची : ट्रूकॉलर दुनिया में संचार का अग्रणी प्लेटफॉर्म है, जिसने आज आईफोन के लिए अब तक के सबसे बड़े अपडेट की घोषणा की है। इस नए अपडेट के बाद अब आईफोन यूजर्स ट्रूकॉलर की स्पैम एवं स्कैम ब्लॉकिंग की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकते हैं! अब यह सभी प्रकार के कॉल्स की पहचान करने में सक्षम है, जिसके बाद आईफोन में उपलब्ध सुविधाएँ भी एंड्रॉयड फोन के बराबर हो गई हैं। एप्पल के लाइव कॉलर आईडी लुकअप फ्रेमवर्क की वजह से ही यह संभव हो पाया है, जिसे खास तौर पर ट्रूकॉलर जैसे ऐप्स के लिए विकसित किया गया है ताकि गोपनीयता बनाए रखते हुए लाइव कॉलर आईडी उपलब्ध कराई जा सके। यह अढक अत्याधुनिक होमोमॉर्फिक एन्क्रिप्शन का उपयोग करता है और ट्रूकॉलर दुनिया का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने इसे कॉलर आईडी के लिए बड़े पैमाने पर लागू किया है।

ट्रूकॉलर का दमदार अनुभवः अब आईफोन पर

ट्रूकॉलर पिछले 15 सालों से अनचाहे संचार को फि ल्टर करने का काम कर रहा है। यह अपडेट ट्रूकॉलर की नवीनतम एआई क्षमताओं और ग्लोबल डेटाबेस का लाभ उठाकर ज्यादा-से-ज्यादा कॉल की पहचान करने में सक्षम है। इसके बाद ट्रूकॉलर के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर डर पर किसी भी कॉल की पहचान की जा सकती है। इसके अलावा, इस नए अपडेट में एक ऐसा फीचर भी शामिल है जिसकी ट्रूकॉलर डर यूजर्स लंबे समय से मांग कर रहे थेः यानी अब उन्हें स्पैम कॉल को ऑटोमेटिक तरीके से ब्लॉक करने की सुविधा भी मिलेगी। अन्य सुधारों में पहले से पहचाने गए कॉल्स को सर्च करने की क्षमता भी शामिल है, जो फोन ऐप में हाल ही की सूची में पिछले 2,000 नंबरों तक जाती है। अंत में, आईफोन पर ट्रूकॉलर में अब प्रीमियम फैमिली प्लान का सब्स्क्रिप्शन लेने की सुविधा भी शामिल है। फैमिली प्लान के साथ, आप बेहद कम मासिक या सालाना मूल्य पर ट्रूकॉलर प्रीमियम के सभी फायदों को अधिकतम चार लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। डर 18.2 पर ट्रूकॉलर को कैसे इनेबल करें सुनिश्चित करें कि आपके आईफोन में ट्रूकॉलर का 14.0 या इसके बाद का वर्जन मौजूद हो। आईफोन सेटिंग्स ऐप्स फोन कॉल ब्लॉकिंग एंड आईडेंटिफिकेशन खोलें। यहाँ, सभी ट्रूकॉलर स्विच को इनेबल करें और ट्रूकॉलर ऐप को फिर से खोलें। ट्रूकॉलर के सीईओ, रिशित झुनझुनवाला ने कहा, हमें ट्रूकॉलर की पूरी क्षमता को आईफोन के लिए पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हमें अपने आईफोन यूजर बेस में जबरदस्त संभावनाएं और बढ़ोतरी नजर आ रही है, और एंड्रॉइड की तरह ट्रूकॉलर का अनुभव प्राप्त करना उनके विश-लिस्ट में सबसे ऊपर रही है। यह अपडेट सभी कॉलिंग गतिविधियों के लिए गोपनीयता को बनाए रखते हुए, इसके साथ-साथ बहुत सी सुविधाओं की पेशकश करता है।

केंद्र में जल्द मोदी के साथ नजर आएंगे उद्धव ठाकरे-शरद पवार, पूर्व मंत्री के दावे से मची सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। बीते कुछ वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में कई राजनीतिक समीकरण बदले हैं। आगे महाराष्ट्र की राजनीति में क्या होगा? यह कहा नहीं जा सकता। आलम यह है कि राज्य की राजनीति में हमेशा अनिश्चितता बनी रहती है और कब कौन पाला बदल लेगा यह अनुमान कर पाना भी मुश्किल रहता है। अब राज्य के पूर्व राज्यमंत्री बच्चू कडू ने एक बड़ा दावा किया है। उनके इस दावे से राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई है। दरअसल बच्चू कडू ने दावा किया है कि देश में सबसे बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल शरद पवार और उद्धव ठाकरे को लेकर होगी और शरद पवार और उद्धव ठाकरे जल्द ही केंद्र में भाजपा सरकार में शामिल होते नजर आएंगे। बच्चू कडू के इस दावे से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। क्या राज्य की राजनीति और खासकर महाविकास अघाड़ी में कोई भूचाल आएगा? राजनीतिक हलकों में ऐसी चर्चाएं होने लगी है। बच्चू कडू ने आगे कहा कि जिस तरह से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू ने एक-दो बिल पास कराने के लिए भाजपा के साथ बने रहे, भाजपा फिलहाल उनके जाने के बाद अपनी सुविधा देख रही है और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और उद्धव ठाकरे की उभरती शिवसेना ही मुख्य भूमिका में हैं। क्योंकि, इन दोनों पार्टियों के सांसदों की संख्या को देखते हुए शिवसेना (ठाकरे) के सांसद संजय राउत का बयान यही दर्शाता है। बच्चू कडू ने यह भी कहा कि संजय राउत का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि अब जब हम फिर से सत्ता में आ रहे हैं तो कोई भी पार्टी छोड़कर न जाए। बच्चू कडू ने भाजपा की भी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, फिलहाल भाजपा के लिए एकनाथ शिंदे और अजित पवार की जरूरत खत्म हो चुकी है और भाजपा की नीति मुगलिया है। बच्चू कडू ने भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि भाजपा की नीति है कि जो भी उनसे दूर जाता है, उसे काट दिया जाता है।

बच्चू कडू ने कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे की भी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में जो सरकार आई है, वह भ्रष्ट रास्ते से आई है और अगर यहां के मंत्री खुलेआम भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं, तो उन्हें बधाई दी जानी चाहिए। एकनाथ शिंदे की नाराजगी के बारे में बात करते हुए बच्चू कडू ने यह भी दावा किया है कि जब बड़े नेता नाराज होते हैं, तो इसका मतलब है कि वे बहुत खुश हैं और जब वे बहुत खुश होते हैं, तो वे बहुत नाराज होते हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**